निफ्टी ~ 24,610.05

चांदी ~ 96500.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 16 दिसम्बर 2024
मार्गशीर्ष शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 84
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

8 इंटरनेशनल ड्रग तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक सफल सीक्रेट ऑपरेशन चला कर यूके स्थित हैंडलर धर्मा संधू से जुड़े 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी को भी जब्त किया है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जानकारियां हासिल कर रही है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने जानकारी दी कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 4.5 किलोग्राम हेरोइन, 2 ग्लॉक पिस्तौल (9एमएम), 2 पिस्तौल (30 बोर), 1 पिस्तौल (32 बोर), 1 जिगाना पिस्तौल (30 बोर), 16 जिंदा कारतूस और 1.5 लाख की ड्रग्स से जुड़ी नकदी बरामद की गई है।
इस मामले में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर थाने घरिंडा में दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत न केवल ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर बड़ा प्रहार किया गया है, बल्कि इनकी आपूर्ति से जुड़े पिछले और संभावित नेटवर्क का भी पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कैनेडियन महिला ने पंजाबी गायक पर लगाए गंभीर आरोप

जालंधर। पंजाबी गायक राज जुझार के खिलाफ एक एनआरआई महिला ने मामला दर्ज कराया है। कैनेडियन सिटीजन महिला ने गायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत पर गायक राज जुझार के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। महिला ने बताया कि राज जुझार से उसकी मुलाकात साल 2006 में हुई थी और जुझार ने उसे झांसे में लेकर फंसाया और लाखों रुपये ऐंठ लिए। महिला ने पंजाबी गायक पर और भी गंभीर आरोप लगाए हैं। राज जुझार आपत्तिजनक गाने बनाने को लेकर विवाद में भी पड़ चुके हैं। साल 2018 में उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरे कॉल मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। गायक ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने प्रशंसकों को जानकारी देते हुए कॉल के बारे में बताया था।

जम्मू में मादक पदार्थ के साथ पाकिस्तानी ड्रोन जब्त

जम्मू। जम्मू के अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया है। इस मामले की जानकारी रविवार को सुरक्षा बल के अधिकारियों ने मीडिया को दी है। जानकारी दे रहे अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी ड्रोन अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से भारत में घुसा था। उक्त ड्रोन को शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर स्थित चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से जब्त कर लिया गया है।

महादेव ऐप की एक और 130 करोड़ की संपत्ति जब्त, अब तक 11 लोग गिरफ्तार

मुंबई। मोबाइल ऐप के जरिए सट्टेबाजी का अवैध कारोबार करने वाली और पांच हजार करोड़ रुपया हवाला के जरिये विदेश भेजने वाली महादेव ऐप कंपनी पर शनिवार को ईडी ने फिर छापा मारा और 130 करोड़ 57 लाख की संपत्ति जब्त कर लिए। इसमें कंपनी द्वारा निवेश की गई प्रतिभूतियां, बांड, डीमैट खाते में राशि आदि शामिल हैं। मालूम हो कि 7 दिसंबर को भी ईडी ने 388 करोड़ 99 लाख की संपत्ति जब्त की थी। ईडी अब तक कंपनी के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की 2426 करोड़ 18 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

फडणवीस सरकार का कैबिनेट विस्तार

भाजपा के 19, शिवसेना कोटे से 11 और एनसीपी (अजित) कोटे के 9 विधायक बने मंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार का नागपुर में मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन नए 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में भाजपा के 19, शिवसेना कोटे से 11 और एनसीपी (अजित) कोटे के 9 विधायक मंत्री बने। बता दें कि इससे पहले 1991 में भी नागपुर में मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया था। सबसे पहले भाजपा से विधायक और राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद राधाकृष्ण विखे पाटिल, चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, गणेश नाइक, मंगल प्रभात लोढ़ा, जयकुमार रावल, पंकजा मुंडे, अतुल सावे, अशोक उइके, आशीष शेलार, शिवेंद्र सिंह भोसले, जयकुमार गोरे, संजय सावकारे, नितेश राणे, आकाश फुंडकर, माधुरी मिसाल, पंकज भोईर, मेघना बोर्डिकर ने शपथ ली है।

शिवसेना कोटे से मंत्री

राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शिवसेना कोटे से छठवें नंबर पर शिवसेना विधायक गुलाबराव पाटिल ने शपथ ली है। उनके बाद दादा भुसे, संजय राठौड़, उदय सामंत, शंभुराज देसाई, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, भरत गोगावले, प्रकाश आबिटकर, आशीष जायसवाल, योगेश कदम ने मंत्री पद की शपथ ली है। योगेश कदम दापोली विधानसभा सीट से विधायक हैं।

एनसीपी (अजित) कोटे से मंत्री

महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार के दौरान मंत्रियों के शपथ लेने के क्रम में तीसरे नंबर पर एनसीपी के हसन मुश्रिफ ने मंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद धनंजय मुंडे,, दत्तामामा भरणे, अदिति तटकरे, मानिकराव शिवाजी राव कोकाटे, नरहरी झिरवाल ने मंत्री पद की शपथ ली है। वहीं मकरंद जाधव पाटील, बाबासाहेब पाटिल, इंद्रनील नाईक ने मंत्री पद की शपथ ली है। इंद्रनील नाईक पुसाद विधायक सीट से विधायक हैं।

होम-रेवेन्यू भाजपा ने अपने पास रखे

महाराष्ट्र में रविवार को देवेंद्र फडणवीस कैबिनेट का विस्तार हो गया। 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस बीच सूत्रों ने बताया कि जिस गृह विभाग पर शिवसेना नजर गड़ाए हुई थी, वो भाजपा के खाते में रहेगी। राज्य के चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा ने गृह, राजस्व, सिंचाई और शिक्षा विभाग अपने पास ही रखा है, लेकिन अभी स्पष्ट नहीं है कि इन मंत्रालयों की जिम्मेदारी किसकी होगी। बताया जा रहा है कि शिवसेना को शहरी विकास, आवास, उद्योग, स्वास्थ्य, परिवहन, पर्यटन, आईटी, मराठी भाषा और एमएसआरडीसी विभाग की जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं एनसीपी को वित्त, सहकारिता और खेल विभाग मिलने की बात स्पष्ट हो गई है। हालांकि, इन दोनों दलों की तरफ से इन मंत्रालयों की जिम्मेदारी किन्हें मिलेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इनके अलावा भाजपा ने गृह, राजस्व, बिजली, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा और सिंचाई की जिम्मेदारी अपने पास रखी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने लगाया गंभीर आरोप, कहा

गांधी परिवार ने मेरा करियर बर्बाद किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने खुलासा किया कि पिछले 10 साल में उन्हें सोनिया गांधी से सिर्फ एक बार मिलने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने ही मेरा पॉलिटिकल करियर बनाया है और बर्बाद भी किया है। लेकिन वह कभी भाजपा में शामिल नहीं होंगे। एक इंटरव्यू में अय्यर ने दो किस्से बताए- एक बार राहुल गांधी को शुभकामनाएं भिजवाने के लिए उन्हें प्रियंका गांधी को फोन करना पड़ा था। साथ ही एक बार उन्होंने सोनिया गांधी को मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं तो मैडम ने कहा कि मैं क्रिश्चियन नहीं हूं। मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब में बताया कि 2024 के चुनाव में उन्हें राहुल गांधी ने टिकट नहीं दी थी और राहुल ने कहा था- हरगिज मणिशंकर अय्यर को टिकट नहीं देंगे क्योंकि वो बहुत बुड्ढे हो गए हैं। अय्यर तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से तीन बार लोकसभा चुनाव जीते चुके हैं और राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं।

प्रणब मुखर्जी पीएम होते तो चुनाव नहीं हारते

अय्यर ने बताया कि प्रणब मुखर्जी को उम्मीद थी कि उन्हें देश का प्रधानमंत्री और मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति बनाया जाएगा। यदि मुखर्जी प्रधानमंत्री होते तो कांग्रेस 2014 के लोकसभा चुनाव में बुरी तरह नहीं हारती। उन्होंने कहा कि 2012 से ही कांग्रेस की स्थिति खराब थी। सोनिया गांधी बहुत बीमार पड़ गईं और मनमोहन सिंह को 6 बार बाईपास कराना पड़ा था, जिससे चुनाव में पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री एक्टिव नहीं थे। ऐसी स्थिति प्रणब मुखर्जी बखूबी संभाल सकते थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया था।

31 मार्च 2026 से पहले करेंगे नक्सलवाद का खात्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित बेहद गरिमामय कार्यक्रम में राज्य की पुलिस को राष्ट्रपति निशान (पुलिस कलर्स अवार्ड-2024) सौंपा। यह देश के सशस्त्र बलों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। विगत 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस की असाधारण सेवाओं, बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के लिए राज्य को यह सम्मान मिला है। छत्तीसगढ़ यह सम्मान हासिल करने वाला देश का सबसे युवा राज्य है, जिसने अपने गठन के मात्र 24 वर्षों में ही यह उपलब्धि हासिल की है। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति का पुलिस कलर्स अवार्ड केवल एक सम्मान नहीं है, यह सेवा और कर्तव्य का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सलवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में जो साहस और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अभूतपूर्व है। छत्तीसगढ़ पुलिस देश के सर्वश्रेष्ठ और बहादुर पुलिस बलों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार छत्तीसगढ़ और देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद का पूर्णतः खात्मा हो जाएगा। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि इसने न केवल कानून और व्यवस्था को बनाए रखा है, बल्कि जनता के विश्वास को भी मजबूत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति का पुलिस कलर्स अवार्ड पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, उनका हौसला और मनोबल बढ़ाएगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जांबाज पुलिस को राष्ट्रपति निशान सौंपना मेरे लिए भी गर्व की बात है। यह सम्मान छत्तीसगढ़ की पुलिस की कड़ी मेहनत, समर्पण और जनता के प्रति लगाव का द्योतक है। छत्तीसगढ़ की पुलिस नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील ठोंकने की तैयारी में है। यहां की पुलिस ने कानून-व्यवस्था और नक्सल मोर्च के साथ ही कोरोना महामारी में भी बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटने की अपील की। श्री शाह ने समारोह में देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को आज उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद-370 को हटाकर और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के केवल 24 वर्षों में हमारे पुलिस बल को उनकी असाधारण सेवाओं और जनता के प्रति समर्पण के लिए मिला है। यह सम्मान न केवल पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें और अधिक उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने एंटी-नक्सल ऑपरेशनों में छत्तीसगढ़ पुलिस की सफलता पर कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था और विशेष प्रावधान सरकार द्वारा किए गए हैं।

आप सरकार ने पेंडिंग सभी 14 कैग रिपोर्ट एलजी को भेजी

नई दिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने लंबित कैग की 14 रिपोर्टें उपराज्यपाल कार्यालय को भेज दी हैं। उपराज्यपाल सचिवालय ने इन रिपोर्टों के मिलने की पुष्टि की है। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दिल्ली सरकार को लंबित इन 14 कैग रिपोर्टों को दिल्ली विधानसभा के पटल पर रखने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। एलजी कार्यालय ने नोट में कहा, सरकार ने अपनी छवि बचाने के लिए सुनवाई से ठीक एक दिन पहले 11 दिसंबर को दोपहर 3:30 बजे जल्दबाजी में 12 रिपोर्ट भेजीं और बाद में सुनवाई समाप्त होने के बाद 12 दिसंबर को शाम 7.50 बजे दो शेष रिपोर्ट एलजी सचिवालय को भेजीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये रिपोर्ट वित्त मंत्री आतिशी के पास करीब 500 दिनों तक पड़ी रहीं।

संविधान को लेकर दिए पीएम मोदी के भाषण को विपक्ष में बताया बोरिंग, प्रियंका ने कहा-

नड्डा जी हाथ मल रहे थे तो शाह जी सिर छू रहे थे

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान को लेकर अपने भाषण में कांग्रेस पर निशाना साधा था। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के भाषण को बोरिंग बताया। प्रियंका ने कहा कि पीएम ने कुछ भी नया या रचनात्मक नहीं कहा है। दशकों बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं स्कूल के मैथ्स के डबल पीरियड में बैठी हूं। प्रियंका ने कहा कि बीजेपी नेता जेपी नड्डा हाथ मल रहे थे, पीएम ने उनको देखा तो वे ऐसी एक्टिंग करने लगे कि वे सुन रहे हैं, अमित शाह अपना सिर छू रहे थे। पीछे बैठे पीयूष गोयल ऐसे लग रहे थे कि वे सोने वाले हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे लगा कि पीएम कुछ नया बोलेंगे, लेकिन उन्होंने खोखले वादों के बारे में बात की। अगर उनमें भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है, तो उन्हें कम से कम अडानी पर बहस करनी चाहिए।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी का ये बहुत लंबा भाषण था। हमें 11 जुमलों की शपथ सुनने को मिली। वंशवाद की राजनीति की आलोचना करने वालों की पार्टी में वंशवाद की भरमार है। सच्चाई यह है कि एससी/एसटी, ओबीसी और दलितों का आरक्षण खत्म कर दिया गया है। जल्द ही एक दिन आएगा जब जाति जनगणना होगी और लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से उनके अधिकार और सम्मान मिलने लगेंगे।

वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी के भाषण में कोई दम नहीं था। ये कांग्रेस के खिलाफ सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप था। कल और आज हमने उजागर किया कि उनकी एनडीए सरकार अब अडानी के लिए चल रही है। वे संविधान की बात करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, एकाधिकार बना रहे हैं। जब हम संसद में संविधान पर चर्चा करते हैं, तो वे इसका कोई सम्मान नहीं करते।

कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि भाषण के दौरान पीएम मोदी सिर्फ गांधी परिवार को लेकर अड़े रहे। वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना करते रहते हैं। उनका ध्यान केवल गांधी परिवार पर है, जिसने इस देश को स्वतंत्रता और संविधान दिलाया। हम इससे परेशान हैं।

पीएम मोदी की किसानों को लेकर शाह-शिवराज के साथ बैठक

किसानों को किसी बड़ी घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को एक अहम बैठक की है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में किसान आंदोलन को लेकर बातचीत की गई है। इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी शामिल हुए थे। किसान आंदोलन के बीच पीएम मोदी के सक्रिय होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि केंद्र बहुत जल्द किसानों को लेकर कोई बड़ी घोषणा करने जा रही है। वहीं पंजाब सरकार ने भी किसानों की मांगों को केंद्र तक पहुंचाने की बात कही है। इन सब से किसानों को भी उम्मीद बंधी है कि केंद्र को बड़ी घोषणा कर सकती है।

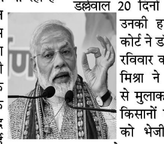

डल्लेवाल की हालत गंभीर

यहां बताते चलें कि किसान नेता जगजीत डल्लेवाल 20 दिनों से आमरण अनशन पर हैं। उनकी हालत गंभीर होने पर सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरी मदद के निर्देश दिए थे। रविवार को केंद्रीय गृह निदेशक मयंक मिश्रा ने खनौरी बॉर्डर पर किसानों से मुलाकात की है। मिश्रा ने कहा कि किसानों की मांगों की जानकारी केंद्र को भेजी जाएगी, लेकिन वार्ता के प्रस्ताव से इनकार कर दिया है। डीजीपी गौरव यादव ने डल्लेवाल की जान को अहम बताते हुए कहा है कि सभी के साथ समन्वय कर बातचीत का माहौल बनाया जा रहा है।

आडवाणी की हालत स्थिर, डॉक्टरों की निगरानी में

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है। वे फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। पिछले दो सप्ताह से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी, जिसके बाद उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो में भर्ती कराया गया था। इंद्रप्रस्थ अपोलो के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, लालकृष्ण आडवाणी को मेडिकल मैनेजमेंट और जांच के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वे सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.विनीत सूरी की देखरेख में हैं और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

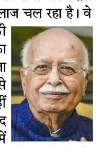

पेरासिटामोल ज्यादा खाने से ब्लीडिंग और अल्सर की संभावना

नई दिल्ली। बुखार की दवा पेरासिटामॉल का ज्यादा उपयोग किए जाने से अल्सर और ब्लीडिंग जैसी बीमारियां घेर सकती हैं। इसके अलावा किडनी, हार्ट और हाई ब्लड प्रेशर का भी जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटेन की नाटींघम यूनिवर्सिटी के शोध मैं यह जानकारी सामने आई है। यह शोध अर्थराइटिस केयर एंड रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने 65 वर्ष या इससे अधिक उम्र के 1.80 लाख लोगों का अध्ययन किया। 1 दिन में 4 से अधिक पेरासिटामॉल की गोली खाने में काफी नुकसान होने की संभावना जताई गई है। शोध में यह जानकारी दी गई है। 24 फ़ीसदी लोगों को पेप्टिक अल्सर की ब्लीडिंग होने का खतरा होता है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग का जोखिम 36 फीसदी तक बढ़ जाता है। किडनी रोग को लेकर भी 19 फीसदी का जोखिम हृदय गति में 9 फ़ीसदी और हाई ब्लड प्रेशर में 7 फीसदी तक का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने लगातार एवं अधिक पेरासिटामॉल का सेवन करने पर कई नुकसान होने की बात उजागर की है।

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संशोधित सूची से हटाया, सोमवार को नहीं होगा पेश

नई दिल्ली। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल अब सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं होगा। इस बिल को लोकसभा की संशोधित सूची से हटा दिया गया है। पहले इसे सोमवार को पेश किया जाना था, लेकिन अब इसे फाइनेंशियल बिजनेस के पूरा होने के बाद ही संसद के पटल पर रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोकसभा स्पीकर की अनुमति के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए बिल पेश कर सकती है। यह फैसला तब आया जब 12 दिसंबर को कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी।

लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा हुई, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राजनाथ सिंह ने अपनी बात रखी थी। 16 और 17 दिसंबर को इस पर चर्चा राज्यसभा में होगी। संसद का यह शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था और 20 दिसंबर को खत्म होगा। यह 129वां संविधान संशोधन बिल है। संविधान में एक नया जोड़ा जाएगा ताकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकें। अनुच्छेद 83, अनुच्छेद 172 और अनुच्छेद 327 में भी संशोधन किया जाएगा। इसमें द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट-1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली-1991, और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट-2019 को संशोधित किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने पर भी संशोधन की संभावना है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने एक देश, एक चुनाव पर अध्ययन के बाद 14 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी दी थी। यह समिति 2 सितंबर 2023 को बनाई गई थी और उसने करीब 191 दिनों में रिपोर्ट तैयार की। बिल की प्रस्तुति की तारीख अभी तय नहीं है, लेकिन यह संसद के मौजूदा सत्र में पेश हो सकता है।

स्व. लिखीराम जी कावरे

श्रीमती पुष्पलता कावरे
पूर्व विधायक, किरनापुर

सुश्री हिना कावरे
पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष
मध्यप्रदेश

म.प्र.शासन के पूर्व मंत्री

स्व.लिखीराम कावरे

की पुण्यतिथि पर

शत् शत् नमन...

विनम्र श्रृद्धांजली

मंगलप्रसाद रैकवार
मण्डलम अध्यक्ष एवं
सामाजिक कार्यकर्ता किरनापुर

अहद ताजर
युवा कार्यकर्ता

अब परीक्षा फीस का करंट मारेगी बिजली कंपनी

बेरोजगारों से करोड़ों जुटाएगी बिजली कंपनी

भोपाल। अभी तक बिजली की दरें बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार डालने वाली बिजली कंपनी अब परीक्षा फीस का करंट मारेगी। दरअसल,प्रदेश में बिजली कंपनियों में लंबे समय बाद भर्ती प्रक्रिया होने जा रही है। 2573 पदों के खिलाफ पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी ने विज्ञापन जारी किया है। जिसमें के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 दिसंबर निर्धारित की है। हालांकि अभी न तो परीक्षा की तिथि तय है और न ही परीक्षा का सिलेबस निर्धारित किया है। लेकिन प्रति आवेदन 1200 रुपए शुल्क लिया जाएगा। जिससे बिजली कंपनी करोड़ों रुपए जुटा लेगी।

खास बात यह है कि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए यह शुल्क प्रदेश के इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले कभी किसी भी भर्ती एजेंसी ने इन पदों के लिए इतना ज्यादा परीक्षा शुल्क नहीं वसूला है। पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी द्वारा ऊर्जा विभाग की सभी 6 बिजली कंपनियों, जिनमें पूर्व क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, पश्चिम मध्य, पॉवर जनरेटिंग कंपनी, पॉवर मैनेजमेंट कंपनी और पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के खाली पड़े 2573 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। प्रबंध संचालक मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी रजनी सिंह का कहना है कि परीक्षा शुल्क कोई ज्यादा नहीं है। पूर्व में भी विभाग ने जो भर्तियां की थी, उनमें इतना ही शुल्क लिया था। कर्मचारी चयन बोर्ड या अन्य एजेंसी कितना परीक्षा शुल्क लेती है, इसकी जानकारी नहीं है।

परीक्षा शुल्क से करोड़ों की वसूली

वसूली परीक्षा शुल्क से पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी के माध्यम से परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी एजेंसी एमपी ऑनलाइन करोड़ों रुपए की कमाई कर लेगी। बिजली कंपनी ने अनारक्षित श्रेणी के लिए 1200 रुपए और आरक्षित श्रेणी के लिए 600 रुपए परीक्षा शुल्क रखा है। प्रदेश के इतिहास में किसी भी सरकार ने तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों लिए बेराजगारों से इतना शुल्क नहीं लिया है। कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) द्वारा प्रमुख भर्ती परीक्षाओं के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में एक पद के लिए औसतन 100 आते हैं। कुछ परीक्षाओं में यह संख्या ज्यादा या कम हो जाती है। ऐसे में बिजली कंपनी के 2573 पदों के विरुद्ध 2 लाख 57 हजार आवदेन आ सकते हैं। यह संख्या कम या ज्यादा भी हो सकती है।

इन पदों पर होनी है भर्ती

जिन पदों पर भर्ती हो रही हैं, उनमें कार्यालय सहायक श्रेणी - 3, लाईन परिचालक (वितरण), सुरक्षा उप निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) मैकेनिकल, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) इलेक्ट्रॉनिक, कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (सिविल), कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (ट्रांस./वितरण/संयंत्र-इलेक्ट्रिकल) सहायक विधि अधिकारी/ विधि सहायक

आदि शामिल हैं। साथ ही सहायक प्रबंधक (मा.सं.), सहायक प्रबंधक (सू. प्रौ.), संयंत्र सहायक-मैकेनिकल, संयंत्र सहायक (इलेक्ट्रिकल), औषधि संयोजक, भंडार सहायक, कनिष्ठ शीघ्र लेखक, एएनएम, ड्रेसर (पट्टी बंधक), स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन, अग्निशामक, सुरक्षा सैनिक, प्रोग्रामर, कल्याण सहायक, सिविल परिचारक इत्यादि शामिल हैं।

भर्ती सभी 6 बिजली कंपनियों के लिए

आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिए परीक्षा शुल्क में रियायत दी गई है। बिजली कंपनी की भर्ती परीक्षा विज्ञापन को लेकर विवादों में न होकर चर्चा में है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि परीक्षा शुल्क को लेकर बिजली कंपनी के अफसरों ने अपने स्तर पर निर्णय लिया है। शासन स्तर के अफसरों की सिर्फ मौखिक स्वीकृति ली है। जबकि शासन की लिखित सहमति नहीं ली गई है। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा विभाग में 2573 पदों भर्ती सभी 6 बिजली कंपनियों के लिए है। भर्ती की जिम्मेदारी पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी को सौंपी गई है। भर्ती प्रक्रिया की नोडल कंपनी मप्रपक्षेविविकं इंदौर की प्रबंध निदेशकरजनी सिंह ने बताया कि परीक्षा एमपी ऑनलाइन द्वारा ली जाना हैं। इसके फार्म 24 दिसंबर से ऑनलाइन लिए जाएंगे, सभी फार्म जमा होने के उपरांत परीक्षा तिथि की विधिवत घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कंपनी के अधिकारी एमपी ऑनलाइन की टीम से सतत संपर्क में हैं, परीक्षाओं को लेकर जारी सिलेबस भी आगामी एक सप्ताह में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि तकनीकी पदों के लिए विषय आधारित और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जाएंगे, वहीं गैर तकनीकी पदों के लिए सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे।

मधुमक्खी के हमले में निरीक्षक फगनसिंह उइके घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पुलिस बल बालाघाट में पदस्थ निरीक्षक फगन सिंह उइके मधुमक्खी के हमले में घायल हो गए 15 दिसंबर को 4ः30 बजे करीब यह घटना उसे समय हुई जब निरीक्षक श्री उइके बालाघाट से स्कूटी में अपने घर देवटोला साईं नगर जा रहे थे। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निरीक्षक फगनसिंह उइके भोपाल में पदस्थ थे। जो पिछले कुछ माह पहले ही भोपाल से स्थानांतरित होकर बालाघाट आए हैं और वे अपने परिवार के साथ साईनगर देवटोला में रहते है जिनका एक बेटा विजेंद्र उइके आरक्षक है जो भरवेली में पदस्थ है। निरीक्षक श्री उइके इन दिनों पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ है। 15 अक्टूबर को 4ः30 बजे करीब निरीक्षक श्री उइके बालाघाट से सामान खरीदी कर स्कूटी से अपने घर साईं नगर देवटोला जा रहे थे। तभी बैहर रोड देवटोला चौक से घर जाते समय गणेश कार वॉशिंग सेंटर के पास अचानक मधुमक्खी ने उन पर हमला कर दिया और उनके सिर हाथ पैर को काटने लगी। मधुमक्खी के हमले को देख निरीक्षक श्री उइके स्कूटी सीधे अपने घर पहुंचे जो मधुमक्खी के हमले में घायल हो चुके थे। जिन्हें उनके बेटे आरक्षक विजेंद्र उइके ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

Presiding Officer-दयाल सिंह सूर्यवंशी

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000001/2024)

नितेन अभिदीप मैनुएल.................................आवेदक

Vs

प्रेमलता नजीर..अनावेदक

Process Id- /2024

पेशी दिनांक 16/01/2025

प्रेषिती

(1) आम जनता पता- आम जनता

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नितेष अभिदीप मैनुएल म्रत वारसान श्रीमती वायलेट रचना पति स्व0 नितेष अभिदीप, अरोन वैलिन मैनुएल पिता नितेष अभिदीय मैनुएल, नैल्सन पिता स्व0 डेविड डैनियल मैनुएल एवं श्रीमती मेविल मैनुएल पति नैल्सन मैनुएल फ्ता चारों निवासी वार्ड नं0 4 बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट ने न्यायालय में प्रस्तुत एमजेसी एसयूसी क्रमांक 104/2022 प्रेमलता बनाम आम जनता में पारित आदेश दिनांक 03/05/2023, जो म्रतक स्नेहलता के भारतीय स्टेट बैंक शाखा बैहर के बचत खाता क्रमांक 11553436306 में जमा कुल राशि 2792981 सत्ताईस लाख ब्यानबे हजार नौ सौ इक्यासी रुपये के संबंध में हैं, के क्रियान्वयन को तत्काल रोका जाकर आवेदकगण के पक्ष को सुना जाकर आवेदकगण के पक्ष में उत्तराधिकार नियुकिं प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 16 January 2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 16 January 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख **14 December 2024** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दे-

1. यदि व उक्त विधि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा जो अगामी कार्यदिवस पर यह प्राण सुनवाई में जिया जायेगा।

न्यायधीश

दयालसिंह सुर्यवंशी

प्रथम व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ ख

बैहर, जिला-बालाघाट (म.प्र.

ओवर-स्पीडिंग और कट-पॉइंट जानलेवा

मौत का हॉटस्पॉट बनीं भोपाल की कई सडक़ें

भोपाल। इस साल दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, क्योंकि पिछले साल की तुलना में इस साल 2,435 सडक़ दुर्घटनाओं में 193 लोगों की जान चली गई। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 31 अक्टूबर के बीच 1,865 लोग घायल भी हुए। 2023 में, 2,498 सडक़ दुर्घटनाओं में 155 लोग मारे गए, जबकि इसी अवधि के दौरान शहर में 1,917 लोग घायल हुए। यातायात पुलिस ने कहा कि इस साल दर्ज की गई घातक सडक़ दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति थी। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि शहर की सडक़ें उनकी हाई-एंड बाइक और एसयूवी को तेज गति से चलाने के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिनकी अधिकतम गति 150-200 किमी प्रति घंटा है। एक बार फिर, मिसरोद पुलिस स्टेशन का अधिकार क्षेत्र सडक़ दुर्घटना में घायलों के मामले में शहर का सबसे घातक क्षेत्र बनकर उभरा।

क्या कह रहे आंकड़े

ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 31 अक्टूबर के बीच मिसरोद में सडक़ हादसों में 22 लोगों की मौत हुई, जो शहर में सडक़ हादसों में मरने वालों की सबसे अधिक संख्या है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मिसरोद क्षेत्र में होशंगाबाद रोड को अत्यधिक दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है। दुर्घटनाओं के प्राथमिक कारणों में सडक़ के डिवाइडर पर कट पॉइंट और आवासीय कॉलोनियों को मुख्य हाईवे से जोडऩे वाली सडक़ें शामिल हैं। बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने से स्थिति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन सडक़ के चौड़ीकरण से वाहनों की गति बढ़ गई है। कई दुर्घटनाएं इसलिए होती हैं क्योंकि आस-पास की कॉलोनियों के निवासी बिना सामने से आने वाले तेज रफ्तार वाहनों की जांच किए लापरवाही से हाईवे पर एंट्री करते हैं। पुलिस ने कहा कि ड्राइवरों को पूरी तरह से रुककर सुनिश्चित करना चाहिए कि सडक़ साफ है, और उसके बाद ही हाईवे पर आगे बढऩा चाहिए।

दुर्घटना संभावित क्षेत्र

सडक़ दुर्घटनाओं के मामले में मिसरोद के बाद खजूरी क्षेत्र का स्थान आता है, जहां इस अवधि के दौरान सडक़ दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान चली गई। यहां भोपाल-इंदौर हाईवे, भौरी बायपास और गांव की सडक़ों को दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। रातीबड़ तीसरा सबसे घातक क्षेत्र बन गया है, जहां इस साल जनवरी से अक्टूबर तक सडक़ दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद कोह-ए-फिजा का स्थान है, जहां सडक़ दुर्घटनाओं में 11 लोगों की जान गई, इसके बाद बैरागढ़ और बाग सेवनिया का स्थान है, जहां इस साल सडक़ दुर्घटनाओं में 10-10 लोगों की मौत हुई।

चालान भी पिछली बार से अधिक

एक वरिष्ठ यातायात अधिकारी ने बताया कि यातायात पुलिस ने इस साल 2024 में अब तक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के 63,318 चालान जारी किए हैं, जो इसी अवधि के दौरान 2023 में जारी किए गए चालानों से अधिक है। इस साल हेलमेट न पहनने पर 34,000 से अधिक लोगों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि सीटबेल्ट न पहनने पर 8,800 से अधिक लोगों पर जुर्माना लगाया गया। सख्ती के बावजूद लोग यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सडक़ों की इंजीनियरिंग में हुई गलतियों का होगा विश्लेषण

डीसीपी (यातायात) संजय सिंह ने कहा कि शहर में होने वाली लगभग 90 प्रतिशत घातक सडक़ दुर्घटनाओं में तेज गति मुख्य कारण पाई गई है। इसके अलावा यातायात नियमों और सुरक्षा उपायों का पालन करने में लापरवाही दुर्घटनाओं का कारण बनती है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, वाहन अधिक से अधिक एडवांस होते जा रहे हैं और लोग यह महसूस किए बिना उन्हें तेज गति से चलाते हैं कि शहर की सडक़ें इतनी तेज गति के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सडक़ निर्माण एजेंसियों, बीएमसी, पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें शहर की सडक़ों पर सडक़ इंजीनियरिंग में हुई गलतियों का विश्लेषण करेंगी और समस्याओं को दूर करने के लिए काम करेंगी।

रातापानी टाइगर रिजर्व पार्क में बढ़ेगा पर्यटन

17 साल बाद 90 बाघों को मिला अपना घर

भोपाल। मप्र में बाघों के संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को आधिकारिक तौर पर टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया। यह राज्य का आठवां टाइगर रिजर्व है, जहां लगभग 90 बाघ रहते हैं। यह फैसला काफी समय से लंबित था। 2008 में एनटीसीए से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद भी राज्य सरकार ने टाइगर रिजर्व बनाने में देरी की थी। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से राज्य सरकार को अधिसूचना प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। उन्होंने इंसानों और जानवरों के बीच बढ़ते संघर्ष और बाघों की आबादी की रक्षा की जरूरत का हवाला दिया था। अब रातापानी टाइगर रिजर्व पार्क बनने से इस क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। रातपानी वन्यजीव अभयारण्य रायसेन और सीहोर जिलों में स्थित है। यह बाघों के एक महत्वपूर्ण आवास का हिस्सा है। हाल के वर्षों में, सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला से बाघ इस अभयारण्य और आसपास के वन क्षेत्रों में आने लगे हैं। बाघों के इन इलाकों में आने के बाद, 2007 में राज्य सरकार ने रातापानी और सिंघोरी अभयारण्यों को टाइगर रिजर्व घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। एनटीसीए ने 2008 में रिजर्व के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। राज्य वन विभाग को रिजर्व की सीमाओं और कोर क्षेत्रों के लिए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

पर्यटन की अपार संभावनाएं

रातापानी टाइगर रिजर्व एकमात्र लैंडस्केप है, जहां 96 बाघ विचरण करते हैं। वन्यजीवों से भरपूर टाइगर रिजर्व और भोपाल शहर के मध्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान है। पुरापाषाण काल शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिए विश्व प्रसिद्ध भीमबेटका और आस्था का केंद्र भोजपुर शिवमंदिर को विश्व पटल पर रखकर पर्यटन को बढ़ावा देने काम किया जाएगा। आस्था और संस्कृति के दर्शन के साथ पर्यटक अब राष्ट्रीय उद्यान सहित आठवां टाइगर रिजर्व भी घूम

सकेंगे। इसके लिए वन विभाग, पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक एवं धर्मस्व विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे और व्यापार, व्यवसाय भी बढ़ेगा। रातापानी टाइगर रिजर्व का झिरी गेट भोपाल से 30 किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं ऑबेदुल्लागंज स्थित गेट की दूरी भोपाल से 50 किलोमीटर है। इस टाइगर रिजर्व के लिए केंद्र सरकार 60 प्रतिशत बजट उपलब्ध कराएगी और 40 प्रतिशत राज्य का अंश होगा। यह टाइगर रिजर्व रायसेन, सीहोर और भोपाल जिले की सीमा तक फैला हुआ है।

तीन जिलों का होगा आर्थिक विकास

रातापानी टाइगर रिजर्व के कारण पर्यटन गतिविधियां बढऩे से तीन जिलों का भी आर्थिक विकास होगा। रातापानी में तीन हजार से अधिक वन्यप्राणी है। इनमें 96 बाघ, 70 तेंदुए, आठ भेडिया, 321 चिंकारा, 1433 नीलगाय, 568 सांभर और 667 चीतल है। टाइगर रिजर्व से ग्रामीणों के वर्तमान अधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा, पर्यटन बढ़ेगा और नए रोजगार सृजित होने से ग्रामीणों को आर्थिक लाभ होगा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से बजट प्राप्त होने से वन्यप्राणियों का बेहतर ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा। स्थानीय ग्रामीणों को ईको विकास के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा। राजधानी भोपाल की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टाइगर राजधानी के रूप में होगी। भोपाल तक फ्लाइट कनेक्टिविटी होने से पर्यटकों, स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। भोपाल से 24 किलोमीटर दूरी पर स्थित भोजपुर शिवमंदिर को भोजेश्वर लोक विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसको लेकर राज्य सरकार मास्टर प्लान भी तैयार कर रही है। यहा पर्यटकों का जमावड़ा साल भर बना रहा है। यहां प्राचीनकाल से विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित है।

भीमबेटका को किया जाएगा विकसित

भोपाल से 46 किलोमीटर दूर विश्व प्रसिद्ध भीम बेटका को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। इसको लेकर मप्र ईको पर्यटन विकास बोर्ड ने कार्ययोजना बनाई। पुरापाषाण काल शैलचित्रों और शैलाश्रयों के अलावा यहां देवी जी का प्राचीन मंदिर है। इसे धार्मिक दृष्टि से डेवलप किया जाएगा। वहीं भोपाल शहर के मध्य में स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव और पर्यटकों के लिए पहले से ओर बेहतर डेवलप किया जा रहा है। यहां विलुप्त प्राय जेबरा और जिराफ व गेंडा जैसे वन्यजीवों को बसाया जाएगा। इसको लेकर दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से वार्ता की जा रही है। इसके अलावा यहां स्नेक पार्क (सर्प उद्यान) को भी विकसित किया जा रहा है। यहां किंग कोबरा सहित दुर्लभ प्रजाति के सर्पों को पर्यटक नजदीक से देख व समझ सकेंगे।

पहली बार पचमढ़ी का 1 डिग्री पर पहुंचा पारा

भोपाल। मप्र में आ रही बर्फीली हवाओं से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश में पहली बार इस सीजन में पचमढ़ी का न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले शहडोल जिले का तापमान 1.5 डिग्री दर्ज किया गया था। मप्र शीतलहर की चपेट में आ गया है अगले 2 दिन और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। 17-18 दिसंबर से ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। इधर राजधानी भोपाल का न्यूनतम तापमान 4.2 दर्ज किया गया इसी प्रकार उमरिया का 2.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर समेत 36 जिलों में शीतलहर, कोल्ड डे का असर है। विदिशा, सीहोर, शाजापुर और रायसेन में पेड़-पौधों की पत्तियों पर बर्फ जम सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की गति से सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं। इस वजह से बर्फीली हवाएं प्रदेश में आ रही हैं, जिससे टेम्प्रेचर लुढक़ गया है। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि उत्तर भारत से बर्फीली हवा आ रही है, जो स्ट्रॉन्ग है। इस वजह से पूरा प्रदेश ठिठुर रहा है। आज भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन, जबलपुर और शहडोल में ऑरेंज अलर्ट है। जबलपुर और शहडोल में शीतलहर चलेगी, जबकि बाकी जिलों में बर्फ तक जम सकती है। मंदसौर, रतलाम, बड़वानी, देवास, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, कटनी, उमरिया, सिवनी, मंडला, अनूपपुर, सिंगरौली में शीतलहर चल सकती है। इंदौर, सीधी, नरसिंहपुर, राजगढ़, बैतूल, धार, उज्जैन, राजगढ़ में कोल्ड डे का अलर्ट है।नीमच में सर्द हवा चलने के साथ कोल्ड डे यानी, ठंडा दिन भी रह सकता है।

आवश्यकता है
विजय फायनेंस में
अकॉउंटिंग कार्य हेतु
महिला कर्मचारी की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
संपर्क समय- दोप. 12 से शाम 05 बजे तक
स्थान-मयुर टॉकिज रोड, हनुमान चौक, बालाघाट

मकान बेचना है
दो मंजिला
सर्वसुविधायुक्त
डॉ., कोचिंग सेन्टर
होस्टल के लिए उपयुक्त
क्षेत्रफल 2500 वर्गफुट
शिवाय होटल के पीछे
कालीपुतली चौक के पास
-संपर्क करें-
9752340946
9770777043

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम.,
प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं
सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल
युवक/युवती की आवश्यकता है।
कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी
आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल
द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय
शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
कार चलाने हेतु ड्राईव्हर
की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास, वेतन- 10000 +
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही संपर्क करें
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एवं मॉल
द्वितीय तल, मेन रोड, बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520,
9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय-
शाम 5.30 से 8.30 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

घोषणा पत्र 1 साल का नहीं 5 वर्ष का है- कावरे

5 वर्ष में सभी वादे पूरे करेगी मोहन यादव सरकार, प्रदेश सरकार के 1 वर्ष पूरे होने पर जिला अध्यक्ष ने निगाई सरकार की उपलब्धि, कहां जल्द होगी नगर मंडल अध्यक्ष की घोषणा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश सरकार में मुखिया बने मोहन यादव की सरकार ने 1 वर्ष का कार्यकाल पिछले दिनों पूरा किया है।जिनके 1वर्ष कार्यकाल की उपलब्धि बताने के लिए रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया।आयोजित इस पत्रकारवार्ता में जिला अध्यक्ष राम किशोर नानो कावरे ने प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का बखान किया, तो वहीं उन्होंने वर्तमान समय और आगामी समय में सरकार द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्य भी बताएं। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रदेश सरकार की विभिन्न उपलब्धियां गिनाई।आयोजित पत्रिकारवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि मोहन यादव सरकार द्वारा किसान, मजदूर, महिला, युवा, रोजगार ,उद्योग, व्यापार, खनिज संपदा, पर्यटक, वन विकाश सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किए जा रहे। इसके अलावा उन्होंने समर्थन मूल्य, बीजेपी का घोषणा पत्र, नगर मंडल अध्यक्ष की घोषणा सहित पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के चुनिंदा जवाब भी दिए।आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश भटेरे ,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, उपाध्यक्ष अभय सेठिया, सत्यनारायण अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अभय कोचर, और पप्पू यादव सहित

अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

3100 रु समर्थन मूल्य सरकार का 5 साल का वादा है

समर्थन मूल्य को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में जिला अध्यक्ष नानों कावरे ने बताया कि पार्टी का घोषणा पत्र 1 वर्ष के लिए नहीं, बल्कि 5 वर्ष के लिए बनता है। सरकार ने किसानों को 3100 रु समर्थन मूल्य देने का वचन दिया था।जो 5 साल के भीतर पूरा किया जाएगा। हालांकि जुलाई में आने वाले प्रदेश के पहले बजट में किसानों को समर्थन मूल्य की राशि का अंतर 9 रु 17 पैसे बोनस के रूप में दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और वह बोलते नजर आए कि जो घोषणा सरकार ने करी है वह 5 साल के भीतर पूरी की जाएगी।

जल्द होगी नगर मंडल अध्यक्ष की घोषणा

नगर मंडल अध्यक्ष के नाम की घोषणा न होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जिला अध्यक्ष नानो कावरे ने बताया कि पहले बालाघाट जिले में 23 मंडल थे ,अब मंडल 37 हो गए हैं। मंडल के निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न कराकर 37 में से 36 मंडलों में मंडल अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी गई है।आज सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को गमछा पहनकर उनका स्वागत किया गया है।जल्दी ही नवनियुक्त अध्यक्ष अपनी नई कार्यकारिणी का गठन करेंगे।उन्होंने बताया कि बीजेपी बहुत बड़ा परिवार है बहुत सारे सदस्य हैं।हर किसी को पार्टी में मौका मिलता है। इसीलिए सभी लोगों से चर्चा चल रही है।सभी से रायशुमारी चल रही है जल्द से जल्द बालाघाट नगर मंडल अध्यक्ष के नाम की भी घोषणा कर दी जाएगी।

विपक्ष का जो काम है वो काम कांग्रेस कर रही है

कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि कांग्रेस, विपक्ष का धर्म निभा रही है। जिसके आंदोलन को लेकर वह कुछ नहीं कहना चाहते है लेकिन यह सही है कि केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार सभी वर्गो के लिए काम कर रही है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष की गिरफ्तारी को लेकर धरना प्रदर्शन स्थगित

कलेक्टर कार्यालय का भी नही होगा घेराव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।शादी का झांसा देकर प्रेमिका शिक्षिका से कई बार दुष्कर्म करने वाले मामले में फरार चल रहे भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सोहागपूरे की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।जहां 17 नवंबर को महिला शिक्षिका द्वारा लिखित में शिकायत और एफआईआर दर्ज करने के बाद से ही फरार भाजयुमो जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सोहागपूरे कि गिरफ्तारी न होने पर ओबीसी एसटी एससी मंच सवाल उठाते हुए भाजपा नेताओ और पुलिस पर बलात्कार के आरोपी को संरक्षण दिए जाने का आरोप लगाया था।जिन्होंने बलात्कार के आरोपी भूपेंद्र सोहागपूरे की गिरफ्तारी, गायत्री महायज्ञ आयोजन स्थल सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में टेंट कर्मी मजदूर की मौत की जांच और किसानों के समर्थन मूल्य मांग को लेकर 16 दिसंबर सोमवार को नगर के काली पुतली चौक में धरना प्रदर्शन आंदोलन करने की रणनीति बनाई थी। जहां उन्होंने 16 दिसंबर को न सिर्फ धरना प्रदर्शन करने बल्कि कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपने का भी ऐलान किया था।जो आगामी समय तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।जिसकी जानकारी ओबीसी/एसटी/एससी संगठन पदाधिकारियों द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।जिसमे उन्होंने इस आंदोलन को आगामी समय मे किए जाने की बात कही है।

इसलिए स्थगित किया गया आंदोलन

राष्ट्रीय ओबीसी/एससी/एसटी संगठन के आह्वान पर आज सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित कालीपुतली चौक पर दुष्कर्म के आरोपी भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सोहागपुरे की अविलंब गिरफ्तारी,गायत्री महायज्ञ आयोजन स्थल सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में टेंट कर्मी मजदूर की मौत की जांच और किसानों के समर्थन मूल्य मांग को लेकर आयोजित धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में ओबीसी/एसटी/एससी संगठन के पदाधिकारी और गोवारी समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश सहारे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उक्त जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय ओबीसी एससी एसटी संगठन के मुख्य पदाधिकारी उमेंद्र लिल्हारे के बड़े भाई हंसराज लिल्हारे का 10 दिसंबर को और 14 दिसंबर को समाजसेवी और जनपद सदस्य प्रेमलाल दशहरे का निधन होने की वजह से धरना प्रदर्शन, रैली का कार्यक्रम आगामी तिथि के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बंदर खेदने मकान की छत पर चढ़ा व्रद्ध छत से नीचे गिरने से घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भीड़ी में मकान की छत पर बंदर खेदने चढ़े एक व्रद्ध मकान की छत से नीचे गिरकर घायल हो गया। घायल व्रद्ध रामलाल पिता रतनलाल समरथ 78 वर्ष ग्राम भीड़ी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलाल समरथ अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। 15 दिसंबर को 10 बजे करीब रामलाल समरथअपने घर में खाना खाने के बाद घर के बाहर आये। तब उसने मकान की छत पर बंदर देखें। मकान की छत के ऊपर लौकी लगी हुई थी।रामलाल समरथ मकान में सीढ़ी लगाकर बंदर खेलने के लिए छत के ऊपर चढ़ा था तभी वह छत से फिसल कर नीचे गिर गए। सिर में चोट लगने से रामलाल समरथ घायल और बेहोश हो गये थे। रामलाल समरथ को मकान की छत से नीचे गिरते उसके पड़ोसियों ने देखे। जिनके चिल्लाने पर रामलाल समरथ के परिवार के लोग घर से बाहर आए और उन्होंने रामलाल समरथ को उठाकर तुरंत परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग टूर्नामेंट

भोपाल और बालाघाट के बीच मैच ड्रा

विजेता टीम को इंडियन प्रीमियर लीग खेलने का मिलेगा मौका

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रविवार 15 दिसंबर को मध्यप्रदेश पांचवी प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का 27 वां मैच खेला गया। नगर के मुलना मैदान में

भोपाल लेग सिटी और डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट के बीच खेले गए मैच में दोनो ही टीम एक-एक गोल से बराबरी पर रही। जिससे दोनो ही टीमों ने, एक-एक अंक हासिल किए। आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान पहले हाफ में भोपाल टीम ने बालाघाट के खिलाफ एक गोल दागकर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई, तो वही पहले हाफ में बालाघाट के खिलाड़ी भोपाल के खिलाफ गोल दागने की जद्दोजहद करते हुए नजर आए, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। जहां प्रतियोगिता के दूसरे हाफ के अंतिम समय में बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लेक सिटी भोपाल के खिलाफ एक गोल दागकर मैच बराबर कर दिया। जहां खेल के पूरे समय तक दोनों ही टीम के खिलाड़ी एक दूसरे के खिलाफ गोल दागने की कोशिश में लग रहे लेकिन दोनों ही टीम के खिलाड़ियों को कामयाबी नहीं मिल सकी। इस तरह या मैच ड्रॉ हो गया और दोनों ही टीम ने एक-एक अंक के साथ अगले मैच के लिए बढ़त बनाई। रविवार को मध्यप्रदेश फुटबॉल लीग के खेले गए मैच में बतौर अतिथि पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, सीएसपी वैशालीसिंह, शासकीय अधिवक्ता मदनमोहन द्विवेदी, रोटरी क्लब अध्यक्ष अखिल वैद्य, नपा सभापति संगीता खगेश कावरे, शतरंज संघ अध्यक्ष ऋषभ वैद्य, मोहन आचार्य, लखविंदर भंगल, कुलदीप भंगल, दीलिप राजपूत थे।

विजेता टीम को इंडियन प्रीमियर लीग खेलने का मिलेगा मौका-यादव

आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर की गई चर्चा के दौरान मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ संयुक्त सचिव सुनील यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश फुटबॉल प्रीमियर लीग का आयोजन, मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ आयोजित करवा रहा है। जिसका रविवार को 27 मैच खेला गया। इस पूरी प्रतियोगिता में 56 मैच खेले जाने है।आज बालाघाट में 5 वां मैच हुआ और तीन मैच बालाघाट में खेले जांएगे।जिसमें विजेता टीम को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिलेगा। उन्होने बताया कि लीग प्रतियोगिता के सभी मैच, होम ग्राउंड और अलग-अलग जगहो पर आयोजित किए जाएंगे।

जिला मरार माली समाज बालाघाट की आमसभा बैठक संपन्न

हाल ही में नवगठित मरार माली महासभा के गठन पर समाजजनों ने जताई नाराजगी, समाज में एक जुटता का दिया गया संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मरार माली समाज संगठन के तत्वावधान में रविवार को दूसरी वार्षिक आमसभा बैठक का आयोजन किया गया।माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास बूढ़ी में आयोजित इस वार्षिक आमसभा बैठक में पूर्व से निर्धारित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें हाल ही में नवगठित मरार माली महासभा के गठन पर सामाजिक बंधुओ ने चर्चा कर अलग व नया संगठन बनाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। तो वहीं सामाजिक सदस्यता एवं विवाह प्रमाण पत्र की पूर्ण समीक्षा कर ,आगामी वर्ष के विभिन्न बिंदुओं पर सह विस्तार चर्चा की गई। इसके अलावा वर्ष 2025 में फूले दिनदर्शिका कैलेंडर प्रकाशन करने और माता सावित्रीबाई फूले भवन निर्माण को प्रगति देने पर भी विचार विमर्श किया गया।आयोजित इस वार्षिक आमसभा बैठक में जिले के सभी 10 विकासखंडों से मरारमाली समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सामाजिक विकास के लिए एकजुटता आवश्यक है

आयोजित आम सभा बैठक की शुरुवात सर्वप्रथम माता सावित्री बाई फुले व राष्टपिता महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र पर माल्यार्पण कि गई।जहा उपस्थित अतिथियों ने दोनो प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया। तत्पश्चात स्वागत का क्रम चला और अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उदबोधन की श्रंखला में समस्त अतिथियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। जहां मंच पर आसीन सभी पदाधिकारियो ने बारी-बारी से समाज को संबोधित करते हुए समाज संगठन को एकजुट करने कुरीतियों को खत्म कर समाज को आगे बढ़ाने, आपसी मतभेद मिटाने, बच्चों और युवाओं की शिक्षाओं को प्रोत्साहित कर समाज संगठन को आगे बढ़ाने पर समाज का मार्गदर्शन किया। तो वहीं आगामी समय में आयोजित होने वाले समाज संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मरार माली समाज के अध्यक्ष रमेश पंचे ने की।इस दौरान मरार माली समाज समिति अध्यक्ष रमेश पाँचे, बैजनाथ कावरे, कोषाध्यक्ष बीपी पंचेश्वर, संरक्षक डीएल मानेश्वर, लक्ष्मीचंद नागेश्वर, रमेश नागेश्वर, उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी, डॉ. शिव प्रसाद कावरे, टीकाराम खरे, उदेलाल कावरे, कला पंचतिलक, सहसचिव दिनेश मरार, कृष्णा नागेश्वर, सुशीला पंचाले, सीताराम बढ़में, और ज्ञानचंद मात्रे, सहित जिला मरार माली समाज के अन्य पदाधिकारियों,स्व सहायता समूह के पदाधिकारियों व सदस्यों, दस विकासखंडो के पदाधिकारियों, सदस्यों ,कार्यकर्ता व समाज के महिला, पुरूषों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

इन बिंदुओं पर की गई सह विस्तार चर्चा

मरारमाली जाति की कुरीतियों, कुप्रथाओ एवं अंधविश्वास को हटाने, विवादों को आपस मे शांतिपूर्वक निपटाने, मरारमाली जाति के व्यक्तियों की बौध्दिक स्वास्थ्य संबंधी, आर्थिक तथा सामाजिक स्थितियों में सुधार एवं प्रगति के लिए सभी आवश्यक कार्य करने, मरारमाली जाति के युवक युवतियों मे शिक्षा के प्रसार हेतु उन्हें आर्थिक एवं अन्य सहायता देने का प्रयास करने,मरारमाली जाति के निराश्रितो, असहाय, अपंग एवं पीडितों को आवश्यक सहायता देने की व्यवस्था करने, मरार माली जाति की महिलाओं व बच्चों के हित एवं प्रगति के लिए आवश्यक कार्य करने,मरारमाली लोगों के बेरोजगारी को समाप्त करने तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजी रोटी उपलब्ध हो, ऐसा प्रयास करने,मरारमाली जाति के लोगों मे कला, साहित्य, रंगमंच, संगीत, ललितकला आदि के प्रति रूचि जाग्रत कर उन्हे प्रोत्साहित करने,मरारमाली जाति के लोगों को स्वावलम्बी बनाने और उन्हे बचत करने को प्रोत्साहित करने, मरारमाली जाति के लोगों को परिवार नियोजन, नशाबंदी, सहकारिता आदि पर अमल करने प्रोत्साहित करने, मरारमाली जाति के व्यापारियों, किसानों, मजदूरों एवं नौकरी पेशा करने वालों की समस्याओं को सामूहिक रूप से सुलझाने का प्रयास करने, उन्हे उन्नत एवं आधुनिक तरीकों पर अमल करने प्रोत्साहित करने, शासकीय योजनाओं का प्रसार कर, उनसे लाभ लेने प्रोत्साहित करने और मार्गदर्शन देने,जाति के सुधार एवं उन्नति के लिए मरारमाली जाति की कुप्रथाओं तथा बुरे एवं हानिकारक जातिय रिवाजों को समाप्त करने ,हितकारी एवं अच्छे जातिय रिवाज बनाने के लिए नियम बनाने और उन नियमो का उल्लंघन करने वालों को जातिय रिवाजों के तथा नियमों के अनुसार दंडित करने आदि पर विचार विमर्श कर सामाजिक बंधुओ की राय ली गई।

नए संगठन की कोई लिखित जानकारी नहीं है- रमेश पाँचे

आयोजित आमसभा को लेकर की गई चर्चा के दौरान मरार माली समाज बालाघाट अध्यक्ष रमेश पाँचे ने बताया कि सामाजिक विधान के अनुसार प्रत्येक 6 माह में समाज संगठन की एक वार्षिक आमसभा आहूत की जाती है।समाज को संचालित करने के लिए विधान के अनुसार जो व्यवस्था बनाई गई है उसकी समीक्षा होती है। वहीं आगामी वर्षों के लिए कार्य योजना तैयार की जाती है। ताकि साल भर उस कार्य योजना के मुताबिक काम कर सके। वर्ष 2024 की हमारी यह दूसरी आमसभा बैठक है। इसमें समाज को नई दिशा देने व समाज की दशा बदलने को लेकर कार्य योजना तैयार की गई है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि नया संगठन बना है इसकी लिखित में हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। सिर्फ सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसी बात चल रही है कि कुछ लोगों ने नए संगठन का गठन किया है। उन्होंने संगठन क्यों बनाया है उनका क्या उद्देश्य है। इसकी हमें जानकारी नहीं है। लेकिन हमारा संगठन पूर्व से समाज हित मे काम कर रहा है जो आगे भी समाज उत्थान के कार्य करता रहेगा।

अगहन मास के समापन पर मां अन्नपूर्णा मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

हवन पूजन यज्ञ कर किया कलश विसर्जन, मां अन्नपूर्णा को चढ़ाया गया 56 भोग , विशाल भंडारा का आयोजन कर कार्यक्रम का किया गया समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी अगहन मास के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 20 दर्जी मोहल्ला स्थित प्राचीन सिद्धपीठ मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर में ज्योति कलश व मनोकामना कलश की स्थापना की गई थी। अगहन मास के समापन अवसर पर रविवार15 दिसम्बर को मंदिर में स्थापित कलशों का विसर्जन कर महाप्रसाद व भंडारा का आयोजन किया गया। वही सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रम संपन्न कराए गए।अगहन मास के समापन के अवसर पर रविवार को मंदिर में सुबह 10 बजे से हवन पूजन कर महाआरती की गई। मां अन्नपूर्णा को 56 भोग चढ़ाया गया।वही दोपहर 2-50 बजे मंदिर में स्थापित ज्योति कलश का विसर्जन किया गया। तत्पश्चात विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भोजन प्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मां अन्नपूर्णा मंदिर समिति के अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव सुशील वर्मा , उपाध्यक्ष ओम सोनी, हरिओम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप नेमा, आजीवन सदस्य विजय वर्मा, भोला शंकर शांडिल्य,आलोक नेमा,

प्रमोद तिवारी, अजय वर्मा,युवा अध्यक्ष सनी वर्मा विनय शांडिल आंचल शांडिल्य अजय राठौर, उत्कर्ष वर्मा, आर्यन वर्मा, सिद्धांत वर्मा, राजा चित्मातवर, शंकर मोटवानी, चीनू शर्मा, सत्यम वर्मा, कुशल सोनी, आकाश जैन, राजकुमार जतेरे,लालू सोनी, संदीप सेन, रोहित सेन, अनीश यादव, अन्नपूर्णा महिला मंडल एवं अन्नपूर्णा युवा मंडल का सहयोग सराहनीय रहा।

अति प्राचीन है मां अन्नपूर्णा का यह मंदिर

ज्ञात हो कि माता रानी के सिद्ध पीठ में अगहन पर्व बड़ी धूम-धाम से प्रतिवर्ष मनाया जाता है,ऐसा कहा जाता है कि धन धन्य की देवी माता रानी का महाप्रसाद प्राप्त करने से जीवन भर धन धन्य की कमी नहीं होती और घर में संपन्नता बनी रहती है! उक्त मंदिर 118 साल पुराना है जिसे विसर्जित कर भव्य रूप नवनिर्माण कराया गया है जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर दान दिया है। जहां प्रतिवर्ष अगहन मास के प्रारंभ होते ही श्रद्धालु भक्तों द्वारा अपनी मनोकामनाओं के कलश रखे जाते हैं इस वर्ष भी मनोकामनाओं के कलश मंदिर परिसर में प्रज्वलित किए गए थे।जिनका विसर्जन अगहन मास की समाप्ति पर 15 दिसंबर रविवार को हवन पूजन यज्ञ भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया।

पूरे एक माह तक विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन - सुशील वर्मा

मंदिर परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान मां अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के सचिव सुशील वर्मा ने बताया कि अगहन मास के अवसर पर महिलाओं द्वारा मंदिर में ज्योति कलश व मन्नत कलश की स्थापना की जाती है। एक माह तक मंदिर में भजन कीर्तन व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आज अगहन मास के समापन अवसर पर ज्योति कलश विसर्जन व हवन पूजन कर भंडारा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी व श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ भतीजे को फावड़ा हाथ बुक्के से की मारपीट

खेत की मेंढ़ बनाने को लेकर हुआ विवाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटंगा में एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर अपने भतीजे को फावड़ा और मिट्टी के ढेलों से मारपीट कर घायल कर दिये। 14 दिसंबर की शाम 6 बजे करीब यह घटना खेत की जमीन मेंढ़ बनाने के विवाद को लेकर हुई।घायल व्यक्ति दीनदयाल पिता सीताराम ठवकर 35 वर्ष ग्राम कटंगा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीनदयाल ठवकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी दो बच्चे और भाई और बहू है। बताया गया कि दीनदयाल और उसके चाचा धनीराम ठवकरके बीच खेत की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। 14 दिसम्बर की शाम 6 बजे करीब दीनदयाल जेसीबी से अपने खेत की मेड बनवा रहा था। तभी उसका चाचा धनीराम अपने दो बेटे खुशियाल और कैलाश के साथ में आया और अपने भतीजे दीनदयाल को मेंढ़ बनाने से मना करने लगा और बोला कि मेरी जमीन दबा रहे हो। इसी को लेकर के विवाद की स्थिति बन गई। जबकि दीनदयाल कहना था कि मैं अपने खेत में मेंढ़ बनवा रहा हूं। तभी दीनदयाल को उसके चाचा धनीराम ने उसे खेत में ही मार कर गढ़ाने की धमकी देकर अपने बेटों के साथ फावड़ा मिट्टी की ढेले और हाथ बुक्के से दीनदयाल को मारपीट किये और जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसी दौरान दीनदयाल का छोटा भाई प्रभु दयाल पहुंचा तो उसे भी इन लोगों ने मारपीट कर दिए। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल दीनदयाल को लालबर्रा के अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया है। इस मामले की जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

निर्माण के कुछ दिन बाद ही खराब होने लगी सड़क, ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का सड़क विभाग एवं ठेकेदार पर लगाया आरोप, कार्यवाही करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित ग्राम पंचायत मिरेगांव से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती पहुंच मार्ग खराब होने से आवागमन करने वाले ग्रामीणजनों एवं स्कूल पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की थी। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और गत दिवस बालाघाट हाईवे रोड़ गोंडीदेव मिरेगांव स्थल के सामने से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती पहुंच मार्ग का डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है परन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा पुरानी सड़क के ऊपर ही डामर एवं गिट्टी की पतली परत डालकर घटिया निर्माण किया गया हैं। जिसके कारण निर्माण के एक-दो दिनों के बाद ही सड़क में दरारे आने लगी है एवं कुछ दिनों में सड़क पूरी तरह से खराब हो जायेगी। जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है और सड़क निर्माण कंपनी एवं प्रशासन पर सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए पुरानी सड़क की खुदाई कर गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण करवाने एवं निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

गुणवत्तापूर्ण नही बनने से जल्द खराब हो जायेगी सड़क, आवागमन में होगी परेशानी

आपकों बता दे कि बालाघाट हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल के सामने से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती के अंदर पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल होने के साथ ही जगह-जगह गड्डे बन गये थे। जिसके कारण आने-जाने वालों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी। जिससे परेशान ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग किये थे और मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की प्रशासन को चेतावनी भी दिये थे। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और स्थल का निरीक्षण करने के बाद मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल के सामने से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती पहुंच मार्ग का नवीन निर्माण करवाया गया है परन्तु इस निर्माण कार्य में निर्माण कंपनी के द्वारा अनियमितता बरती गई है। जिसके कारण सड़क निर्माण के एक-दो दिन बाद ही जगह-जगह से दरारे आने के साथ ही खराब होने लगी है। जबकि पुरानी सड़क की खुदाई कर गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण किया जाना था परन्तु ऐसा न करते हुए पुरानी सड़क के ऊपर ही डामर एवं गिट्टी की पतली परत बिछाकर निर्माण कर दिया गया है। जिसके कारण निर्माण के कुछ दिन बाद ही सड़क में दरारे आने के साथ ही कुछ स्थानों से डामर व गिट्टी उखड़ने लगा है और सड़क जल्द खराब हो जायेगी, जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि इस मार्ग से किसान, राहगीर व ग्रामीणजन आना-जाना करते है इसलिए ग्रामीणजनों ने सड़क निर्माण कार्य की जांच कर अनियमितता बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही करने की मांग प्रशासन से की है। वहीं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के महाप्रबंधक गजेन्द्रसिंह लारिया से दूरभाष पर मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल के सामने से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती पहुंच मार्ग निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने एवं निर्माण के एक-दो दिन बाद ही सड़क में दरारे आने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया परन्तु संपर्क नही हो पाया।

घटिया निर्माण किया गया है - अंबर

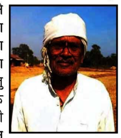

ग्रामीण अंबरलाल गौतम ने बताया कि मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल के सामने से गणेशपुर पहुंच मार्ग खराब होने के बाद सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है परन्तु निर्माण कंपनी के ठेकेदार के द्वारा पुरानी सड़क के ऊपर ही नवीन सड़क का निर्माण कर दिया गया है और वह कार्य भी घटिया तरीके से किया गया है। जिसके कारण निर्माण के एक-दो दिन बाद ही सड़क में दरारे आने के साथ ही डामर एवं गिट्टी उखड़ने लगे है जिससे सड़क जल्द खराब हो जायेगी। श्री गौतम ने बताया कि जबकि लंबे समय बाद सड़क का निर्माण किया गया है तो गुणवत्तापूर्ण निर्माण किया जाना चाहिए था परन्तु विभाग के द्वारा निर्माण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है जिससे ग्रामीणजन आक्रोशित है।

जल्द खराब हो जायेगी सड़क - अंकित

अंकित भलावे ने बताया कि लंबे समय बाद सड़क का निर्माण किया गया है लेकिन गुणवत्तापूर्ण नही किया गया है और पुरानी सड़क के ऊपर ही डामर व गिट्टी की पतली परत बिछाकर नवीन सड़क का निर्माण कर दिया गया है परन्तु गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने के कारण सड़क में जगह-जगह से दरारे आने के साथ ही कुछ स्थानों सें डामर व गिट्टी भी निकलने लगी है और निर्माण कंपनी के द्वारा गुणवत्ता का ध्यान नही रखा गया है। श्री भलावे ने बताया कि सड़क का निर्माण वर्तमान में हो रहे आवागमन को देखते हुए चौड़ीकरण एवं गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए था ताकि लंबे समय तक सड़क टीक सके लेकिन जिस तरह से निर्माण किया गया है जिससे ऐसा लग रहा है कि सड़क बहुत जल्द खराब हो जायेगी।

निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर की जाये कार्यवाही - प्रशांत

मिरेगांव के पूर्व सरपंच प्रशांत चंद्रवार ने बताया कि बालाघाट हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मिरेगांव के गोंडीदेव स्थल के सामने से गणेशपुर एवं मिरेगांव बस्ती पहुंच मार्ग खराब होने के बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा नवीन डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है परन्तु निर्माण कंपनी के ठेकेदार के द्वारा नवीन सड़क निर्माण के नाम पर पुरानी सड़क में ही डामर एवं गिट्टी की पतली परत बिछाकर निर्माण कर दिया गया है और निर्माण के २४ घंटे बाद ही सड़क बीच से फटने लगी है यानि दरारे आने लगी है। साथ ही साईन बोर्ड भी नही लगाया गया है जिसके कारण कितनी लागत से सड़क का निर्माण किया गया है उसकी जानकारी नही लग पा रही है । इस तरह से सड़क निर्माण में अनियमितता बरतते हुए शासन की राशियों का दुरूपयोग किया गया है। श्री चंद्रवार ने बताया कि ठेकेदार के द्वारा सड़क निर्माण कार्य में जो नियम है उसका पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण करना था परन्तु वे नियमों को दरकिनार कर सिर्फ पतला डामर डालकर गिट्टी बिछा दी गई है जिससे सड़क जल्द खराब हो जायेगी इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क निर्माण की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें।

संत श्री लहरी बाबा का जन्मदिवस मनाने कामठा के लिए श्रध्दालुओं का जत्था हुआ रवाना

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणजन (श्रध्दालु) संत श्री लहरी बाबा का जन्मदिवस लहरी आश्रम कामठा (गोंदिया) महाराष्ट्र में मनाने के लिए रविवार को बस से रवाना हुए है। विदित हो कि कामठा (गोंदिया) के लहरी आश्रम में संत श्री लहरी बाबा का गत ११ दिसंबर से १७ दिसंबर तक जन्मदिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है और संत श्री लहरी बाबा के श्रध्दालुजन भी उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। चर्चा में गुड्डू मुंजारे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी १५ दिसंबर को मांझापुर के ५० से अधिक भक्तजन संत श्री लहरी बाबा का जन्मोत्सव पर मनाये जा रहे कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कामठा के लिए रवाना हुए है और कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करेगें।

भोपाल में पंचायत के भृत्य, चौकीदार एवं नल चालकों का नियमितीकरण की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन 17 को

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन की बनाई गई रणनीति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सीएम राइज स्कूल परिसर स्थित सरस्वती मंच में रविवार को ग्राम पंचायतों में पदस्थ भृत्य, चौकीदार, नल चालक कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक म.प्र. भृत्य, चौकीदार, नल चालक कर्मचारी संघ के ब्लाक अध्यक्ष सावनलाल चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में पंचायत में काम करने के दौरान आ रही परेशानी एवं लंबित मांगों के संबंध में विस्तार से चर्चा करने के साथ ही आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के आव्हान पर आगामी १७ दिसंबर को भोपाल में मंत्रियों के बगले के सामने नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किये जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। वहीं अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए लालबर्रा विकासखण्ड के पंचायतों में पदस्थ भृत्य, चौकीदार, नल चालकों से अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचकर धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई और उक्त धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कर्मचारियों का दल १६ दिसंबर को भोपाल के लिए रवाना होगा। चर्चा में म.प्र. भृत्य, चौकीदार, नल-चालक कर्मचारी संघ ब्लाक अध्यक्ष सावनलाल चौहान ने बताया कि हम लोग विगत वर्षों से ग्राम पंचायतों में अल्प वेतनमान में काम कर रहे है परन्तु वेतन कम मिलने के कारण परिवार का पालन-पोषण करने में परेशानी होती और हम लोगों को मजदूरों से भी कम मानदेय मिलता है इसलिए नियमित किये जाने की मांग को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ते आ रहे है परन्तु सरकार हमारी मांगों को पूरा नही कर रही है। जिससे भृत्य, चौकीदार एवं नल चालकों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। श्री चौहान ने बताया कि १७ दिसंबर को भोपाल में आल डिपार्टमेंट आउट सोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चों के प्रदेशाध्यक्ष वासुदेव शर्मा के आव्हान पर नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर मंत्रियों के बंगले के सामने धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा इसलिए रविवार को लालबर्रा में बैठक आयोजित कर उक्त कार्यक्रम में जाने की रूपरेखा तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि १७ दिसंबर को पंचायत के भृत्य, चौकीदार, नल-चालक कर्मचारियों को नियमित किये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर भोपाल पहुंचकर मंत्रियों के बंगले के सामने पूरे प्रदेशभर के भृत्य, चौकीदार, नल चालक धरना प्रदर्शन करेगें और सरकार से मांग करेगें कि हमारी मांगे जल्द पूरी करें उसके बाद भी मांगे पूरी नही हुई तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर म.प्र. भृत्य, चौकीदार, नल चालक कर्मचारी संघ सचिव संतोष भारद्वाज, उमाप्रसाद नागेश्वर, अब्दुल रहीम कुरैशी, रंगलाल हट्टेवार, मुनेश्वर मात्रे, लक्ष्मण उइके, अरमलाल, कमलेश, ओमकार बाहेश्वर, धरमसिंह यादव, महेन्द्र, जयराम शेण्डे, भोजराम डोरस, देवीदास ढबाले, धनराज चौधरी, अनिल साकोने, तुलसीराम नागेश्वर, प्रवीण चौरसिया, अनिल, राजकुमारी भारती, कुन्ता सेन्दरे, हरवंश बाहेश्वर, लोकचंद बोपचे, देवीप्रसाद, विरेन्द्र सहित अन्य भृत्य, चौकीदार, नल चालक उपस्थित रहे।

धम्म देशना एवं प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में रविवार को धम्म देशना एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुज्य भंते उत्तम मग्गो के मुख्य आतिथ्य, मुख्य प्रशिक्षक पुज्य भंते सप्पजनो एवं बौध्द उपासक-उपासिकाओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बौध्द उपासक-उपासिकाओं को अरूणाचल प्रदेश से पधारे मुख्य प्रशिक्षक पुज्य भंते सप्पजनो के द्वारा धम्मदेशना के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही यह भी कहा कि हमें समाज का विकास करना है तो पहले स्वयं को जागरूक होना पड़ेगा और संगठित होकर काम करेगें तभी समाज का विकास होगा। साथ ही संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये गये मार्ग पर चलकर उनके संदेश को जन-जन पहुंचाने की बात कही। चर्चा में कृष्णमुरारी बागड़े ने बताया कि हमारे बौध्द उपासक-उपासिकाओं को धर्म देशना एवं प्रशिक्षण देने के लिए अरूणाचल प्रदेश से हमारे बौध्द भिक्षु पहुंचे थे। जिनके द्वारा बौध्द धर्म के उपासक-उपासिकाओं को धार्मिक जानकारियां दी गई और डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने की बात कही गई है। साथ ही यह भी बताया कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य है कि समाज में धर्म के प्रति जागरूकता फैलाना है ताकि समाज में एकता का भाव बना रहे, धार्मिक भावनाओं से जुड़कर आगे बढ़े और लोग अपनी कमाई का १० प्रतिशत राशि धर्म एवं समाज सेवा में खर्च करें। इस अवसर पर बौध्द उपासक-उपासिकाएं उपस्थित रहे।

15 वर्षीय युवक को सांप ने काटा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरी के खैर टोला में इसी ग्राम के एक युवक आदित्य पिता संतोष राहंगडाले 15 वर्ष को सांप ने काट दिया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष राहंगडाले कक्षा दसवीं का छात्र है और वह शासकीय स्कूल नवेगांव में पढ़ाई करता है। 15 दिसंबर को रविवार अवकाश होने से आदित्य राहंगडाले अपने खेत में हल्दी खोदने के लिए गया था। हल्दी खोदते समय अचानक आदित्य राहंगडाले के बाएं हाथ की अंगुली में किसी सांप ने काट दिया। आदित्य राहंगडाले ने खेत से घर आकर अपने परिवार वालों को बताया। जिसे उसके चाचा मुकेश बिसेन ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

कंजई में गायत्री शक्तिपीठ का ४४ वार्षिकोत्सव आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत कंजई स्थित गायत्री शक्तिपीठ का १६ दिसंबर से दो पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं ४४ वां वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में गायत्री शक्तिपीठ कंजई के ढालसिंह बिसेन ने बताया कि वेदमुर्ति तपोनिष्ट गायत्री के सिध्द साधक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य गुरुदेव जी द्वारा प्राणप्रतिष्ठित गायत्री शक्तिपीठ कंजई का ४४ वां वार्षिक उत्सव एवं पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ १६ दिसंबर से प्रारंभ होगा एवं १७ दिसंबर को समापन किया जायेगा। इस अवसर पर १६ दिसंबर को भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी एवं १७ दिसंबर को पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, क्षेत्रीय गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील वेदमाता गायत्री शक्तिपीठ कंजई के पदाधिकारी ढालसिंह बिसेन ने की है।

कंजई में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रेमनगर में नल जल योजना ढप्प ग्रामीण आक्रोशित

४ वर्ष पहले हुई योजना स्वीकृत ,कार्य नही हुआ पूर्ण

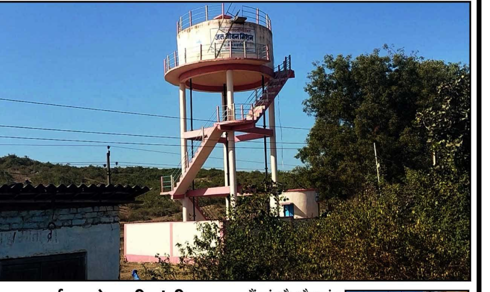

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंढकी के प्रेमनगर में शासन के द्वारा वर्ष २०२० में नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसके माध्यम से टंकी का निर्माण करवाया गया पाइप लाइन का विस्तार हुआ परंतु फिर भी ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि बीते करीब ४ महीने से अधिक का समय हो गया है योजना बंद पड़ी हुई है, जिसके पीछे का कारण बिजली बिल का भुगतान ना होना बताया जा रहा है। क्योंकि यह योजना अधूरी होने के कारण पंचायत के द्वारा हैंडोवर नहीं ली गई है जिसका संचालन ठेकेदार के द्वारा किया गया उसका बिजली दोनों के द्वारा नहीं दिया गया है। जिसके कारण बिजली विभाग के द्वारा योजना बंद कर दी गई है। ऐसे में लोगों को हैंडपंप और अन्य जल स्त्रोत की तलाश कर काफी दूरी से पानी लाना पड़ रहा है जिससे हर गांव में परेशान है। जिनके द्वारा योजना को प्रारंभ करने की मांग की जा रही है।

४ वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरी है योजना

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेम नगर में पानी की काफी समस्या पहले से बनी हुई थी जिनके द्वारा लगातार नल जल योजना की मांग की जा रही थी। जिसे देखते हुए मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत हर घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जहां दिसंबर २०२० में योजना निर्माण का कार्य प्रारंभ कर सितंबर २०२१ में कार्य पूर्ण कर लिया गया। जिसमें ५०००० लीटर पानी की क्षमता वाली उच्च स्तरीय टंकी और २०००० लीटर के पंपवाल का निर्माण किया गया। परंतु वर्तमान तक योजना को पूरी तरह पूर्ण नहीं किया गया है जिसका कारण है कि वर्तमान में नल जल योजना के विस्तार में कई समस्या बनी हुई है। कई क्षेत्रों में पानी उपलब्ध नहीं हो पता है कई प्रकार की तकनीकी समस्या बताई जा रही है । इसी कारण पंचायत के द्वारा योजना को अपने हाथों में नहीं लिया गया है जो अभी भी ठेकेदार के हाथों में है। जिसे करीब ४ महीने से अधिक का समय हो गया है पूरी तरह बंद कर दिया गया है जिससे ग्राम के किसी भी व्यक्ति को पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके संबंध में बिजली बिल भुगतान नहीं होने की बात सामने आ रही है कि पंचायत और ठेकेदार दोनों के द्वारा बिल का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे विद्युत विभाग ने योजना की बिजली बंद करवा दी है। इससे ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत कर अपने उपयोग का पानी विभिन्न साधनों से जुटाना पड़ रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

नल जल योजना ग्राम में बंद है-लेखराम ऐड़े

ग्रामीण लेखराम ऐड़े ने बताया कि नल जल योजना जब से आई है तब से यह बन रही है आज तक पूरी तैयार नहीं हो पाई है। जिसका पानी भी हमें नहीं मिल पा रहा है पूरी योजना वर्तमान में बंद पड़ी हुई है।

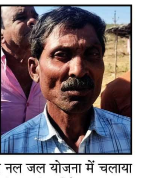

बीच में एक महीना नल जल योजना में चलाया गया था उसके बाद से बंद हो गई है। इस कारण ग्राम के सभी लोगों को बहुत ज्यादा दिक्कत हो रही है सरपंच से शिकायत भी किये हैं पर वह भी ध्यान नहीं दे रहा। हम कह रहे हैं कि नल जल योजना को चालू किया जाना चाहियें पर बताया जा रहा है कि पंचायत में रुपये नहीं है बिजली काट दी गई है।

ग्राम में पानी की मूल समस्या है ४ महीने से योजना पूरी बंद पड़ी हुई है-मानिक बिसेन

ग्रामीण मानिक बिसेन ने बताया कि पानी की काफी समस्या है हमारे घर के बाजू में एक हैंडपंप है उसके २५ डंडे मारने पर दो लोटा पानी उसके अंदर से निकलता है। हमारे यहां पानी की मूल समस्या है मोहल्ले के लोग बहुत ज्यादा परेशान है ४ महीने से भी योजना पूरी बंद पड़ी हुई है। उसका कोई संचालन नहीं

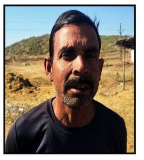

हो रहा है ना ही कोई योजना और हमारी समस्या पर ध्यान दे रहा है वर्तमान में हम सभी ग्राम के हैंड पंप एवं अन्य स्त्रोत से पानी ला रहे हैं। जिसके लिए इधर उधर घूमना पड़ रहा है कि एक जल स्त्रोत में पर्याप्त पानी नहीं मिलता है कम से कम आधा किलोमीटर तक पैदल जाना पड़ रहा है यह समस्या अकेली हमारी नहीं पूरे ग्रामीण की है।

२ वर्ष पहले पानी टंकी का निर्माण हुआ है फिर भी योजना बंद है-राजू टैकार

ग्रामीण राजू टैकार ने बताया कि नल जल योजना की पानी टंकी से पानी हमें नहीं मिल रहा है जो ग्राम में पुराने खुदे हुए नल हैंडपंप है उससे पानी अपनी जरूरत के लिए प्रतिदिन लाना पड़ रहा है। यह टंकी बनने के बाद भी उपयोग नहीं हो पा रही है

इसके माध्यम से मात्र एक महीना पानी मिला था। सरपंच को शिकायत की गई थी तो उनके द्वारा कहा गया था कि पंचायत में रुपये नहीं देते हैं इसलिए बंद कर दी गई है। जबकि कोई आया ही नहीं आज भी यह बंद पड़ी हुई है २ वर्ष पहले यह पानी की टंकी का निर्माण हुआ है।

हैंडपंपो पर आश्रित है ग्रामीणजन-पंकज राहगंडाले

ग्रामीण पंकज राहगंडाले ने बताया कि गांव की नल जल योजना पूरी बंद है यह सामने एक हैंडपंप है और गांव के दूसरे छोर पर एक हैंड पंप है। इस प्रकार दो हैंड पंप पूरे प्रेम नगर में चालू है और तीन हैंडपंप बंद पड़े हुए है। इस दौरान ८० परिवार

के करीब ४०० लोग इन दो हैंडपंप पर आश्रित है बाकी दूसरे जो हैंडपंप है उनके सुधार कार्य ना होने के साथ वह खराब हो गए हैं। योजना का अभी भी काम पूरा नहीं हुआ है इस दौरान बीच में २ महीने में कभी कभी पानी दिया गया। जिसमें समस्या हो रही है की कई क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंचा जबकि हर घर तक पानी पहुंचना चाहिए।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि नल जल योजना का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है जिसमें कई अधूरा कार्य पड़ा हुआ है। कई क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाता है जिस कारण से यह योजना ठेकेदार के हाथों में है पंचायत के द्वारा हैंडओवर नहीं लिया गया। हम यही चाहते हैं कि ठेकेदार योजना को पूर्ण करके दे ताकि हमें आगे समस्या ना हो।

लक्ष्मी नारायण कुंजन
सरपंच प्रतिनिधि

नगरवासियों ने नगर पालिका से अलाव जलाने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । ठंडी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुये नगर पालिका परिषद वारासिवनी के

द्वारा इस वर्ष नगर के प्रमुख चौक चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था बनाने की तैयारी नही की है। जिससे नगर सहित क्षेत्र के लोगो को ठंड में ठिठुरते मजबूर होना पड़ रहा है। शीत लहर का दौर पूरे समय चल रहा है जिससे पूरे दिन ढंड़ का एहसास बना हुआ है। जबकि नगर पालिका परिषद प्रति वर्ष नगर के चौक चौराहा पर जलाऊ लकड़ी की व्यवस्था करती है जो इस वर्ष देखने नही मिल रही है। ऐसे में नगर वासियों के द्वारा अलाव जलाने की व्यवस्था करने की मांग नपा से की जा रही है।

बालाघाट के बाद वारासिवनी सबसे बड़ा मुख्यालय

बालाघाट मुख्यालय के बाद वारासिवनी ही सबसे बड़ा मुख्यालय कहलाता है। जहां से लालबर्रा, कटंगी, खैरलांजी, रामपायली, डोंगरमाली सहित अन्य मार्ग के लिये देर रात्री तक वाहन दौड़ते है। साथ ही लंबे मार्ग की बसे जैसे सिवनी, जबलपुर, छिड़वाड़ा, भोपाल, इंदौर, हैदराबाद, नागपुर मार्ग के लिये भी वाहन निकलते है। ऐसे में यात्रीगण बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर ठिठुरते देखे जा सकते है। इसमें रात्रि व सुबह काफी समस्या तेज शीत लहर के कारण लोगो को ठिठुरने मजबूर होना पड़ रहा है।

ठंड का प्रकोप जारी

नगर सहित क्षेत्र में भीषण ठंड का प्रकोप बना हुआ है जिसका अंदाजा सुबह के कोहरे एवं शाम से गिरने वाली ओश की नमी से पता लगाया जा सकता है। ऐसी ठंड में लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। परंतु नगर में घूमने वाले एवं अन्य बेघर लोगों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। जिसके लिए नगर पालिका से अलाव जलाने की व्यवस्था करने की नगर सहित क्षेत्रवासियों के द्वारा मांग की जा रही है। ताकि उन्हें ठंड से बचने में राहत मिल सके परंतु ईश्वर नगर पालिका की कोई तैयारी देखने को नहीं मिल रही है, हर कोई ठंड में ठिठुरते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना होते नजर आ रहे हैं।

असंख्य शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन १८ से प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । परशुराम भवन में आयोजित होने वाली असम की पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई । सर्व ब्राह्मण समाज के सचिव शरद

दुबे ने चर्चा कर बताया कि १८ दिसंबर से २६ दिसंबर २०२४ तक यह धार्मिक आयोजन स्थानीय परशुराम भवन में आयोजित किया जाएगा। जिसमें बाल प्रभु महाराज व्यास पीठ पर आसीन होंगे एवं भागवत पाठ करेंगे। इस धार्मिक अनुष्ठान में असम के पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भी गुरुदेव के द्वारा मंत्रों उपचार के साथ कराया जाएगा जो प्रतिदिन कथा के पूर्व प्रातः ८ बजे से ११ तक होगा। तत्पश्चात श्रीमद् भागवत कथा का प्रवचन दोपहर १ बजे से ५ बजे तक होगा । इस कार्यक्रम में आयोजक सकल जन समाज एवं वारासिवनी के नगर वासी तथा कार्यक्रम के संयोजक सर्व ब्राह्मण समाज,महिला मंडल एवं श्री परशुराम सेना तथा कार्यकारी सदस्यों ने भगवत प्रेमियों से आग्रह किया है की ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत पुराण का लाभ लेवें। इस दौरान संदीप मिश्रा,शरद दुबे,बसंत मिश्रा ,अरुण शर्मा, दिलीप शर्मा, राम रूसिया, नीटू चौबे, अनुराग तिवारी, संजय रूसिया उपस्थित रहे।

सरकारी मदद के अभाव में बिठली गौशाला के हाल हुये बेहाल

चारा पानी और इलाज के ना मिलने से काल के गाल में समा रहे मवेशी

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। गौ माता की अद्भुत महिमा और रहस्य है हिंदू धर्म में गौ पालन का अलग महत्व है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में यह मनुष्य धन कहलाती थी जिस जिस ग्राम में गौशाला या निजी तौर पर गौ पाली जाती है उस ग्राम में जन्म मरण दुख दर्द मन को शांति और पुरुष जन्म सफल हो जाता है। संतोष की अनुभूति से वह गांव अछूता नहीं रहता जिसको संरक्षित करने के लिए सरकार ने ग्राम पंचायत मोहगांव के अंतर्गत बिठली जो चंदन नदी के तट पर बसा है। जहां श्री राम बालाजी गौशाला की स्थापना १३ जनवरी २०२० को की गई थी। यहां की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलती रही जिसका संचालन मोहगांव ग्राम पंचायत की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दिया गया। प्रारंभ काल सुव्यस्थित चला लेकिन अचानक प्रशासनिक तौर पर यहां आवंटन आना अचानक ही बंद हो गया । जिसके चलते महिलाएं वित्तीय समस्या को लेकर अनेक परेशानियों से जुझने लगी और आनंन फानन में गौशाला की संचालन व्यवस्था धराशाही हो गई और महिलाओं ने भी यहां से अलग हो गई । उसके बाद गौशाला का कार्य एनजीओ के द्वारा संचालन किया गया जिसने भी कुछ माह श्री राम बालाजी गौशाला की संचालन व्यवस्था चलाई और वह भी वित्तीय संकट के चलते समाप्त हो गई। फिर ग्राम पंचायत मोहगांव सरपंच फागूलाल मरठे के नेतृत्व में कुछ युवाजनों ने इस कार्य को संचालित करते आ रहे हैं लेकिन उनके सामने भी वित्तीय संकट का भार अत्यधिक होने के कारण वह भी दाएं बाएं होते जा रहे हैं । जिसके चलते इस गौशाला में आए दिन गौ माता की प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मृत होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसे अंतिम संस्कार करने में भी पसीना छूट रहा है। संचालन समिति को सरपंच अपने स्तर पर पिछले १ वर्ष से अधिक समय गुजर गया व्यक्तिगत तौर पर इस गौशाला का संचालन कर रहे हैं। लेकिन वित्तीय संकट तगड़ा होने के कारण वह भी अब गौ सेवा करते करते थक चुके हैं,परिणाम स्वरूप वर्तमान में इस संचालन व्यवस्था के लिए रात्रि में कोई पहरेदार नहीं होने के कारण गौशाला की सुव्यवस्थित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। आए दिन गायों के मृत होने का सिलसिला जारी है जो चिंतनीय है और निंदनीय भी है। इस दिशा में जिला कलेक्टर को श्रीराम बालाजी गौशाला का स्थल निरीक्षण कर यहां के वित्तीय संकट को हल करने की दिशा में कारगर कदम उठाने की अति आवश्यकता है। ग्राम के युवाजन भी इस कार्य का संचालन कर सकते हैं लेकिन वह भी वित्तीय संकट के अभाव में कुछ नहीं कर पा रहे है। जिसके कारण अब गौ माता का यह संकट प्रशासन स्तर पर सुव्यवस्थित होने की मांग ग्रामीण राकेश जैन, कुंवर लाल पालेवार ,निर्मल बघेल, कमलेश अग्रवाल, महेश चिमनानी, मिंटू बोपचे , धर्मचंद पारधी ,जगदीश आदि ने गौशाला को अभिलंब सुव्यवस्थित करने की मांग की है।

प्रशासनिक तौर पर गौशाला की लगातार सेवा बनी रहना चाहिए-कुंवरलाल पालेवार

कुंवरलाल पालेवार ने बताया कि चंदन नदी के तट पर भगवान श्रीराम नगरी से लगा श्रीराम बालाजी गौशाला है लेकिन उसकी सेवा प्रशासन के तरफ से होने के बावजूद नहीं कर पा रहे हैं । प्रशासनिक तौर पर लगातार सेवा बनी रहना चाहिए जिससे गौ माता का मरने का

सिलसिला थम सके और यह गौशाला इस क्षेत्र की सबसे बड़ा मंदिर है । जिसमें व्यक्तिगत तौर पर लोग सेवा देना चाहते हैं इस सेवा का लाभ प्रशासनिक तौर पर उठाना चाहिए। लेकिन प्रशासन ने गौशाला खोलकर विमुख हो चुका है जो असहनीयता कि सीमा को लांघ चुका है।

गौशाला की व्यवस्था ठीक करने १८१ पर की थी शिकायत -राकेश जैन

राकेश जैन ने बताया कि गौ सेवा हिंदू धर्म में सबसे बड़ी सेवा है इस सेवा से शांति समृद्धि सुख वैभव प्राप्त होता है । हमारे भाग्य से चंदन नदी के तट पर प्रशासन शासन की ओर से गौशाला की स्थापना हुई है जिसमें सैकड़ो गौ माता मौजूद है । लेकिन उनकी सेवा ना होकर उन्हें अप्रत्यक्ष तौर पर हत्या करने का सिलसिला जारी है जो

अब असहनीयता की कगार पर आ चुका है । जिसकी उनके द्वारा स्वयं १८१ पर शिकायत की गई थी शिकायत में समाधान तो नहीं हो पाया लेकिन शिकायत उठाने का दबाव लगातार प्रशासनिक तौर पर बनाया जा रहा है जो हास्यास्पद जान पड़ता है । गौशाला में संपूर्ण व्यवस्था नहीं की गई तो हम आंदोलन के लिए विवश होंगे

प्रशासन को गौमाता के चारा पानी की व्यवस्था करना चाहियें-महेश चिमनानी

महेश चिमनानी ने कहा कि गौ माता को प्रतिदिन पर्याप्त चारा पानी मिलना चाहिए जो इस गौशाला में नहीं मिल पाता है। जिसके चलते हम अपना समय निकालकर गौशाला के लिए भोजन की उपलब्धता करते है। लेकिन यह सिलसिला लगातार संभव नहीं हो

पा रहा है जिसके लिए प्रशासन को आगे आना चाहिये।

गौशाला में व्यवस्था ठीक नही हुई तो करेंगे उग्र आंदोलन-धरमचंद पारधी

धरमचंद पारधी ने बताया कि गौ माता सबसे बड़ी सेवा है जिससे अनेक रोगों का नाश होता है उस गांव में शांति वैभव आता है । हमारे भाग्य से गौशाला की स्थापना सरकार ने करके दी है लेकिन उसमें संपूर्ण

व्यवस्था आज भी पर्याप्त नहीं होने के कारण गौ माता का प्रतिदिन मृत होना एक विषय बनते जा रहा है। जिसके लिए शासन प्रशासन को प्रतिमाह यहां की वित्तीय संकट हल करना चाहिए अन्यथा आंदोलन की विवशता को नकारा नहीं जा सकता।

शासन से पर्याप्त राशि नही मिलने से गौशाला संचालन करने में हो रही परेशानी-बाबूलाल मरठे

ग्राम सरपंच बाबूलाल मरठे ने बताया कि १३ जनवरी २०२० को श्रीराम गौशाला का शुभारंभ किया गया था तब १५० गौ माता यहां मौजूद थी। प्रारंभ में इसका संचालन स्व सहायता समूह और एनजीओ के द्वारा किया गया। लेकिन प्रतिमाह वित्तीय संकट प्रशासन की ओर से सार्थक नहीं होने की दशा में उन लोगों ने भी

इस गौशाला के संचालन व्यवस्था को छोड़ दिया। अब वह स्वयं व्यक्तिगत तौर पर इस श्रीराम गौशाला सेवा समिति का संचालन कर रहे है। लेकिन प्रतिमाह वित्तीय संकट बना रहने की वजह से कई बार असफलता सामने आ जाती है। वह आसपास की जमीन को उपजाऊ बनाने का सार्थक प्रयास किया है जिससे गौशाला की आमदनी बनी रहे। उन्होंने पिछले १ वर्ष में लगातार इस गौशाला के लिए सार्थक प्रयास किए हैं लेकिन प्रशासनिक तौर पर प्रतिमाह वित्तीय संकट आवंटित नही होने के कारण अनेक बार परेशानियों का सामना करना पड़ा है। वर्तमान में ७० गाये हैं और प्रति गायों को २० रूपये चारा पानी की व्यवस्था के लिए मिलता है जो पर्याप्त नहीं है। इस दिशा में शासन प्रशासन से प्रतिमाह आवंटन होना चाहिए । जिससे गौशाला के रखरखाव और चारा पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सकती है। आसपास की जमीन को उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर उपजाऊ बना दिया है जिसमें अनाज की पैदावार के साथ सब्जी की पैदावार भी की जा सकती है। इस दिशा में शासन प्रशासन को अनेक बार पत्र प्रेषित किए गए हैं किंतु आवंटन का प्रतिमाह ना आना अब उनके लिए भी परेशानी का सबक बनते जा रहा है।

बालाघाट एक्सप्रेस बालाघाट, सोमवार 16 दिसम्बर 2024

पद्मेश सम्पादकीय

www.balaghatexpress.in

अकाल तख्त और अकाली दल

सिखों के सर्वोच्च लौकिक आसन, अकाल तख्त ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगियों को 2007 से 2017 तक सत्ता में रहने के दौरान की गई कथित गलतियों के लिए सजा दी है। इस सजा की प्रकृति धार्मिक और राजनीतिक, दोनों तरह की है। यह धर्म और राजनीति के बीच की एक जरूरी दीवार के ढह जाने का एक परेशान करने वाला सबब है। बादल 4 दिसंबर को सिखों के पूजा के केंद्रीय स्थान, स्वर्ण मंदिर में प्रायश्चित करते समय हत्या के एक प्रयास से बाल-बाल बच गए। धार्मिक कदाचार के लिए अकाल तख्त द्वारा दी जाने वाली सजा सिखों के बीच एक मान्य कायदा है और इस लिहाज से, वह आस्था और रीति-रिवाज के दायरे में आता है। हालांकि बादल के कार्यकलापों, जो अकाल तख्त की जांच का विषय बने, का एकदम से उनकी आस्था से कोई लेना-देना नहीं था और जांच की यह कवायद कमोबेश उपमुख्यमंत्री एवं अन्य रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका के साथ दखलंदाजी थी। इस धार्मिक प्राधिकरण ने उन्हें शिअद के अध्यक्ष पद से हटाने पर भी जोर दिया और पार्टी को सदस्यता अभियान शुरू करने तथा छह महीने के भीतर पदाधिकारियों के चुनाव कराने के वास्ते एक समिति गठित करने के निर्देश भी जारी किए। शिअद देश के कानून और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विनियमित एक पंजीकृत राजनीतिक दल है। लेकिन इसका धार्मिक आदेशों के आगे झुकना राजनीतिक व्यवस्था के लिहाज से बेहद निराशाजनक है।

देश का कानूनी ढांचा और संवैधानिक सिद्धांत धर्मनिरपेक्षता पर जोर देते हैं, जो राजनीतिक दलों को विनियमित करने के तौर-तरीकों में परिलक्षित होता है। राजनीतिक फैसलों और राजनीतिक दलों के मामलों में किसी धार्मिक संस्था का सीधा हस्तक्षेप संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के पालन के नजरिए से गलत संकेत दे सकता है। वर्ष 2022 के विधानसभा और 2024 के आम चुनावों में अपने खराब चुनावी प्रदर्शन के बाद शिरोमणि अकाली दल एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इसने अपना पारंपरिक समर्थन आधार खो दिया है और पंजाब में प्रासंगिक बने रहने के लिए इसे अपनी राजनीति को नए सिरे से जमाने की जरूरत है। अपनी संभावनाओं को पुनर्जीवित करने की शिरोमणि अकाली दल की रणनीति 1996 से पहले के अपने 'पंथिक' (सिख) एजेंडे की ओर लौटने की है। लेकिन यह एक पेचीदा रास्ता है। सिखों के बीच चरमपंथ के संभावित पुनरुत्थान के परेशान करने वाले संकेत हैं, जिससे इस समुदाय या देश को कोई फायदा नहीं होने वाला। कुछ ऐसे वैश्विक तत्व हैं जो लंबे समय से मृत पड़े 'खालिस्तान' आंदोलन को फिर से भड़काना चाहते हैं। बादल की हत्या के प्रयास ने एक बार फिर हिंसा का सहारा लेने के इच्छुक कट्टरपंथी तत्वों के अस्तित्व को उजागर किया। शिरोमणि अकाली दल का सिख समुदाय पर मध्यम प्रभाव रहा है और इसने अपने सदस्यों को उनकी धार्मिक एवं धर्मनिरपेक्ष चिंताओं के लिए एक मंच प्रदान किया है। अकाल तख्त द्वारा इस पार्टी पर प्रभावी कब्ज़ा, इन दोनों संस्थाओं और व्यापक राजनीति के लिए नुकसानदायक है।

विश्व हिन्दू परिषद् : कल आज और कल

इलाहबाद कभी न केवल कांग्रेस बल्कि समाजवादी व आर एस एस व विश्व हिन्दू परिषद् के भी वरिष्ठ व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का गढ़ हुआ करता था। नेहरू-गाँधी परिवार की तो यह कर्मस्थली थी ही इसके अतिरिक्त पुरषोत्तम दस टंडन,मदन मोहन मालवीय जैसी अनेक विभूतियाँ भी इसी शहर से सम्बद्ध रहीं। इसी तरह दक्षिणपंथी विचारधारा के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख रहे राजेंद्र सिंह उर्फ़ रज्जु भैय्या का नाम भी इलाहाबाद से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा ही एक नाम था जस्टिस शिव नाथ काटजू का जोकि 1980 के दशक में विहिप के अध्यक्ष भी चुने गये थे । जस्टिस काटजू ने अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर के निर्माण के लिए शुरुआती अभियान चलाया था। और इसी दौरान उन्हें नज़रबंद भी कर दिया गया था। चूँकि मेरी भी औपचारिक शिक्षा इलाहाबाद में ही हुई इसलिये उस दौर के अनेक विशिष्ट जनों के साथ संबंध रखने का भी सौभाग्य मिला। जस्टिस काटजू भी उन्हीं में एक थे जिनके पास अक्सर मेरा आना जाना रहता था। जस्टिस काटजू विहिप के अध्यक्ष तो ज़रूर थे परन्तु वे पूर्णतय: धर्मनिर्पेक्ष थे। इस्लामी इतिहास का भी उन्हें ज़बरदस्त ज्ञान था। शिया -सुन्नी विवाद और करबला की घटना जैसे विषयों पर तो वे अक्सर मेरे साथ बातें किया करते और मेरा ज्ञान वर्धन किया करते थे।

बात 1977-78 की है उस दौरान मैं इलाहबाद के मुहल्ला दरियाबाद के इमामबाड़ा सलवात अली ख़ान नामक एक ट्रस्ट से परिवारिक रूप से जुड़ा हुआ था। यहाँ अनेक धार्मिक आयोजन हुआ करते हैं। इन्हीं में एक चालीसवें का जुलूस (मुहर्रम के चालीस दिन बाद) भी इसी इमामबाड़े से निकला जाता है। इसी जगह से निकलने वाले चालीसवें के जुलूस का प्रारंभिक संबोधन करने के लिये जब मैंने जस्टिस काटजू से निवेदन किया तो वे ख़ुशी ख़ुशी तैयार हो गये। हालांकि उन्होंने अयोध्या में मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुये विहिप आंदोलन तथा दरियाबाद की घनी मुस्लिम आबादी को भी रेखांकित किया। परन्तु मेरे संपूर्ण सुरक्षा व शांतिपूर्ण आयोजन के आश्वासन के बाद वे कार्यक्रम से पूर्व स्वयं अपनी एम्बेसडर कार चलाकर बिल्कुल अकेले ही दरियाबाद पधारे। यहाँ दरियाबाद चौराहे पर मौजूद मेरे साथियों ने उनका स्वागत किया व पूरे सम्मान के साथ उन्हें इमामबाड़ा सलवात अली ख़ान लेकर गये। यहाँ मौजूद समूह के बीच जस्टिस काटजू ने कर्बला की घटना का ज़िक्र करते हुये न केवल अपनी तरफ़ से बल्कि विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष होने की हैसियत से विहिप की तरफ़ से भी हज़रत इमाम हुसैन व करबला के शहीदों को बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। शेरवानी,टोपी और चूड़ीदार पैजामा जैसा परिधान प्राय: धारण करने वाले काटजू साहब सभी धर्मों का पूरा ज्ञान रखते थे तथा उन्हें सम्मान भी देते थे। वे विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष होने के बावजूद सभी धर्मों में परस्पर मेल जोल व सद्भाव के पक्षधर थे। उन्हें उर्दू आरबी फ़ारसी का भी पूरा ज्ञान था।

यह था उस दौर के विश्व हिंदू परिषद का वह चेहरा जिससे भारत का ग़ैर हिन्दू समाज कभी भयभीत नहीं होता था। उसके बाद जबसे गुजरात को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रयोगशाला कहा जाने लगा तब से इसी विश्व हिंदू परिषद ने खुलकर इस्लाम व अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी आक्रामकता दिखानी शुरू कर दी। इसी विश्व हिंदू परिषद में बजरंग दल नामक एक और संगठन तैयार हो गया जो समय समय पर आक्रामक होते नज़र आया। आज पूरे देश में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल पर अनेक आपराधिक मुक़ददमे चल रहे हैं। इसी विश्व हिंदू परिषद ने योजनाबद्ध तरीक़े से गुजरात से शुरू कर कॉरोनकाल के दौरान देश के कई राज्यों में मुस्लिम दुकानदारों के प्रति नफ़रत फैलाकर उनसे सब्ज़ी फल व अन्य सामान ख़रीदने के लिये हिन्दू समाज के लोगों को मना किया। सीधे शब्दों में मुस्लिमों का व्यवसायिक बहिष्कार करने की कोशिश की गयी। इसी विहिप ने %बेटी बचाओ बहू लाओ% नामक एक अभियान भी चलाया जिसके अंतर्गत किसी हिन्दू लड़की के मुस्लिम लड़के से प्रेम संबंध होने की स्थिति में उस रिश्ते में दख़ल देना तथा वह अंतर्धार्मिक सम्बन्ध परवान न चढ़ने देना है। जबकि साथ ही हिन्दू लड़कों को इस बात के लिये आमादा करना है कि वे मुस्लिम लड़कियों से दोस्ती कर उनको बहू बनाकर लाएं। गुजरात सहित और भी कई राज्यों से ऐसी ख़बरें भी आती रही हैं जबकि विहिप के लोगों ने किसी मुस्लिम को किराये पर मकान देने का विरोध किया तो कभी ख़रीदे हुये फ़्लैट में भी क़ब्ज़ा लेने व उनके रहने का विरोध किया। कई जगहों पर विश्व हिंदू परिषद के लोग मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग करने वालों का साथ देते यहाँ तक कि उनके समर्थन में सड़कों पर उतरते,उग्र होते व हत्यारों को सम्मानित करते नज़र आये।

आज का विश्व हिंदू परिषद तो पूरी तरह से अपने उन बुनियादी सिद्धांतों से दूर होता नज़र आ रहा है जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवाद पर आधारित इस भारतीय दक्षिणपंथी हिंदू संगठन की स्थापना 1964 में की गयी थी। उस समय इसका घोषित उद्देश्य 卐हिंदू समाज को संगठित व मज़बूत करना और हिंदू धर्म की सेवा और सुरक्षा करना卐 था न कि किसी अन्य धर्म के विरुद्ध आक्रामक होना या भारतीय लोगों में अफ़वाहबाज़ी के द्वारा नफ़रत हिंसा व विद्वेष भड़काना और किसी भारतीय नागरिक को दूसरे दर्जे का नागरिक समझना। न ही किसी की मस्जिद मज़ार गिराना व अन्य धर्मों की ध्वजा उतारकर अपनी धर्मध्वजा लहराना। न ही इस तरह के अभियान चलाना । परन्तु इससे भी आगे बढ़कर आज का विश्व हिन्दू परिषद तो गोया संविधान विरोधी संवाद को भी हवा देने वाला एक मंच बन चुका है। इनदिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव द्वारा दिया गया एक %असंवैधानिक भाषण % जो कि गत 8 दिसम्बर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में वीएचपी के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था वह न केवल चर्चा में है बल्कि उसी भाषण को लेकर जस्टिस शेखर यादव के विरुद्ध महाभियोग चलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। वीएचपी के लीगल सेल के इसी आयोजन में जस्टिस शेखर यादव ने %समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता% विषय पर बोलते हुए कहा था कि देश एक है, संविधान एक है तो क़ानून एक क्यों नहीं है? उन्होंने इसी मंच पर यह भी कहा कि 卐हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा, यही क़ानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। क़ानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। 卐 जस्टिस यादव के इस बयान के फ़ौरन बाद ही कई नेताओं, वकीलों,पूर्व न्यायाधीशों व बुद्धिजीवियों द्वारा उनके इस बयान की निंदा की गयी उसे असंवैधानिक बताया गया और आख़िरकार मामला महाभियोग तक आ पहुंचा। उनके विरुद्ध राज्यसभा के 55 सांसदों ने महाभियोग का प्रस्ताव लाने के लिये राज्य सभा में नोटिस दे दिया। यह भी सवाल उठने लगा कि एक वर्तमान न्यायाधीश का ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना उचित भी है अथवा नहीं ?

सवाल यह है कि आजका विश्व हिन्दू परिषद् जब संविधान विरोधी वक्तव्यों को अपने मंच से बढ़ावा दे रहा है,धर्म विशेष के विरोध में ही स्वयं को पनपते देख रहा है, हिंदू समाज को संगठित करने उसे मज़बूत करने व हिंदू धर्म की सेवा व सुरक्षा के बहाने समाज में नफ़रत व हिंसा को बढ़ावा देते देते अब संविधान विरोधी विचारों को भी मंच प्रदान कर रहा है, आने वाले कल में वही विश्व हिन्दू परिषद् शिव नाथ काटजू जैसे परिषद् के पूर्व नेताओं के विचारों व उनके स्वभाव व आचरण से कितनी दूर जायेगा और देश को किस स्थिति में ले जायेगा इसका अंदाज़ा लगाने के लिये किसी और की बातें सुनने की ज़रुरत नहीं बल्कि ख़ुद शिव नाथ काटजू के होनहार पुत्र व पूर्व जस्टिस मारकंडे काटजू के संघ सम्बन्धी विचारों को सुनकर ही अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

-तनवीर जाफ़री

संविधान पर बहस में सब कुछ तहस-नहस

लोकसभा में संविधान पर बहस के बाद माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का उत्तर सुनकर समझा में आ गया कि उन्होंने संघ की साखा में संविधान के बारे में जो कुछ पढ़ा-लिखा उससे ज्यादा वे संविधान के बारे में जानते नहीं हैं। संविधान पर बहस के दौरान उठाये गए एक भी सवाल का उत्तर देने के बजाय वे अपने सिर पर सवार जवाहरलाल नेहरू,इंदिरा गाँधी और राजीव गांधी के भूत को बिदारते नजर आये। वे नहीं बता पाए कि उनके युग में संविधान कैसे मजबूत हो रहा है ?

मै माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदार दास मोदी के भाषण को दत्त-चित्त होकर सुनता हूँ। शनिवार को भी मैंने उन्हें लोकसभा में सुना । वे प्रधानमंत्री के स्तर का भाषण देने में हमेशा की तरह विफल हुए ,उन्होंने संविधान पर भाषण देते समय संविधान पर अपने गहन अध्ययन का प्रदर्शन करने के बजाय सिर्फ वो सब उद्घाटित किया जो संघ की शाखाओं में स्वयं सेवकों को पिछले 100 साल से दीक्षित किया जा रहा है। मोदी जी संघ के प्रचारक हैं ये हकीकत है लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री हैं इसलिए उन्हें शाखाओं के ज्ञान से ज्यादा सिखने की जरूरत है।उन्हें देश को बताना चाहिए था कि पिछले दस साल में उनकी सरकार में संविधान की रक्षा के लिए क्या कदम उठाये ?

संविधान संशोधनों को लेकर माननीय मोदी जी ने पिछली सरकारों के कामकाज को संविधान के साथ खिलवाड़ बताया ,लेकिन जोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने संविधान के साथ जो भी किया तो डंके की चोट किया। यानि वे परोक्ष रूप से कह रहे हैं कि -वे करें तो करेक्टर ढीला, हम करें तो रास लीला। संविधान के साथ किस पार्टी और सरकार ने खिलवाड़ किया ये पूरा देश जानता है। कांग्रेस ने आपातकाल लगाया ये सभी को पता है। मोदी जी कहते हैं कि आपातकाल का कलंक कांग्रेस के माथे से कभी मिट नहीं सकता ,लेकिन वे भूल जाते हैं कि इसी देश की जनता ने,विपक्ष की खिचड़ी जनता सरकार के गिरने के बाद मशीन और मशीनरी के बिना हुए आम चुनाव में कांग्रेस को विजय श्री देकर इस कलंक को मिटा दिया था। मेरा दृढ विश्वास है कि मोदी जी जब तक प्रधानमंत्री रहेंगे तब तक उनके सिर से जवाहर लाल नेहरू का,इंदिरा गाँधी का ,राहुल गांधी का यहां तक की राहुल गांधी का भूत उतरने वाला नहीं है और जब तक ये भूत उनके सर पर सवार रहेगा वे न चैन से काम कर पाएंगे और न संविधान के विधान को समझ पाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी देश को आश्वस्त नहीं कर पाए कि उनके लिए संविधान बड़ा है या मनु स्मृति ? वे ये स्पष्ट नहीं कर पाए की उन्हें धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द से तकलीफ है या नहीं? वे ये भी नहीं बता पाए की संविधान को लेकर वीर सावरकार साहब जो सोचते थे ,क्या वे उससे सहमत हैं या नहीं ? वे तमाम प्रश्नों का उत्तर देने के बजाय जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने को ही अपनी सबसे बड़ी संविधान की सेवा बताते हुए नहीं थकते। संविधान का सम्मान करना और संविधान की धज्जियां करना दो अलग-अलग काम हैं। मौजूदा सरकार ने पिछले एक दशक में संविधान की सेवा किस तरह से की है ,देश और दुनिया जानती है। जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीनना, मणिपुर को डेढ़ साल से अनाथ छोड़ना संविधान की सेवा नहीं है। देश में अल्पसंख्यक समाज को आतंकित करना,उन्हें लक्ष्य बनाकर बुलडोजर दौड़ा देना संविधान की सेवा नहीं है। तमाम मंदिरों-मस्जिदों की खुदाई का अभियान चलाना संविधान की सेवा नहीं है। संविधान समदृष्टा है ,लेकिन सरकार नहीं है। सरकार लगातार हिन्दू-मुसलमान का खेल खेलती आ रही है।

सोमवार को राज्य सभा में भी यदि संविधान पर बहस हुई तो आप तय मानिये कि केंद्रीय गृहमंत्री भी प्र्धानमंत्री जी के भाषण को ही दोहराएंगे। विसंगति ये है कि संविधान को लेकर डींगे हांकने वाले लोग वे हैं जिनकी मात्र संस्थाओं का ,पूर्वज नेताओं का देश के संविधान के निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। वे तो दूसरे तरह का संविधान चाहते थे।यानि आज का संविधान आज की सरकार के मन का संविधान नहीं है। संविधान की प्रस्तावना ही आज की सरकार को पसंद नहीं है । आज की सरकार को पूर्व की सरकारों द्वारा किये गए संशोधन पसंद नहीं है। संसद में संविधान की प्रति का लहराना पसंद नहीं है ,लेकिन दुर्भाग्य ये है कि सरकार के पास इतनी ताकत नहीं है कि वो विरासत में मिले संविधान को बदल सके।

संसद में माननीयों के भाषण से ये जाहिर हो गया है कि आज की सरकार के लिए कल का संविधान केवल शपथ लेने की एक किताब है ,लेकिन कोई भी संविधान में लिखे विधान का अनुशरण करना नहीं चाहता। इस समय देश की सरकार के सिर पर एक देश,एक चुनाव का भूत सवार है । सरकार देश में एक विधान,एक निशान ,एक भाषा,,एक धर्म और अंत में एक नेता के सिद्धांत पर आगे बढ़ना चाहती है। केंद्र सरकार का हर कदम देश के सांविधान के खिलाफ उठाया जा रहा है । प्रधानमंत्री जी के भाषण से उनकी संविधान के प्रति आस्था और समर्पण का अनुमान लगाया जा सकता है। मोदी जी की तकलीफ है कि आजादी के बाद सरदर पटेल के बजाय नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया था। लेकिन वे भूल जाते हैं कि उन्हें भी लालकृष्ण आडवाणी को धकियाकर प्रधानमंत्री बनाया गया था। यानि जो कल हुआ ,वो ही आज भी हो रहा है। यदि कांग्रेस अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मान रही तो भाजपा कौन से आपने संविधान को मान रही है । भाजपा भी कांग्रेस का अनुशरण करते हुए अपनी पार्टी के संविधान की धज्जियां उड़ा रही है।

बहरहाल इस देश के संविधान की अनदेखी करना किसी भी सरकार को महंगा पड़ सकता है । कांग्रेस ने यदि संविधान के बाहर जाकर काम करने की कोशिश की तो जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया और यदि यही गलती भाजपा करेगी तो उसे भी सत्ता से बाहर जाना ही पड़ेगा । साम,दाम ,दंड और भेद एके सीमा तक ही काम आते हैं। देश के लिए एक देश एक चुनाव उतना आवश्यक नहीं है जितना कि एक देश एक दाम आवश्यक है । देश में किसानों की फसल के दाम का मामला हो या देश के बेरोजगारों को रोजगार दिलाने का मामला एकसाथ चुनाव करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सरकर और सरकारी पार्टी बार-बार मंदिर-मस्जिद करके देश की समस्याओं से बचकर नहीं निकल सकती।

- राकेश अचल

चिराग ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने पर लगाई मुहर, टार्गेट पर मुख्यमंत्री की कुर्सी

नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी कौन ये सवाल और ज्यादा उलझता जा रहा है. मनीष वर्मा की बिहार यात्रा पर पूर्णविराम लगाने वाले चिट्ठी के बाद तो और भी असमंजस की स्थिति बन गई है. हालांकी लोग अब नीतीश कुमार के प्रयोग और समय समय पर ये कहना की मेरे बाद तो अब इन्हें ही सब देखना है लोग अभ्यास्त हो गए है. पर आज नहीं तो कल सीएम कुर्सी तो खाली होनी है यही कारण है की नीतीश के बाद कौन वाला सवाल हर किसी को जानना है. इस सवाल का जवाब भले ही देने में वो सभी लोग बगले झांकने लगते है जो सीएम कुर्सी मिलने की इच्छा के कारण नीतीश कुमार की हाँ में हाँ मिलाने और उन्हें कैसे खुश रखा जाए इस प्रयास में रहते है. आप जितने भी नीतीश के उतराधिकारियों की लिस्ट में नाम देखें होंगे. उनमे से सभी कभी न कभी नीतीश की टीम या उनके नज़दीक रहे होंगे. पर एक शख्स ने ताल ठोक के कहा है की मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार रहा है. इस शख्स को बिहार का गेम चेंजर भी कहा जाने लगा है. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में अचानक बड़ी तेजी से परिस्थितियाँ बदलने लगी थी. ऐसी ही एक परिस्थिति बनी थी एनडीए में बिखराव की. हालांकी पिछले विधासभा चुनाव में दोनों ही गठबंधन में बड़ी टूट हुई थी. पर एनडीए की टूट बड़ी असरदार साबित हुई. भाजपा के साथ नीतीश कुमार के साथ दो और दल हिन्दुस्तानी आवाम पार्टी एवं वी आई पी अंतिम समय में महागठबंधन से एनडीए में शामिल हो गई. उधर एनडीए से चिराग पासवान ने नाता तोड़ लिया. सीट शेयरिंग के समझौते पर खटपट के कारण चिराग को गठबंधन छोड़ना पड़ा. अकेले दम पर उन्होंने लगभग 137 सीटों पर अपनी पार्टी के कंडीडेट खड़े किए. हलांकी सफलता मात्र एक सीट पर मिली पर तीस से ज्यादा सीटों पर चुनाव में हार जीत का कारण बने. 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग ने नीतीश कुमार की तो खटिया ही खड़ी कर दी. जदयू तीसरे नंबर पर आई जिसे मात्र 43 सीटों पर सफलता मिली. करीब 30 सीटों पर जदयू को हार का समना चिराग पासवान के कारण करना पड़ा. उसी वक़्त कठीन परिस्थिति से जूझ रहे चिराग के सर से पिता का साया उठ गया. बिल्कुल अलग थलग पड़ गए चिराग पिता के साथ साथ एनडीए और चाव्हा तथा भाई का भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिला. चिराग के एनडीए से बाहर होने और अकेले चुनाव लड़ने के फैसले से चाचा पारस काफी नाराज थे. उन्होंने चुनाव बाद सारा ठीकरा चिराग पर फोड़ दिया जिससे पार्टी में विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो गई. इसका असर कुछ ही दोनों बाद देखने को मिला और लोजपा दो फाड़ हो गई. चिराग को अकेला छोड़ चाचा पारस 5 सांसदों के साथ अलग हो गए. रातोरात उन्होंने मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होम के साथ लोकसभा में अलग बैठने की भी स्वीकृति ले ली. चिराग ने हर संभव प्रयास किया सब कुछ ठीक करने और चाचा के साथ भाई प्रिंस राज, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को मनाने का. पर किसी ने भी साथ नहीं दिया और यहाँ से चिराग की नई पारी की शुरुआत हुई. चिराग पासवान और नीतीश कुमार में भी लोजपा में हुई टूट की घटना के बाद काफ़ी तल्खी बढ़ गई. दोनों एक दूसरे के धुर विरोधी बन गए. यहाँ से चिराग ने खुद को और अपनी पार्टी को संभाला. बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का नारा दिया और नीतीश कुमार के डेढ़ दशक से ज्यादा के शासन पर प्रहार शुरू कर दिया. लोगों के बीच गए और लोगों ने भी एक नेता के रूप में स्वीकार कर लिया. 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी ने मात्र एक सीट हासिल किया था. वो भी एक विधायक पार्टी छोड़ भाजपा में चले गए. इस बीच चिराग एनडीए में है या नहीं ये पहेली बनी रही. भाजपा को ज़ब भी जरूरत पड़ी चुनाव प्रचार में चिराग की सेवाएं लेती रही और चिराग ने भी खुंखार को मोदी का हनुमान बनाये रखा. इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी लोजपा रामविलास को 5 सीटें मिली और सभी पांच सीटों पर बड़े मार्जिन से जीत गए चिराग. यानि 2024 के लोकसभा चुनाव में 100त्न स्ट्राइक रहा. इस जीत को पार्टी के सकारात्मक सोच को नतीजा चिराग पासवान ने बताया. अब बिहार में अगले साल यानी 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाला हैं. चुनाव लड़ने के सवाल पर चिराग पासवान ने अपनी बात रखी. शतप्रतिशत जीत के बाद चिराग को मोदी मंत्रिमंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय मिला. चिराग पासवान ने एक निजी चैनल के साथ बातचीत में राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपना विचार रखा. चिराग ने 2024 लोकसभा चुनाव में बिहार के हाजीपुर सीट से जीत हासिल की और प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री बनें. बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर चिराग ने कहा, मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार रहा है. मैं अपने आपको राज्य की राजनीति में देखता हूं. उन्होंने आगे कहा की 2025 नहीं तो 2030 में आप मुझे जरूर एक विधायक के तौर पर देखेंगे. हालांकि मुख्यमंत्री बनने की बात पर वो हामी भरने से बचते नजर आए. इसके अलावा भी कई राजनीतिक सवालों का जवाब और अपनी सफलता को लेकर चिराग ने बताया मैं बहुत ही ईमानदार सोच के साथ आगे बढ़ रहा हूं. कोई सोची-समझी आड़ी तिरछी रणनीति इसके पीछे नहीं है. मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण पल राजनीतिक तौर पर कहें तो 2020 का चुनाव था. क्योंकि उस वक्त मैं बिल्कुल अकेला था. मेरी पार्टी तक ने मुझे बाहर निकाल दिया था. मेरी सोच बिहार को लेकर बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट को मैंने उस चुनाव में घर-घर तक पहुंचाया. इसका परिणाम मुझे 2024 में देखने को मिला. चिराग ने कहा कि युवा बिहारी का कॉन्सेप्ट उन युवाओं को लेकर है, जो अलग-अलग कालखंड में बिहार से पलायन के लिए मजबूर हुए . ये वो समय था, जब लोगों को बिहार छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा. क्योंकि कोई आदमी खुशी से अपना गांव-घर छोड़कर नहीं गया. आज हमलोग दूसरे राज्यों में जितने बिहारियों को देखते हैं, हर क्षेत्र में बिहारी आपको मिलेंगे. मजदूर से लेकर सीईओ के पदों पर भी बिहार काबिज हैं. बिजनेस हाउसेज में बड़े पदों पर मिल जाएंगे. बिल्कुल साफ है की स्पष्ट सोच और पूरी रणनीति के तहत चिराग पासवान ने अपना ऐजेदा बिल्कुल क्लियर कर दिया है. नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी की तलाश तब तक जारी रहेगी ज़ब तक उसके लिए उपर्युक्त चेहरा नहीं मिल जाता. हालांकी रेस में तो दर्जनों चेहरे है और भीतर ही भीतर प्रयास भी कर रहे है गोटियाँ सेट करने और गेटिंग सेटिंग में भी लगे है. पर इनमे से किसी में भी खुल कर कहने की हिम्मत नहीं है की वो मुख्यमंत्री बनना चाहते है. एक तरफ तेजस्वी यादव स्वाभाविक नीतीश के विरुद्ध मैदान में है तो स्वभाविक रूप से मुख्यमंत्री के दावेदार बन जाते है. वहीँ प्रशांत किशोर ने तो मुख्यमंत्री की रेस से खुंद को अलग कर लिया है. बाकी जो है उनमे दावा थोकने की हिम्मत नहीं है. पर चिराग पासवान ने बड़े ही बोल्ड तरीके से साफ कर दिया है की 2025 नहीं पर 2030 में वो विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और मुख्यमंत्री की दावेदारी भी मौका मिले तो पेश कर सकते है. यानि की बिहार में नीतीश कुमार के बाद कौन ? इस विकल्प को चिराग पासवान ने पूरा कर दिया है।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे आया

नई दिल्ली । भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे गिरकर जून, 2022 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो एक यूरोपीय शोध संस्थान की मासिक रिपोर्ट से प्रकट हुआ है। इससे पहले, रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था, परंतु फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद, अब भी रूस से कच्चे तेल के आयात में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से इसलिए हुई है क्योंकि रूस में कच्चे तेल उपलब्धता में छूट मिली थी, और यूरोपीय देशों ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीद से बचाव किया। इसलिए रूसी कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अन्य विकल्पों से कम थी। एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। रूस के आयात से अधिकतम जीवाश्म ईंधनों में से, भारत नवंबर में रूसी जीवाश्म ईंधन के तीसरे सबसे बड़े खरीदार बन गया है। रूसी कच्चे तेल के साथ-साथ, भारत ने रूस से कम कोयला भी आयात किया है, जिसकी मात्रा हालात पर आधारित है। इस पूरे विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर और ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि भारत के ऊर्जा संगठन सुनिश्चित कर सकें कि देश की ऊर्जा खाप्रवृत्तिकी में विश्वस्त स्थिति बनाए रखने हेतु कोई और वैकल्पिक स्रोत हो।

फेड के ब्याज दर पर, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई। बीते सप्ताह आधा फीसदी चढ़े घरेलू शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी फेड ?रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा आगे के संकेतकों के लिए निवेशक वैश्विक रुझान पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा ?कि भारतीय शेयर बाजार का भविष्य का रुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगा। वैश्विक रुझान, विशेष रूप से अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन और फेडरल रिजर्व का नीतिगत निर्णय, इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार की धारणा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों का प्रवाह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी। घरेलू व्यापक आर्थिक आंकड़ों की बात करें तो सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर सभी की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार ?विश्लेषक ने कहा ?कि इस सप्ताह बाजार की निगाह अमेरिकी केंद्रीय बैंक की बैठक पर रहेगी। फेडरल रिजर्व प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगा, बाजार इस बात को पहले ही मानकर चल रहा है। भविष्य में नीतिगत दर को लेकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक की टिप्पणी भी महत्वपूर्ण होगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक के लाभ में रहा। एक विश्लेषक ने कहा कि कहा कि निवेशकों की निगाह घरेलू मोर्चे पर सोमवार को जारी होने वाले थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी।

आयात बढ़ने और मांग घटने से तेल-तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली। नवंबर के महीने में खाद्य तेलों का आयात 39 प्रतिशत बढ़ने के बीच देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए हैं। इस गिरावट के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पाम (सीपीओ), पामोलीन तेल और बिनौला तेल के दाम नुकसान के साथ बंद हुए हैं। बाजार के जानकार सूत्रों के मुताबिक नवंबर में आयात बढ़ने के बावजूद मांग कमजोर रहने से खाद्य तेल-तिलहनों के दाम पिछले सप्ताह के मुकाबले गिरावट के साथ बंद हो गए हैं। एक सूत्र ने बताया कि विदेशों में सीपीओ का दाम घटकर 1,305-1,310 डॉलर प्रति टन से 1,270-1,275 डॉलर प्रति टन रह गया है, जिसके कारण पाम, पामोलीन तेल की कीमत में गिरावट आई है। हालांकि, देश में ?पिछले शुक्रवार की रात में पाम, पामोलीन और सोयाबीन तेल की आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की गई है, जिसके चलते इन तेलों के दाम बढ़ सकते हैं। लेकिन जब मौजूदा दाम पर ही पाम-पामोलीन के लिवाल नहीं हैं, तो उन्हें बढ़े हुए दाम पर लिवाल मिलना मुश्किल हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला सीड की कम दाम पर बिकवाली करने से किसानों को कपास नरमा के लिए भी एमएसपी से नीचे दाम पर बेचने को मजबूर हो गए हैं। इसका सीधा असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा मलेशिया में दाम टूटने की वजह से कच्चे पाम तेल का दाम 13,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हो गया है। इस गिरावट के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 650 रुपये की गिरावट के साथ 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हो गया है। इस उलझन और दाम कमी की स्थिति में खाद्य तेल-तिलहन बाजार की साथ में मजबूती से व्यवहार करने पर ध?यान केंद्रित करने की जरूरत है ताकि किसानों और आम जनता को सही ताकतवर दाम मिल सकें।

गौतम अडानी ने 1 दिन में कमाए 2.43 अरब डॉलर

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में अचल संपत्ति की मांग व उपायुक्तता के कारण बड़ा उछाल देखने को मिला। गौतम अडानी की दौलत एक ही दिन में 2.43 अरब डॉलर बढ़कर 81.8 अरब डॉलर तक पहुंची, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई और उनकी नेटवर्थ 95.9 अरब डॉलर रह गई। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की नेटवर्थ में भी शुक्रवार को 4.77 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे उनकी दौलत 442 अरब डॉलर पर आ गई। मस्क की नेटवर्थ में यह गिरावट बात दिल दहला देने वाली है, हालांकि इस साल अब तक उनकी संपत्ति 213 अरब डॉलर बढ़ी है। यह तेजी और गिरावट नेटवर्थ की मुद्रा में अवधि के दौरान हुई तरंगों के प्रभाव का परिणाम है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी परिजन की याद सता सकती है। बिजनेस में आप किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखा सकते हैं, जिसमें आपसे गड़बड़ी होने की संभावना है। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपकी चुगली लगा सकते हैं। आप अपने वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखें, जिससे आपके आपसी रिश्ते भी अच्छे रहेंगे।

वृषभ - आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर अपनी माताजी से बहसबाजी होने की संभावना है। आप अपने घर के कामों को लेकर जीवनसाथी को कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप भाई बहन से यदि धन संबंधित मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी। आपको किसी काम में बेवजह बोलने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपका कोई लड़ाई झगड़ा होने की संभावना है।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसान देगा। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी। आपको किसी मित्र की याद सता सकती है। यदि आप जीवनसाथी के लिए किसी बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे थे, तो उसके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आप अपने घर में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। परिवार में कोई सदस्य आपसे नाराज हो सकता है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपके घर आज किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जहां आपकी साख चारों ओर फैलेगी। आपके कुछ नए मित्र भी बनेंगे। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आप पूरा करने की कोशिश करेंगे। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आप बेवजह किसी मामले में ना बोलें।

सिंह - आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से आपको खुशी होगी। आप किसी नए मकान दुकान प्लाट आदि की खरीदारी भी कर सकते हैं। आपके मित्र के रूप में आपके कुछ नए शत्रु हो सकते हैं, जिन्हें आपको पहचाना होगा। आपके बिजनेस की योजनाओं को गति मिलेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। माता-पिता की सेहत पर आप पूरा ध्यान दें, क्योंकि उसमें गड़बड़ी होने से आप परेशान रहेंगे।

कन्या - आज का दिन आपके लिए अपने बढ़ते खर्च पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चले, तभी आप अपने खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आपने यदि खर्चों को कंट्रोल नहीं किया, तो आप अपने संसाधन को भी काफी हद तक समाप्त कर सकते हैं। आप जीवनसाथी को कहीं शॉपिंग पर लेकर जाएंगे, जिसमें आप अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। आपकी मान व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला - आज का दिन आपके लिए कानूनी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपकी आय में वृद्धि होने से खुशी होगी और आपको किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपने यदि किसी काम को लेकर ढील, तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। परिवार में संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरी अवश्य करेंगे।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। कार्य क्षेत्र में आपसे कामों में कोई गड़बड़ी हो सकती है। आपका कोई सहयोगी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को इन्वेस्टमेंट करना अच्छा रहेगा। आपको यदि करियर को लेकर कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी।

धनु - आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। धार्मिक आयोजनों में आप सम्मिलित हो सकते हैं, जिससे आपका मन खुश रहेगा। आप किसी के प्रति अपने मन में ईर्ष्या द्वेष की भावना ना रखें।

मकर - आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके कुछ नए मित्र बन सकते हैं, लेकिन कामों में आपके शत्रु भी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपको अपने किसी सहयोगी की बात बुरी लग सकती है। आप अपने आसपास रह रहे लोगों से दूरी बनाकर रखे, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है। आपको किसी दूर रहने पर परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। बिजनेस में भी किसी डील को लेकर आप यदि परेशान चल रहे थे, तो वह भी फाइनल हो सकती है। आपको अपने पिताजी से किसी मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों किसी स्कॉलरशिप से संबंधित एग्जाम को दे सकते हैं, जिसके लिए उन्हें मेहनत थोड़ी अधिक करनी होगी।

मीन - आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। आपने यदि किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाई, तो उसमें गड़बड़ी होने की संभावना है। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा।

शब्दजाल - 7751

शब्दजाल में 'आ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

आराम,आगमन,आईना,आसमान,आघात,आरोग्य,आवागमन,आमादा,आततायी,आतंक

शब्दजाल - 7750 का हल

नो	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	र्जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6695

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6694

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.37 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	08.42 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	10.28 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.01 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	13.32 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.12 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	17.10 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	19.23 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	21.39 बजे से
राहुकाल		कन्या	23.51 बजे से
7.30 से 9.00		तुला	02.02 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	04.17 ब.से

सोमवार 2024 वर्ष का 351 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 12.28 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 01.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 23.22 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 12.28 बजे तदनन्तर तैतिल 23.38 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872195 **जूलियन दिन** 2460660.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 13

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22	बजे तक	चर	05.43 से	07.14	बजे तक
काल	07.22 से	08.50	बजे तक	रोग	07.14 से	08.45	बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19	बजे तक	काल	08.45 से	10.17	बजे तक
रोग	10.19 से	11.48	बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48	बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17	बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19	बजे तक
चर	01.17 से	02.45	बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51	बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14	बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43	बजे तक	चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: गुरु का संदेश

छत्रपति शिवाजी ने अपने पराक्रम से अनेक लड़ाइयां जीतीं। इससे उनके मन में थोड़ा अभिमान आ गया। उन्हें लगता था कि उनके जैसा वीर धरती पर और कोई नहीं है। कई बार उनका यह अभिमान औरों के सामने भी झलक पड़ता। एक दिन शिवाजी के महल में उनके गुरु समर्थ रामदास पधारे। शिवाजी वैसे तो रामदास का काफी आदर करते थे लेकिन उनके सामने भी उनका अभिमान व्यक्त हो ही गया, 'गुरुजी अब मैं लाखों लोगों का रक्षक और पालक हूं। मुझे उनके सुख-दुख और भोजन-वस्त्र आदि की काफी चिंता करनी पड़ती है।' रामदास समझ गए कि उनके शिष्य के मन में राजा होने का अभिमान हो गया है। इस अभिमान को तोड़ने के लिए उन्होंने एक तरकीब सोची। शाम को शिवाजी के साथ भ्रमण करते हुए रामदास ने अचानक उन्हें एक बड़ा पत्थर दिखाते हुए कहा, 'शिवा, जरा इस पत्थर को तोड़कर तो देखो।' शिवाजी ने गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए तत्काल वह पत्थर तोड़ डाला। किंतु यह क्या, पत्थर के बीच से एक जीवित मेंढक एक पतंगे को मुंह में दबाए बैठा था। इसे देखकर शिवाजी चकित रह गए। समर्थ रामदास ने पूछा, 'पत्थर के बीच बैठे इस मेंढक को कौन हवा-पानी दे रहा है? इसका पालक कौन है? कहीं इसके पालन की जिम्मेदारी भी तुम्हारे कंधों पर तो नहीं आ पड़ी है?' शिवाजी गुरु की बात का मर्म समझकर लज्जित हो गए। गुरु ने उन्हें समझाया, 'पालक तो सबका एक ही है और वह परम पिता परमेश्वर। हम-तुम तो माध्यम भर हैं। इसलिए उस पर विश्वास रखकर कार्य करो। तुम्हें सफलता अवश्य मिलेगी।'

सूडोकु नवताल- 7004

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7003 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 8219

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग,दाढ़ी बनाना-4
7. बेल,लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर,परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा,लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम,यवनी-3
24. मोल,कीमत-2
25. स्वभाव,आदत-4
26. करतब,करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर,कृपाण-4
2. मां,मम्मी-3
3. नीयत,चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय,वोट-2
6. आंदोलन,संग्राम-4
11. क्षारीय,चटपटा-4
13. आशियां,नीड़-4
14. नेत्र,आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत,रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा,श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8218 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 1.13 लाख करोड़ बढ़ा

प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में की सबसे मूल्यवान 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में दिखी बढ़ोतरी ने बाजार को उत्साहित किया। इस वृद्धि के पीछे भारती एयरटेल का महत्वपूर्ण योगदान था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के मूल्यांकन में भी वृद्धि देखने को मिली। इसके बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्य गिरे। इस परिवर्तन के साथ, शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रखें गए क्रमश- रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई ब ैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,836.6 करोड़ रुपये बढ़कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये रही। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,760.8 करोड़ रुपये बढ़कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 9,805.02 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 16,18,587.63 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के ?विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 52,031.98 करोड़ रुपये घटकर 17,23,144.70 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी की बाजार हैसियत 32,067.73 करोड़ रुपये घटकर 5,89,869.29 करोड़ रुपये पर आ गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का मूल्यांकन 22,250.63 करोड़ रुपये घटकर 5,61,423.08 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 2,052.66 करोड़ रुपये घटकर 7,69,034.51 करोड़ रुपये पर आ गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 1,376.19 करोड़ रुपये घटकर 5,88,195.82 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई ब ैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सेबी का एल्गो ट्रेडिंग प्रस्ताव- रिटेल निवेशकों के लिए बढ़िया विकल्प

नई दिल्ली। सुरक्षित, सही और पारदर्शी निवेश की दिशा में भारतीय बाजार नियामक सेबी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव के अनुसार रिटेल निवेशकों के लिए भी एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा उपलब्ध होगी। यह विशेष सुविधा अब न केवल संस्थागत निवेशकों के लिए होगी, बल्कि रिटेल निवेशकों को भी इसका लाभ मिलेगा। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करके रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे और इसके माध्यम से लेन-देन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। इस प्रस्ताव से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ेगी और निवेशकों को नए और बेहतर विकल्पों के साथ निवेश किए जाने का मौका मिलेगा। सेबी की धारा से रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा में सुरक्षा और उचित नियमों का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए ब्रोकरों को स्टॉक एक्सचेंज से पहले अनुमति लेनी होगी और हर लेन-देन को यूनिक आईडेंटिफायर से टैग करके निगरानी में रखा जाएगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से रिटेल निवेशकों के निवेश अनुभव को मजबूत किया जा रहा है और उनके लिए पारदर्शी और सुरक्षित निवेश के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह प्रस्ताव रिटेल निवेशकों को बाजार में अधिक भागीदारी लेने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस सुरक्षित, उपयोगकर्ता-मित्र एल्गो ट्रेडिंग सुविधा के आने से अब रिटेल निवेशक भी बाजार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे और उनके निवेश के लिए नए दिशानिर्देश मिलेंगे।

पीआईए एरलाइंस के 34 में से 17 प्लेन बंद

नई दिल्ली। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने अपने 34 विमानों में से 17 विमानों की उड़ानें बंद कर दी हैं जिसका कारण आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी है। एयरलाइन के सूत्रों के मुताबिक इन विमानों में इंजन, लैंडिंग गियर, एपीयू और अन्य महत्वपूर्ण भागों की कमी है। सूत्रों ने बताया कि धन की कमी और उचित मंजूरी की अभाव ने इस स्थिति का मुख्य कारण बनाया है। यह स्थिति एयरलाइन की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है, जिसने पिछले चार वर्षों में प्रतिबंध के बाद यूरोप के लिए उड़ानें पुन: शुरू करने की योजना बनाई है। इस कारण उड़ानें विलंबित हो सकती हैं, जिससे संभावित यूरोप की सेवाओं की नियोजित बहाली में भी देरी हो सकती है। सरकार द्वारा किए गए एयरलाइंस के निजीकरण के असफल प्रयास ने भी इस स्थिति को और अधिक गहरा बनाया है। नजरअंदाज की गई 60 प्रतिशत की शेयर बेचने की कोशिशों के बाद, सिर्फ 10 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली ही मिली थी, जो मूल्य से काफी कम थी। नए सिरे से बोली लगाने का फैसला किया गया है, जिससे आगे की कदम बढ़ने की उम्मीद है।

आईपीएल की तर्ज पर 3 जनवरी से विधानसभा क्रिकेट लीग

खिलाड़ियों का हुआ ऑक्शन, 10 फ्रेन्चाईसी टीमे बनी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी के रानी अवंती बाई स्टेडियम में संभावित 3 जनवरी को विधानसभा क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है जिसका प्रथम पुरस्कार 1 लाख रूपये एवं द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपये होगा। साथ ही कई आकर्षक पुरस्कार इस विधानसभा क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में प्रदान किये जायेंगे। इस क्रिकेट प्रतियोगिता की एक खासबात यह है कि आईपीएल की तर्ज पर ही विधानसभा क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है जहां लगभग 175 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है और इन्ही 175 खिलाड़ियो में 10 फेन्चाईसी ओनर अपनी अपनी टीम बनायेंगे जिस हेतु 15 दिसंबर को ऑक्शन हुआ जिसमें 90 खिलाड़ियों को खरीदा गया।

10 फेन्चाईसी ओनर ने आक्शन में खरीदे 90 प्लेयर

विधानसभा क्रिकेट लीग जो कि पूरी तरह से आईपीएल की तर्ज होने जा रहा है जिसके तहत 10 फेन्चाईसी टीमे बनी है जिनमें बालाजी आईटीआई सुपर किंग्स, बल्हारे टाईगर, साई आराध्या चैलेन्जर्स, सेन्च्यूरी हीटर्स लांजी, महाकाल राईडर्स, पांचे फाईटर्स देवरबेली, ऑल स्टार लांजी, फैन्टम बॉयस लांजी, भाडरा वारियर्स, रूद्रा इलेवन इन सभी 10 टीमों के साथ जिन 175 खिलाड़ियो ने पंजीयन कराया है इन्ही मे से आक्शन में खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीमें बनानी होगी, आयोजन कर्ताओ के द्वारा प्रत्येक टीम को 18-18 हजार प्वाईटस प्रदान किये गये है इन्ही 18 हजार प्वाईटस में अपने 09 खिलाड़ियो को आक्शन में लिया गया।

आक्शन में तीन खिलाड़ी सर्वाधिक प्वाईटस में खरीदे गये

10 टीमो को लेकर आयोजन कर्ताओ ने आक्शन कराया गया। सभी 10 टीमों को प्रतियोगिता के निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 18-18 हजार प्वाईटस प्रदान किये गये थे। इन बेस प्वाईटस में 1000, 700 एवं 500 बेस प्वाईटस थे जिसके आधार पर खिलाड़ियो की बोली लगाई गई। आयोजन कर्ता टीम वीसीएल के द्वारा प्रोजेक्टर की सहायता से भी खिलाडियो की फोटो और उनकी विशेषता भी बताई गई कौन ऑलराउण्डर, बेट्स मेन है, बॉलर है, बेहतरीन फिल्डर है इन सभी विशेषताओं के साथ टीम ओनर ने बोलियॉ लगाई और प्रत्येक टीम ने 09-09 खिलाड़ी खरीदे। जिनमे सर्वाधिक प्वाईटस टीमो के द्वारा 3 खिलाड़ियो पर खर्च किया गया। जिनमें सबसे अधिक प्वाईटस में ऑलराउण्डर नीरज दहीकर मनेरी 10 हजार 600 प्वाईटस में खरीदकर बल्हारे टाईगर्स ने अपने नाम किया। दुसरा खिलाड़ी विकास देवाहे टेमनी जिसे रूद्रा ईलेवन ने 9 हजार 200 प्वाईटस खर्च कर अपने नाम किया। इसके पश्चात तीसरा ऑल राउण्डर अजय बुढ़ेकर रजेगांव जिसे सेंचुरी हिटर्स ने 8 हजार 200 प्वाईटस खर्च कर अपने खेमे में लिया गया। इसके अलावा लगभग 10 से 15 खिलाडी ऐसे भी है जो कि 5 हजार से अधिक प्वाईटस खर्च कर उक्त टीमो ने इन खिलाड़ियो को अपने नाम किया है।

विधानसभा क्रिकेट लीग का दुसरा सत्र 3 जनवरी से प्रारंभ

विधानसभा क्रिकेट लीग का यह दुसरा सत्र है जहां आईपीएल तर्ज पर पहले से भी अधिक आकर्षक यह प्रतियोगिता होने वाली है। आयोजक टीम के द्वारा बताया गया कि 3 जनवरी से प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथियो की उपस्थिती में किया जायेगा। जिसका समापन संभावित 10 जनवरी को होगा। इस बार बेहतर प्रदर्शन करने वाले 25 चुनिंदा खिलाड़ियो को पृथक से पुरस्कार वितरण किया जायेगा। विधानसभा क्रिकेट लीग के आयोजक मण्डल में संयोजक गौरव बैस, सहसंयोजक दीनू उइके, तहसीन खान, विजय दुरूगकर, राकेश रामटेक्कर, देवा भण्डारकर, जय श्रीवास्तव, विकास मोन्टू सातपुते, मनीष अतकरे आदि सहयोगी गणो के द्वारा उक्तआक्शन प्रक्रिया पूर्ण करवाई गई।

शीत लहर का असर-पड़ रही कंपकंपाती ठंड

लांजी (पद्मेश न्यूज)। उत्तर भारत के राज्यों में हो रही बर्फबारी एवं उधर से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं के प्रभाव के कारण क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को क्षेत्र में शीतलहर का असर देखने को मिला। पिछले चार दिनों से चल रही शीत लहर के कारण क्षेत्र में ठंड ने लोगों को कंपकंपा दिया है। तापमान में लगातार गिरावट के चलते जिला कलेक्टर के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने सुबह की पाली में लगने वाले सभी स्कूलों के समय में बदलाव करते हुए सुबह की पाली में संचालित होने वाले स्कूल अब प्रातः 9 बजे से शुरू होंगे। इससे पहले कोई भी विद्यालय संचालित नहीं किया जाएगा। जिसका आज सोमवार से क्रियान्वयन होता नजर आयेगा। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण क्षेत्र में ठंड का असर गहराता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। रविवार को सुबह से ही ठंड का असर महसूस किया गया, और जैसे-जैसे दिन ढलता गया, ठंड बढ़ती गई। शीत लहर के चलते लांजी क्षेत्र के वनांचल ग्रामों में पारा काफी नीचे नजर आया। हालाकि प्रदेश की राजधानी व अनेक जिलों में पड़ रही ठंड के अपेक्षा बालाघाट जिला कुछ गर्म है। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में क्षेत्र में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाना बताया गया।

अलाव बना सहारा

लांजी वनांचल क्षेत्र में होने के चलते ठंड के प्रारंभ होते ही लोगों द्वारा अलाव जलाकर आग सेकते नजर आते हैं, तो वहीं घरों में सिगड़ी जलाकर उसके आसपास लोग बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने नगर परिषद से भी मांग की है कि ठंड के मद्देनजर नगर के प्रमुख चौराहों से अलाव जलाए जाने की मांग की है।

अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी सालेटेकरी मार्ग पर कोटेश्वर धाम मोड़ पर एक सड़क दुर्घटना में पीतकोना निवासी पतिराम पिता सुखलाल टेकाम जाति गोंड उम्र 27 वर्ष की अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर से घायल हो गया जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान पतिराम की मृत्यू हो गई। घटना के संबध मे अधिक जानकारी तो प्राप्त नही हो पाई है लेकिन यह ज्ञात हुआ है कि पतिराम टेकाम 14 दिसंबर को शाम करीब 6=30 बजे अपनी मोटर सायकल से लांजी से पीतकोना जा रहा था जैसे ही सालेटेकरी मार्ग पर कोटेश्वर धाम मोडाई पर पंहुचा तो सामने से एक अज्ञात चौपहिया वाहन ने लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलाते हुये मोटर सायकल सवार पतिराम टेकाम को जोरदार टक्कर मार कर फरार हो गया, घटना स्थल पर मौजूद लोगो के द्वारा घायल पतिराम को तत्काल की सिविल अस्पताल लांजी पंहुचाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यू हो गई। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा पुलिस थाना लांजी को उक्त संबंध मे मर्ग तहरीर भेजी गई जहां लांजी पुलिस के द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया है। वहीं पुलिस ने मर्ग क्रमांक 74/24 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस इस संबंध में अज्ञात चौपहिया वाहन चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम विवेचना करेगी।

रसोईयों की हुई कुकिंग प्रतियोगिता, अधिकारियों ने लिया लजीज व्यंजनों का स्वाद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कार्यालय जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी में 14 दिसंबर को कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनान्तर्गत विकासखण्ड स्तरीय रसोईया का व्यवहारिक प्रशिक्षण सह कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे अतिथि के रूप में जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, जनपद सभापति दिनेश लाडे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर तथा जिला पंचायत बालाघाट से एमडीएम प्रभारी श्रीमती सांत्वना अग्रवाल क्वालिटि मानिटर श्रीमती सरिता राहंगडाले एवं श्रीमती रीना चांदे तथा निर्णायक के रूप में श्रीमती माया पारधी उच्च माध्यमिक शिक्षक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी एवं श्रीमती अरूणा वासनिक बीसी एसबीएम जनपद पंचायत लांजी की उपस्थिती में सर्वप्रथम माता सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विकासखण्ड स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता में विकासखण्ड की विभिन्न शालाओं से 27 रसोईया एवं 6 माताओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट व्यंजन बनाने वालो को पुरस्कृत भी किया गया। जिसमें श्रीमती शकुन बाई नगपुरे प्राथमिक शाला परसोडी प्रथम, श्रीमती द्वारका बाई हनोते सोगलपुर श्रीमती अंजनी बनोठे हाई स्कूल कुलपा द्वितीय तथा श्रीमती रंजना उरकुडे प्राथमिक शाला बिसोनी श्रीमती कविता मेघनाथ लांजी ने तृतीय प्राप्त किया। सभी को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी, एमडीएम प्रभारी लक्ष्मींकांत मडामें, बीएसी युवराज टेभरे, अरूण भीमटे जनशिक्षक विनोद नेवारे, सुरेश सुलाखे, दादुराम रणदिवे, राजेन्द्र धारणे, राधेश्याम सोनवाने, विजय दशरिया, मानिकराम ढेकवारे, नोहेश भटेरे, संतोष कावडे, अनीष वैध, तोमेश्वर घासले का योगदान रहा।

तिरोड़ी में एमआरपी से अधिक रेट में बेची जा रही शराब

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। किसी भी वस्तु को नियम के अनुसार एमआरपी से अधिक नहीं बेचा जा सकता है, लेकिन यह नियम शराब की बोतलों पर लागू होता नजर नहीं आ रहा है. मायॅल नगरी तिरोड़ी की देसी-विदेशी शराब दुकान में शराब को सरकारी रेट पर न बेच कर अधिक मूल्य पर बेचा जा रहा है. यह कार्य शराब दुकान मालिक आबकारी विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत कर कर रहे हैं. जिसकी वजह से आए दिन सेल्समैन और ग्राहक के बीच दुकानों पर झगड़ा हो रहे हैं. ग्राहकों ने बताया कि पाव, अध्धा और बोतल में 10,20 और 50 रुपए अतिरिक्त लिए जाते है जबकि किसी भी कंपनी की बियर की कीमत भी तय एमआरपी से अधिक ली जाती है. शराब को प्रिंट रेट से दस से बीस रुपए अधिक दर पर बेची जा रही है, साथ ही शराब की दुकानों पर रेट लिस्ट भी नहीं लगी है. वहीं शराब की मिल रही शिकायत के बावजूद पुलिस-प्रशासन व आबकारी विभाग कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है.। स्थानीय लोगों ने बताया कि अंग्रेजी शराब दुकान से एक बीयर की बोतल ली तो सेल्समैन द्वारा प्रिंट रेट से अधिक 20 रुपए अतिरिक्त लिए विरोध करने पर वह झगड़ा करने लगा. तिरोड़ी में संचालित दुकान पर जमकर ओवर रेट में शराब बेची जा रही है. यह सब आबकारी विभाग के अधिकारियों की जानकारी में हो रहा है. इस कारण से वे शराब दुकानदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. शराब व्यापार से जुडे सूत्रों की माने तो लाइसेंसी ठेकेदारों द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर शराब बेची जा रही है और इस तरह प्रत्येक शराब की दुकान पर प्रतिदिन 50 हजार से अधिक की अतिरिक्त कमाई हो रही है. इस अतिरिक्त कमाई का हिस्सा विभागीय अधिकारियों तक भी पहुंच रहा है. शायद यही वजह है कि अधिकारियों ने इस गंभीर मामले में भी चुप्पी साध रखी है.। बता दें कि किसी भी कंपनी की शराब की बोतल पर सभी टैक्स को जोड़कर एक रेट पहले से ही अंकित रहता है. जिसका साफ मतलब है कि शराब ठेकेदार एमएसपी और एमआरपी के बीच में शराब का विक्रय करेगा. लेकिन शराब ठेकेदार अपने रसूख के चलते खुलेआम एमआरपी से कई गुना अधिक रुपए शराब की बोतलों पर वसूल रहा है. इसको लेकर प्रशासन ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से परहेज करता नजर आ रहा है. जबकि किसी भी वस्तु को एमआरपी से अधिक बेचना कानूनन अपराध है. वहीं शहर की शराब की दुकानों के बाहर ही मदिरा प्रेमी बैठकर शराब का सेवन करते हुए नजर आ रहे हैं. कुल मिलाकर अघोषित अहाता शराब ठेकेदार द्वारा संचालित किया जा रहा है।

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पूर्व मंत्री स्व. लिखीराम कावरे की पुण्यतिथि पर आज समाधि स्थल पर होंगे विविध अनुष्ठान

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व परिवहन मंत्री एवं पूर्व विधायक पुष्पलता कावरे के पति एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हीना कावरे के पिता स्व. लिखीराम कावरे की 25 वीं पुण्यतिथि आज 16 दिसम्बर को मनाई जायेगी। इस अवसर पर समाधि स्थल किरनापुर में सुबह 10 बजे से धार्मिक अनुष्ठान एवं श्रद्धाजंली कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कावरे परिवार ने इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगो की उपस्थिति का आव्हान किया है। उल्लेखित है कि स्व. लिखिराम कावरे की मृत्यु के पश्चात उनके विकल्प के रूप में कांग्रेस के भीतर उनके जैसा कोई प्रभावशील नेतृत्व देखने नहीं मिला और जिला एवं प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग प्रभावशील पहचान रखता हो। उन्होंने अपने जीवनकाल में किरनापुर एवं जिले के विकास के लिये जो योगदान दिया है वह आज भी अमिट है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से...

कांग्रेस का विधानसभा घेराव का मेगा प्लान...भोपाल में 50 हजार कार्यकर्ताओं के जुटने का दावा

खाद की कमी, अडाणी पावर, भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

भोपाल। मप्र की सोलहवीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह के अनुसार, 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच बैठकें आयोजित की जाएंगी। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है। खाद की कमी, अडानी पावर द्वारा आदिवासी भूमि अधिग्रहण और निवेश सम्मेलनों पर सवाल उठाए जाएंगे। साथ ही बिजली बोर्ड में भ्रष्टाचार और भाजपा के अधूरे चुनावी वादों पर भी कांग्रेस सरकार को निशाने पर लेगी।

सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस विधानसभा घेराव करने जा रही है। इसमें कांग्रेस के सभी विधायकों के साथ दिग्गज नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। दावा है कि विधानसभा घेराव में प्रदेश भर से करीब 50 हजार कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में लगे हैं। सभी विधायकों और पूर्व विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। हजारों की संख्या में कई जिलों से गाडियां आ रही हैं। यह पार्टी का बड़ा आंदोलन है। इसमें सभी नेताओं की ताकत लगी है। जनता की आवाज को हजारों कार्यकर्ता

भोपाल तक लेकर आ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष सिंघार के भोपाल आवास पर हुई बैठक में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, अरुण यादव, कमलेश्वर पटेल, सचिन यादव, प्रवीण पाठक और आरिफ मसूद सहित कई नेता मौजूद रहे। मप्र की सोलहवीं विधानसभा का यह चतुर्थ सत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आर्थिक, सामाजिक और कानून से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष से सत्र की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस सत्र में सरकार को बिगड़ती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, खाद- बीज का संकट, रोजगार को लेकर घेरने की तैयारी की है। वहीं, सरकार ने भी कांग्रेस के आरोपों को लेकर जवाब देने की पूरी तैयारी कर रखी है।

17 दिसंबर को पेश होगा सप्लीमेंट्री बजट

मोहन कैबिनेट ने हाल ही में हुई बैठक में सप्लीमेंट्री बजट को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद वित्तमंत्री और राज्य के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा अनुपूरक बजट पेश करेंगे। इस बार का सप्लीमेंट्री बजट 20 हजार करोड रुपए से ज्यादा होगा। 3 महीने के लिए योजनाओं को गति देने के लिए सरकार शीतकालीन सत्र में बजट पेश करेगी, जबकि साल 2025-26 में पूर्ण बजट पेश करने के लिए वित्त विभाग ने 15 जनवरी तक सभी विभागों से सुझाव मांगे हैं। शीतकालीन सत्र में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा सदन में कई मुद्दों पर कांग्रेस और भाजपा में तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

तीन नव निर्वाचित विधायक लेंगे पहले दिन शपथ

विधानसभा सत्र के पहले दिन तीन नव निर्वाचित विधायक शपथ लेंगे। इसमें अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह, बुधनी से विधायक रमाकांत भार्गव और विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा को शपथ दिलाई जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सत्र में सारगर्भित चर्चा करने और पूरे जनहित के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पूरे समय सत्र चलने देने की अपील की है।

ये मुद्दे रहेंगे हावी

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार को घेरने की तैयारी में है। वह खाद की कमी और अडानी पावर द्वारा आदिवासी भूमि को कम दरों पर अधिग्रहित करने को लेकर भाजपा की मोहन सरकार पर निशाना साधेगी। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने किसानों के मुद्दों और खाद संकट पर मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए रविवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक की। कांग्रेस ने क्षेत्रीय निवेशकों के सम्मेलन और फरवरी में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए नोटिस भी प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संभाग स्तरीय सम्मेलनों की शुरुआत की जो उज्जैन, ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर और नर्मदापुरम में आयोजित किए गए हैं। कांग्रेस के विधायक भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में अधूरे वादों पर भी सरकार को घेरने की मंशा रखते हैं। इनमें लाडली बहना योजना के तहत 3000 रुपये का भुगतान और गेहूं के लिए 2700 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान के लिए 3100 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना शामिल है।

सीएम के विदेश दौरे पर हो सकते हैं सवाल

विपक्ष द्वारा निवेश आकर्षित करने के लिए सीएम की हाल की यूके और जर्मनी यात्राओं पर सरकार से सवाल पूछे जाने की उम्मीद है। कांग्रेस इस दावे की जांच करने की योजना बना रही है कि इन सम्मेलनों के दौरान 4 लाख करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया गया था। विपक्ष के नेता सिंघार ने राज्य बिजली बोर्ड की आउटसोर्स एजेंसियों के साथ भागीदारी की आलोचना की और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

उप राष्ट्रपति ने ग्वालियरवासियों को दी अनूठी सौगात

देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम का किया उदघाटन

भोपाल। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ग्वालियर में देश के पहले जियो साइंस म्यूजियम (भू-विज्ञान संग्रहालय) का रविवार को उदघाटन किया। ग्वालियर के ऐतिहासिक महाराज बाड़ा पर हैरीटेज बिल्डिंग विक्टोरिया मार्केट में स्थापित अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम के उदघाटन अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह भी मौजूद थे। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति की धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित रही।

उप राष्ट्रपति ने पट्टिका का अनावरण कर एवं म्यूजियम के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर देश के पहले अत्याधुनिक जियो साइंस म्यूजियम का उदघाटन किया। साथ ही ग्वालियरवासियों को इस अनूठी सौगात की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने सभी अतिथियों के साथ म्यूजियम की विभिन्न गैलरियों में दर्शाए गए भू-विज्ञान से संबंधित चित्रों, कलाकृतियों एवं जानकारियों को देखा एवं म्यूजियम की सराहना की।

पृथ्वी की उत्पत्ति और विकास की जानकारी

जियो साइंस म्यूजियम में दो गैलरियों के माध्यम से भू-विज्ञान के बारे में लाइट इफेक्ट के साथ आकर्षक ढंग से जानकारी संजोई गई है। एक गैलरी में पृथ्वी के विकास को दर्शाया गया है, जिसमें उल्लेख है कि पृथ्वी अपने मूल स्वरूप में किस प्रकार आई और कौन-कौन सी चीजों से मिलकर पृथ्वी बनी है। वर्तमान में जो पृथ्वी है, असल में वह कैसी दिखती है। पृथ्वी के भीतर लावा किस तरह से तैयार होता है और ज्वालामुखी फूटने से किस तरह पर्वतों का निर्माण होता है। यह सब जानकारियां बखूबी ढंग से संग्रहालय में दर्शायी गई हैं। यहाँ आने वाले पर्यटन भूकम्प का अनुभव भी कर सकेंगे। इसके अलावा वायु मण्डल और महासागर के बारे में भी वर्णन है। लाइट इफेक्ट और अत्याधुनिक मशीनी तकनीक से बड़े बखूबी ढंग से यह सब प्रदर्शित किया गया है। जियो साइंस म्यूजियम की दूसरी गैलरी में मानव जाति और मानव सभ्यता के विकास को बड़े बखूबी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि धरती पर डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्ति हुई। साथ ही मानव की उत्पत्ति कैसे हुई और कैसे उसका जीवनक्रम आगे बढ़ा। मानव सभ्यता की जीवन शैली में आए बदलाव का यह वर्णन भी दर्शनीय है।

जेल प्रहरी परीक्षा में 100 अंक के प्रश्न पत्र पर 101.66 अंक मिले

भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा वनरक्षक और जेल प्रहरी संयुक्त परीक्षा 2022-23 के परिणाम घोषित किए गये हैं। जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा में सतना के राजा भैया प्रजापति को 100 अंक के प्रश्नपत्र पर, 101.66 अंक मिले हैं। इसको लेकर यह भर्ती परीक्षा विवादों में आ गई है। कर्मचारी चयन मंडल के अधिकारियों का कहना है। यह रिजल्ट नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया के तहत घोषित किए गए हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से किसी को शून्य से भी कम और किसी को शून्य से ज्यादा अंक मिल सकते हैं। 6 लाख परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए थे।

नॉर्मलाइजेशन की परीक्षा 2 शिफ्ट में पूरी हुई थी। पहले शिफ्ट का पेपर दूसरे पेपर से कठिन था। पूरी परीक्षा को एक समान प्रक्रिया में लाने के लिए नॉर्मलाइजेशन पृकिर्या का उपयोग किया जाता है। जिसके कारण परिणाम को लेकर हमेशा विसंगति देखने को मिल सकती है। एक ही समान अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के प्रदर्शन कभी एक समान नहीं हो सकते हैं।

कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 6 लाख परीक्षार्थियों की जो परीक्षा ली गई थी। वह परिणाम घोषित होते ही, विवादों में आ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि 100 अंक के प्रश्न पत्र पर 101.66 अंक पा लेना, सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है।

जनवरी में पता चलेगा वास्तविक डॉक्टरों की संख्या

सभी डॉक्टरों को 6 जनवरी तक अपडेट करने होंगे अपने पते

भोपाल। मेडिकल काउंसिल के रिकार्ड में भले ही 55 हजार डाक्टर हैं, लेकिन ऑनलाइन सत्यापन में सिर्फ 22 हजार ही मिले हैं। ऐसे में साफ नहीं हो पाया है कि प्रदेश में कुल कितने डॉक्टर हैं। डॉक्टरों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के लिए सभी को 6 जनवरी तक अपने पते को अपडेट करने को कहा गया है। डॉक्टरों के पते का आधार के ई- केवायसी के द्वारा वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके लिए आधार नंबर डालने पर उनके मोबाइल पर ओटीपी आएगा, इसे वेरिफाई करने के बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। यदि किसी के पास आधार नहीं है तो वे अपने पासपोर्ट नंबर, वोटर आइडी और पैन नंबर से अपना प्रोफाइल बनाकर वेरिफाई कर सकते हैं। उन्हें इसमें अपना वर्तमान का फोटो और हस्ताक्षर भी अपलोड करना होंगे।

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में शुरू हुई सत्यापन की प्रक्रिया में डाक्टरों को एमपी आनलाइन के माध्यम से अपना पंजीयन नंबर, मोबाइल नंबर और शैक्षणिक योग्यता की जानकारी दर्ज करनी थी। शुरू में तो इसका भी डाक्टरों ने विरोध किया, लेकिन जब काउंसिल की ओर से सख्ती की गई तो लगभग 22 हजार डाक्टरों ने जानकारी डाली।

अब सत्यापन से चलेगा पता

प्रदेश में पंजीकृत डॉक्टरों में से कितने यहीं पर प्रेक्टिस कर रहे हैं, यह पता लगाने की कवायद शुरू हुई है। मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल स्टेट मेडिकल रजिस्टर में दर्ज सभी डॉक्टरों के पते का वेरिफिकेशन कर उसे अपडेट करेगी। क्योंकि अभी तक डॉक्टरों की सही संख्या ही पता नहीं होने से काउंसिल के चुनाव भी टाल दिए गए थे। अभी तक काउंसिल स्वास्थ्य आयुक्त की अध्यक्षता में ही काम कर रही है। अभी तक इसके पांच सदस्यों का चुनाव ही नहीं हो पाया है। काउंसिल रजिस्ट्रार डॉ. दीप्ति चौरसिया ने स्टेट मेडिकल रजिस्टर में पंजीकृत सभी डॉक्टरों के पते अपडेट करने के लिए सूचना जारी की है। सभी डॉक्टरों को 6 जनवरी तक अपने पते अपडेट करने के लिए कहा गया है।

मप्र में भी इंडिया गठबंधन में टूट के आसार

भोपाल । महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन से अलग होने के बाद, अब मध्य प्रदेश में भी गठबंधन में टूट के आसार दिखाई दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश की भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने पर 17 दिसंबर को विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को घेराव करने वाली है। खास बात यह है कि गठबंधन में होने के बावजूद कांग्रेस और सपा एक साथ भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर रही है। इससे दोनों पार्टियों के बीच फूट के आसार दिखाई दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से ऐलान किया गया है कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव के नेतृत्व में 17 दिसंबर, मंगलवार को भोपाल में विधानसभा का घेराव करेंगे। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं। प्रदेश मे बढ़ते अपराध, चोरी, लूट, हत्या, महिलाओं एवं नाबालिग बच्चियों के साथ छेड़छाड़, बलात्कार एवं हत्या जैसी जघन्य घटनाओं का विरोध करते हुए वे प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा सपा ने प्रदेश में किसानो की खाद एवं उचित समर्थन मूल्य की मांग, आदिवासियों, दलितो एवं पिछडों पर भाजपा के नेताओं कार्यकर्ताओं द्वारा किये जा रहे अत्याचार, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में धाँधली, सरकार के लोगो द्वारा किये जा रहे भाई-भतीजावाद जैसे मुद्दों को उठाकर विधानसभा घेराव का ऐलान किया है।

भोपाल में प्रयागराज महाकुंभ का लोगो लॉन्च

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रयागराज महाकुंभ मेले के लोगो का यूपी के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और कृषि राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने लॉन्च किया। यूपी सरकार के मंत्रियों ने मध्यप्रदेश की जनता को कुंभ में आने का न्यौता दिया। इस अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि- महाकुंभ एकता का वैश्विक प्रतीक बनेगा। पिछले कुंभ से दिव्य और अद्भुत होगा। दावा किया कि इस बार कुंभ में 45 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। बता दें कि प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ मेला लगेगा। यह कुंभ प्लास्टिकमुक्त रहेगा। श्रद्धालु डिजिटल कुंभ का अनुभव भी करेंगे।

विधानसभा में प्रश्न लगा तो 49 शिक्षकों का अटैंचमेंट खत्म

भोपाल । जनजातीय कार्य विभाग ने 49 शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर दिया है। इस संबंध में जनजातीय कार्य विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। इनमें से ज्यादातर प्रकरण रतलाम जिले से हैं। बताया गया कि शासन की रोक के बावजूद लगातार किए जा रहे अटैचमेंट को लेकर विधानसभा में सवाल पूछा गया है। सत्र शुरू होने से पहले ही विभाग ने सभी अटैचमेंट खत्म कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में 10 दिसंबर को आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने सभी मैदानी अधिकारियों को पत्र लिखकर तबादलों पर प्रतिबंध के बावजूद तबादला या संलग्र आदेशों को निरस्त करने के निर्देश दिए थे।

महानगरों में परिवर्तित किए जाएंगे मप्र के 4 शहर

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर को बनाया जाएगा मेट्रोपोलिटन सिटी

भोपाल। मप्र में जल्द ही दिल्ली, मुंबई, चैन्नई जैसे महानगरों की तर्ज पर चार जिलों का विकास होगा। राज्य सरकार ने प्रदेश की राजधानी भोपाल, प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर, संस्कारधानी जबलपुर और ग्वालियर को महानगरों यानि मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में बदलने की योजना पर काम करना शुरु कर दिया है। इसी क्रम में इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन बनाने की तैयारी भी प्रारंभ कर दी गई है। इंदौर महानगर में आसपास के जिलों के हजारों वर्ग किमी क्षेत्र को शामिल किया जा रहा है।

गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव के निर्देश पर इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के लिए कवायद शुरु की जा चुकी है। जिला प्रशासन ने नगर निगम की सीमा में आने वाले कई गांवों को शामिल करने की योजना बनाई है। इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के अंतर्गत चारों ओर के 29 गांवों के समग्र विकास की पहल की जा रही है। इंदौर नगर निगम सीमा में करीब एक दशक पहले शामिल किए गए इन गांवों में टैक्स बढ़ोत्तरी की गई लेकिन सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। अधिकारी अब इनपर फोकस कर रहे हैं। सभी 29 गांवों में अब लकदक कालोनियां नजर आएंगी। यहां के ड्रेनेज सिस्टम को सुधारा जाएगा, सडक़ जैसी मूलभूत अधो संरचनाएं डेवलप की जाएंगी और बिजली, पानी की सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। पेयजल के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इंदौर जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन (महानगरीय क्षेत्र) के प्रस्ताव में भी ये गांव शामिल हैं। इन गांवों में कृषि भूमि पर कई कॉलोनियां विकसित हो चुकीं हैं और बड़ी इमारतें भी बन गईं।

इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में धार, उज्जैन और देवास भी

इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में इन गांवों के साथ ही इंदौर से सटे घार, उज्जैन और देवास जिले के हिस्से भी शामिल किए गए हैं। मेट्रोपालिटन रीजन के रूप में इंदौर सहित चारों जिलों के समग्र विकास की योजना बनाई गई है। अधिकारियों के अनुसार इंदौर के 29 गांवों के साथ ही उज्जैन, धार और देवास के कई गांवों को भी इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में शामिल किया गया है। इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन के रूप में सभी चार जिलों का कुल 7,863 वर्ग किमी एरिया मिलाकर महानगर की शक्ल लेगा। प्रस्तावित इंदौर महानगर में धार जिले के औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर को भी शामिल किया गया है। इंदौर, उज्जैन, देवास और धार जिले के कुछ हिस्सों को मिलाकर एक मेट्रो सिटी बनने से इन चारों जिलों का भी विकास होगा। युवाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सर्वसम्मति से होंगे भाजपा जिलाध्यक्षों के चुनाव

आज से शुरू होंगे जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया

भोपाल। भाजपा ने संगठन चुनाव के दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके तहत अब तक 30 से अधिक जिलों में मंडल अध्यक्षों का निर्वाचन आम सहमति के साथ हो चुका है। अब तीसरे चरण में 16 दिसंबर से जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जानी है जिसमें न दबाव, न भेदभाव का फॉर्मूला अपनाया जाएगा। गौरतलब है कि पहले चरण में बूथ स्तरीय समितियों का गठन किया गया। फिर मंडल स्तरीय समितियों के चुनाव हुए। अब जिले और संभवत- अगले वर्ष के जनवरी माह के शुरूआत में प्रदेश एवं अंत तक राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का निर्वाचन सम्पन्न हो जाएगा।

गौरतलब है कि भाजपा हर तीन साल में अपने संगठन और अध्यक्ष में बदलाव करती है। यह बदलाव चुनाव या फिर रायशुमारी के आधार पर होते हैं और कहीं-कहीं सर्वसम्मति भी बन जाती है। प्रदेश में भाजपा के 55 शहरी एवं 5 ग्रामीण मिलाकर कुल 60 संगठनात्मक जिलों में अध्यक्ष के चुनाव होने हैं। संगठन चुनाव को लेकर पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि पदाधिकारियों की नियुक्ति में न दबाव चलेगा और न ही सिफारिश। मंडल अध्यक्ष हों या जिलाध्यक्ष उनकी नियुक्ति परफॉर्मेंस के आधार पर होगी। इसके लिए पहले रायशुमारी कराई जाएगी, अगर जरूरत पड़ी तो लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराए जाएंगे।

जिलाध्यक्षों के लिए फॉर्मूला

भाजपा के संगठन पर्व के अंतर्गत मंडल अध्यक्ष के चुनाव 15 दिसंबर तक संपन्न करा लिए गए हैं। तीसरे चरण में जिलाध्यक्षों के चुनाव 16 दिसंबर से आरंभ हो जाएंगे। पार्टी ने इस वर्ष जिलाध्यक्षों के चुनाव में कई तरह के बदलाव किए हैं। जिलाध्यक्ष के पदों पर महिलाओं को अधिक से अधिक अवसर देने की तैयारी चल रही है, वहीं आदिवासी क्षेत्रों में जिलाध्यक्ष के पदों पर केवल सामान्य वर्ग के नाम पर सहमति बनाने का निर्देश भी पार्टी ने दिया है। पार्टी नेताओं का विचार है कि आदिवासी क्षेत्रों में पंचायत से लेकर विधायक या सांसद तक के सारे पद आरक्षित रहते हैं। ऐसे में वहां सामान्य वर्ग के कार्यकर्ताओं के समायोजन के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है। यही वजह है कि पार्टी ऐसे क्षेत्रों में सामान्य वर्ग के ही कार्यकर्ताओं को संगठन में स्थान देगी। इससे समानता और सभी के सम्मान का संदेश जाएगा। दरअसल, कई आदिवासी जिलों के नेताओं ने मांग की थी कि उनके जिले में आदिवासी जिलाध्यक्ष ही बनाया जाए। धार जिले के नेताओं ने अपना पक्ष रखकर कहा था कि उनके जिले में कभी भी आदिवासी वर्ग के नेताओं को जिलाध्यक्ष की कमान नहीं मिली। यही स्थिति आलीराजपुर और डिंडोरी की है। इसके बाद संगठन ने तय किया कि इन आरक्षित जिलों में अधिकांश जनप्रतिनिधि आदिवासी ही होते हैं। पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा की सीटें भी आदिवासी वर्ग के लिए सुरक्षित रहती हैं, ऐसे में अन्य वर्ग के लिए कोई गुंजाइश नहीं बनती है। यदि ये पद भी आदिवासियों को दे दिए जाएंगे तो बाकी कार्यकर्ता क्या करेंगे।

मप्र में विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए 47 सीट आरक्षित हैं और अनुसूचित जनजाति के लिए 35 सीटें आरक्षित हैं। इधर, भाजपा के संगठनात्मक जिलों में आरक्षण जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन पार्टी इस तरह के प्रयोग कर रही है कि गैर आरक्षित क्षेत्रों में एससी-एसटी को अवसर दिया जाए। पार्टी नेताओं का मानना है कि अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग के कार्यकर्ताओं के लिए संगठन में अलग से मोर्चा गठित हैं, जिनमें इन वर्गों के नेताओं को ही महत्व दिया जाता है।

60 पार नेता नहीं बन पाएंगे जिलाध्यक्ष

इस बार 60 साल से अधिक उम्र के नेता जिला अध्यक्ष नहीं बन पाएंगे। भाजपा संगठन चुनाव की बैठक में इनके चयन का क्राइटेरिया तय हो गया है। मप्र में भाजपा के 60 संगठनात्मक जिले हैं। इनमें से 12 जिले ऐसे हैं जहां जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में यदि जिले के नेता और पदाधिकारी सहमत हुए तो इन्हें फिर मौका मिल सकता है। हालांकि जिलाध्यक्ष के रिपीट होने पर भी निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। यानी सर्वसम्मति से भी जिलाध्यक्ष को रिपीट करने का निर्णय हुआ तो भी निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और निर्वाचन की तारीख से जिलाध्यक्ष का कार्यकाल गिना जाएगा 50 प्रतिशत जिलों में जिलाध्यक्षों के चुनाव होने के बाद केन्द्रीय नेतृत्व को प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव कराने के लिए सूचना भेजी जाएगी।

संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी

मप्र की मोहन कैबिनेट ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया है। इस फैसले से यह साफ हो गया है कि भाजपा महिला वोटर्स पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती।

अब मास्टर ट्रेनर कराएंगे परीक्षा की तैयारी

भोपाल। प्रदेश में वार्षिक परीक्षा के लिए अब तीन माह का ही समय रह गया है। मध्य प्रदेश बोर्ड इस परीक्षा की तारीखों का एलान कर चुका है। इस बार परीक्षा परिणाम न बिगड़े इसकी चिंता विभाग को सता रही है। यही वजह है कि इस बार विभाग मास्टर ट्रेनर तैयार कर रहा है, जो छात्रों को परीक्षा की तैयारी कराने का काम करेंगे। इनका काम 10वीं व 12वीं की परीक्षा के छात्रों को परीक्षा की तैयारी करवाना होगा। दरअसल, 10वीं में इस बार बेस्ट ऑफ फाइव योजना समाप्त हो गई है। इसकी वजह से परीक्षा परिणाम बिगडने् की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। इस बार राज्य स्तर पर विषयवार मास्टर ट्रेनर चयनित किए गए हैं, जो जिले के सीएम राइज स्कूलों के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराएंगे। इसके अलावा स्कूलों में साथ ही सभी स्कूलों में वार्डन शिक्षक तैनात किए जा रहे हैं, जो प्रत्येक विद्यार्थी की मॉनीटिरंग करेंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी जिले के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों को बोर्ड परीक्षाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशित किया गया है कि 10वीं व 12वीं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को किसी भी स्थिति में गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाए।

मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया गया

इस बार प्रोजेक्ट बेस लर्निंग पद्धति अपनाई गई है। इसमें विद्यार्थियों की समस्या को पहचानकर प्रोजेक्ट द्वारा हल कराने का प्रयास किया जाता है। प्रदेश के 274 सीएम राइज स्कूलों के 32 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर चयनित किया गया है। इन्हें एक स्वयंसेवी संस्था की ओर से पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। ये मास्टर ट्रेनर प्रत्येक संभाग के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। इसी तरह से प्रत्येक स्कूल में वार्डन शिक्षक बनाए जाएंगे। इन वार्डन शिक्षकों को पांच विद्यार्थियों की जिम्मेदारी दी जाएगी। ये वार्डन शिक्षक विद्यार्थियों को परीक्षा तैयारी से लेकर खान-पान, जागने व सोने से लेकर प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे। हर सप्ताह की रिपोर्ट तैयार करेंगे। साथ ही प्रत्येक सप्ताह टेस्ट लेकर तैयारी को परखा जाएगा।

छमाही परीक्षा के दौरान कक्षा लगाई जाएगी

छमाही परीक्षा आगामी सोमवार से शुरू होने वाली है। इस बार परीक्षा के बाद भी कक्षाएं लगाई जाएंगी, ताकि अगले दिन के विषय की तैयारी कराई जाए। सभी गतिविधियों के स्थान पर मुख्य विषयों को पढ़ाया जाए। शीतकालीन अवकाश के दौरान तीन वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराया जाए। विषय शिक्षक द्वारा निरीक्षण कर कमजोर बिंदुओं पर शैक्षणिक कार्य कराया जाए। कुछ स्कूल रविवार सहित छुट्टियों के दिन भी क्लास लगाकर तैयारी करा रहे हैं।

मेधावी विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाया जाएगा

विद्यार्थियों को विगत वर्षों में बोर्ड परीक्षाओं में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं को दिखाकर उन्हें अच्छे अंक लाने के लिए मार्गदर्शित किया जाए। मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यह भी उठाए जा रहे है कदम

- तिमाही परीक्षा के परिणाम के आधार पर वीडियो कांफ्रेंसिंग की जाए।
- 30 प्रतिशत से कम परिणाम वाले स्कूलों से चर्चा की जाए।
- गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान में कम परिणाम वाले शिक्षकों से चर्चा की जाए।
- परीक्षा के तनाव को कम करने के लिए विद्यार्थी हेल्पलाइन नंबर 18002330175 पर काल करें।
- प्रेरणादायी वीडियो दिखाएं।

हेड और स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर, 405/7

गाबा। ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शानदार शतकों से ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 405 रन बना लिए थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय मिचेल स्टार्क 7 रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर खेल रहे थे। ट्रेविस हेड ने 152 रन और स्टीव स्मिथ ने 101 रन की पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए जबकि सिराज और नीतीश को एक-एक विकेट मिला।। वहीं पहले दिन बारिश के कारण केवल 13.2 ओवर का ही खेल हो पाया। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले दिन केवल 13.2 ओवर ही फेंके जा सके थे जिसमें मेजबानों ने 28 रन बनाये थे।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन के बिना किसी विकेट के 28 रन से आगे खेलना शुरू किया और दिन भर में 377 रन बनाए और सात विकेट खोये। बुमराह ने पहले सत्र में उस्मान ख्वाजा 21 और नाथन मैकस्वीनी 9 को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद पहले सत्र में ही नीतीश रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन को 12 रनों पर ही आउट कर दिया। , इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने अच्छी साझेदारी कर स्कोर आगे बढ़ाया । दोनों ने चौथे विकेट के लिए 242 रन की साझेदारी निभाई। हेड ने टेस्ट करियर का नौवां और स्मिथ ने 33वां शतक लगाया । स्मिथ 190 गेंद पर 12 चौके की मदद से 101 रन और हेड 160 गेंद पर 18 चौके की मदद से 152 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मिचेल मार्श पांच रन और कप्तान पैट कमिंस 20 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने सातवें विकेट के लिए कैरी के साथ 58 रन की साझेदारी निभाई।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन लंच तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन पहले सेशन में 76 रन बने और तीन विकेट गिरे। दूसरे सेशन में ट्रेविस हेड ने अपना शतक पूरा किया। हेड ने केवल 115 गेंदों में ही अपना शतक लगा दिया। इसमें 13 चौके शामिल थे।

महिला प्रीमियर लीग सिमरन शेख सबसे महंगी बिकीं, गुजरात ने 1.90 करोड़ रुपए में खरीदा

लॉरेन बेल और स्नेह राणा अनसोल्ड रहीं , डींड्रा डॉटिन को मिले 1.70 करोड़

बेंगलुरु। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) 2025 के लिए रविवार को यहां नीलामी हुई। इसमें 19 खाली स्थानों के लिए 91 भारतीयों और 29 विदेशी खिलाड़ियों सहित 120 खिलाड़ियों की बोली लगी। इसमें मुम्बई की सिमरन शेख रहीं सबसे महंगी बिकीं। ऑलराउंडर सिमरन को 1.90 करोड़ रुपए में गुजरात जायंट्स ने खरीदा। जबकि लॉरेन बेल और स्नेह राणा जैसे खिलाड़ी नहीं बिकीं। पहले सत्र में कुल 6 खिलाड़ियों को खरीदा गया1 स्कॉटलैंड की साराह ब्राइस को दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। उन्हें उनके बेस प्राइस 10 लाख देकर टीम में लिया गया। आरुषी गोयल दिल्ली में शामिल, क्रांति को यूपी में खरीदा। आरुषी गोयल को दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में 10 लाख रुपए देकर शामिल किया। वहीं, क्रांति को यूपी वॉरियर्स ने अपनी टीम में लिया।

ऑक्शन में खरीदे गए खिलाड़ी

डींड्रा डॉटिन - गुजरात जायंट्स (1.70 करोड़ रुपये)
नादिन डी क्लार्क- मुंबई इंडियंस (30 लाख रुपये)
जी कमलिनी - मुंबई इंडियंस (1.60 करोड़ रुपये)
सिमरन शेख - गुजरात जायंट्स -(1.90 करोड़ रुपये)
नंदिनी कश्यप - दिल्ली कैपिटल्स (10 लाख रुपये)
प्रेमा रावत -आरसीबी (1.20 करोड़ रुपये)
एन. चरानी - दिल्ली कैपिटल्स (55 लाख रुपये)
आरुशी गोयल - यूपी वॉरियर्स (10 लाख रुपये)
क्रांति गौड़ - यूपी वॉरियर्स (10 लाख रुपये)
संस्कृति गुप्ता - मुंबई इंडियंस (10 लाख रुपये)
जोशिता वीजे - आरसीबी (10 लाख रुपये)
सारा ब्राइस - दिल्ली कैपिटल्स (10 लाख रुपये)

किस टीम के पास कितना पैसा?

गुजरात जायंट्स -(4.4 करोड़ रुपये)
यूपी वारियर्स - (3.95 करोड़ रुपये)
दिल्ली कैपिटल्स - (2.5 करोड़ रुपये)
मुंबई इंडियंस - (2.65 करोड़ रुपये)
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर - (3.25 करोड़ रुपये)

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 143 रनों पर समेटा, हैरी ब्रूक खाता भी नहीं खोल पाये

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के साथ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले के दूसरे दिन जहां मेजबान कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में 347 रन बनाये। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने इंग्लैंड टीम की पहली पारी को 143 रनों पर ही समेट दिया। इस प्रकार मेजबान टीम को पहली पारी के आधार पर 204 रनों की बढ़त मिली हुई है। इस मुकाबले में आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहली ही गेंद पर आउट हो गये जबकि हैरी ने इससे पहले के मैचों में दो शतक लगाये थे। हैरी मेजबान टीम के विलियम ओ रुर्के की अंदर आती गेंद को खेल नहीं पाये और बोल्ड हो गये। कीवी टीम की ओर से गेंदबाज मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए, वहीं विलियम ओ रुर्के और मिचेल सेंटनर ने भी 3-3 विकेट हासिल किये। वहीं इससे पहले कीवी टीम की ओर से स्पिनर मिचेल सेंटनर तक ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाये।

मुंबई फिर बना सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का चैंपियन

बेंगलुरु। मुंबई ने 3 साल में दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। रविवार को टीम ने बेंगलुरु में मध्य प्रदेश को 5 विकेट से फाइनल हराया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में एमपी ने पहले बैटिंग करते हुए 174 रन बनाए। मुंबई ने 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। मुंबई से सूर्यकुमार यादव ने 48 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 15 गेंद पर 36 और अथर्व अंकोलेकर ने 6 गेंद पर 16 रन की नॉटआउट पारी खेली। एमपी से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंद पर 81 रन बनाए। एमपी की शुरुआत खराब टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी एमपी की शुरुआत खराब रही। टीम ने शुरुआती 2 ओवर में ही 2 विकेट गंवा दिए। अर्पित गौड़ 3 और विकेटकीपर हर्ष गवली 2 ही रन बनाकर आउट हो गए। हरप्रीत सिंह भाटिया ने पहले पावरप्ले, फिर पावरप्ले के बाद भी धीमी बैटिंग की। वह 23 गेंद पर 15 रन की पारी खेलकर आउट हुए। अकेले पड़ गए रजत पाटीदार सुभ्रांशु सेनापति ने 17 गेंद पर 23 रन बनाए, लेकिन उन्हें शिवम दुबे ने पवेलियन भेज दिया। उनके बाद रजत पाटीदार एक एंड पर टिके रहे और दूसरे एंड पर विकेट गिरते रहे। वेंकटेश अय्यर ने 9 गेंद पर 17 और राहुल बाथम ने 14 गेंद पर 19 रन बनाए। शिवम शुक्ला और कुमार कार्तिकेय 1-1 रन बना सके, त्रिपुरेश सिंह खाता भी नहीं खोल पाए।

बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

ब्रिस्बेन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह इसी के साथ ही विदेशी हालातों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज बनकर उभरे हैं। बुमराह ने इसी के साथ ही महान ऑलराउंडर कपिल देव को भी पीछे छोड़ दिया।

ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के विकेट लिए। दोनों को आउट करते हुए उन्होंने 25 ओवर में 2.90 की इकॉनमी रेट से 72 रन देकर पांच विकेट लिए। इस प्रकार एशिया के बाहर बुमराह ने 10 वीं बार 5 विकेट लिए हैं। इससे पहले कपिल के नाम एशिया के बाहर 9 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड था।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में तीन, दक्षिण अफ्रीका में तीन और वेस्टइंडीज तथा इंग्लैंड में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरी ओर, कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 5, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। बुमराह के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 8 पांच विकेट है, जिसने कपिल को एक बार फिर पीछे छोड़ दिया जिनके नाम इन देशों में 7 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

सिराज के बेल्स बदलते ही लाबुशेन हुए आउट

गाबा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को आज ज्यादा देर तक टिकने नहीं दिया। लाबुशेन और स्टीव स्मिथ की जोड़ी जैसे ही जम रही थी। सिराज ने बेल्स बदलकर लाबुशेन का ध्यान भटका दिया। इसके बाद वह अगले ही ओवर में नीतीश रेड्डी की गेंद पर विराट कोहली के हाथों कैच हो गये।

सिराज 33वां ओवर करने आये थे उन्होंने ओवर की पहली ही गेंद पर लाबुशेन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की पर अंपायर ने इसे खारिज कर दिया। इसक बाद सिराज स्ट्राइक एंड पर गए और बेल्स को बदल दिया। सिराज बेल्स बदलकर जब जाने लगे उसके बाद एक बेल्स नीचे गिर गई। इसके बाद लाबुशेन ने उस बेल्स को उठाकर पहले ही तरह रख दी। ये एक प्रकार से क्रिकेट में टोटका माना जाता है। जब विरोधी टीम का विकेट नहीं गिर रहा होता है तो सामने वाली टीम के खिलाड़ी बल्लेबाज का ध्यान भंग करने के लिए अलग अलग तरीके अपनाते हैं। वही यहां सिराज ने किया। सिराज का यह टोटका काम कर गया। सिराज ने बेल्स बदली और अगले ही ओवर में लाबुशेन आउट हो गये। लाबुशेन 55 गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र में ही ऑस्ट्रेलिया के 3 विकेट गिरा दिये। जसप्रीत बुमराह ने दोनो सलामी बल्लेबाजों के विकेट लिए जबकि नीतीश ने लाबुशेन को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

शमी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल टीम में शामिल

मुम्बई। अनभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी के पास इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस साबित करने का अवसर रहेगा। उसी के बाद देखा जाएगा कि वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए तैयार हैं कि नहीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि शमी को सभी टीम में शामिल करना चाहते हैं पर इसके लिए उन्हें पूरी तरह फिट होना होगा। हम उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

शमी ने अंतिम बार 2023 एकदिवसीय विश्वकप में भारत के लिए खेला था। उसके बाद टखने की सर्जरी के बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। उन्होंने नवंबर में रणजी ट्रॉफी के साथ वापसी की और मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में सात विकेट लिए थे। इसके बाद उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी 9 मैच खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट अपने नाम किए।। हालांकि इस टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में कुछ सूजन आ गई, जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी बाधित हुई।

शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को भी बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। टीम की कप्तानी सुदीप कुमार घरामी करेंगे। टीम अपने मुकाबलों की शुरुआत 21 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ करेगी। सभी खिलाड़ी बुधवार को कोलकाता से हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से 18 जनवरी के बीच खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें हिस्सा लेंगी।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की सदस्यीय टीम इस प्रकार है- सुदीप कुमार घरामी (कप्तान), मोहम्मद शमी, अनुस्तुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुदीप चटर्जी, करण लाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेटकीपर), सुमंत गुप्ता, सुभम चटर्जी, रणजोत सिंह खैरा, प्रदीप्ता प्रमाणिक, कौशिक मैती, विकास सिंह, मुकेश कुमार, सक्षम चौधरी, रोहित कुमार, मोहम्मद कैफ, सूरज सिंधु जयसवाल, सायन घोष, कनिष्क सेठ।

इमाद और आमिर के बाद अब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज इरफान ने संन्यास लिया

लाहौर। पाकिस्तान में आजकल लगता है खिलाड़ियों के संन्यास लेने का दौर चल रहा है। इमाद वसीम और मोहम्मद आमिर के बाद अब एक और तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान ने भी संन्यास की घोषणा कर दी है। इस प्रकार पिछले तीन दिनों में ही पाक के इन 3 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 7 फीट से ज्यादा लंबे इरफान अपनी स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते थे। पिछले काफी समय से टी से बाहर चल रहे इरफान ने अपने संन्यास के बारे में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा है कि मैं अपने साथियों, कोचों को सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आपके प्यार, उत्साह और अविस्मरणीय यादों के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं उस खेल का समर्थन करना और जश्न मनाना जारी रखूंगा जिसके कारण ही मैं यहां तक पहुंचा हूं।

इरफान ने पाक टीम के लिए अंतिम बार साल 2019 में अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। साल 2010 में उन्होंने पाक टीम की ओर से डेब्यू करने के बाद तीनों प्रारुपों में खेलते हुए4 टेस्ट में 10 विकेट, 60 एकदिवसीय मैचों में 83 विकेट और 22 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 16 विकेट लिए थे।

मोहम्मद इरफान का भले ही टेस्ट करियर ज्यादा लंबा ना रहा हो पर एकदिसवीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अपने बल पर पाक टीम को कई मैचों में जीत दिलाई है। उन्होंने पाक टीम की ओर से साल साल 2012 में भारत के खिलाफ बेंगलुरु के एम

ऋषभ ने बनाया रिकार्ड, 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने

गाबा। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। ऋषभ ने इस मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का कैच पकड़ते ही टेस्ट विकेटकीपर के तौर पर अपना 150वां शिकार किया। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर जिस पकार की विकेटकीपिंग की है। उससे सभी हैरान हैं। इस युवा क्रिकेटर ने सीमित ओवरों के अलावा टेस्ट क्रिकेट में अपनी फिटनेस को साबित किया है।

वह 150 शिकार करने वाले तीसरे भारतीय विकेटकीपर बने हैं।

उनसे पहले ये उपलब्धि महेन्द्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी ने हासिल की थी। ऋषभ ने अब तक 41 टेस्ट मैचों में 135 कैच पकड़ने के साथ ही 15 स्टम्पिंग की हैं। धोनी इस सूची में पहले नंबर पर हैं उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर कुल 294 शिकार किये हैं। जिसमें 256 कैच और 38 स्टम्पिंग हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रहे सैयद किरमानी के नाम 198 शिकार हैं जिसमें उन्होंने 160 कैच पकड़े हैं जबकि 38 स्टम्पिंग की हैं। अब ऋषभ को किरमानी को पीछे छोड़ने के लिए 49 और शिकार बतौर विकेटकीपर टेस्ट क्रिकेट में करने हैं।

ब्रिस्बेन का गाबा मैदान इस युवा क्रिकेटर के लिए काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने पिछली बार शानदार बल्लेबाजी करते हुए 97 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

हेड बने भारतीय टीम के लिए मुसीबत, लगातार दूसरा शतक लगाया

गाबा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारतीय टीम के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 400 से अधिक रन बना लिए। हेड ने दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया था जबकि पहले टेस्ट में अर्धशतक लगाया था। इस सीरीज में हेड ने लगातार दूसरा शतक लगाया है। इस दौरान .उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों के खिलाफ भी काफी रन बनाये। हेड इस बॉर्डर गावस्कर सीरीज में अब तक सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हेड ने पिछले कुछ समय में भारतीय टीम के खिलाफ लगातार बड़ी पारियां खेली हैं। हेड ने 115 गेंदों पर 13 चौकों की सहायता से अपनी शतक लगाया। इससे पहले हेड ने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

रुट न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी बने

हैमिल्टन। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने 32 रनों की पारी खेलकर भी एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रुट ने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जावेद मियांदाद का एक रिकार्ड तोड़ दिया। अब रुट न्यूजीलैंड की धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मियांदाद का रिकॉर्ड तोड़ा है। रुटा के अब न्यूजीलैंड की धरती पर कुल 952 टेस्ट रन हो गये हैं जबकि मियांदाद ने न्यूजीलैंड की धरती पर 928 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं 842 रनों के साथ भारत के सचिन तेंदुलकर तीसरे नंबर पर हैं। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड की आधा टीम अपनी पहली पारी में 100 रनों में ही पेवेलियन लौट गयी। इन हालातों में रुट ने टीम को संभालने का प्रयासा किया।

रूट पिछले कुछ समय से अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने अपने बल पर इंग्लैंड की टीम को कई मुकाबले जिताए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में साल 2012 में डेब्यू किया था। इसके बाद से वह टीम की अहम कड़ी बन गए और उन्होंने अभी तक 152 टेस्ट मैचों में 12918 रन बनाए हैं, जिसमें 36 शतक और 64 अर्धशतक शामिल हैं।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत, तापमान 3 डिग्री पहुंचा

बर्फबारी ने बढ़ी ठंड, जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में पारा माइनस में

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी। इन राज्यों में बिजली गिरने का भी अनुमान लगाया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

वहीं 17 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 12 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। हरियाणा और यूपी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में विजिबिलिटी भी घट सकती है। राजस्थान में कोल्डवेव का अलर्ट है। यहां कई शहरों में तापमान पांच डिग्री के नीचे रहने की उम्मीद है।

18 दिसंबर की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के अलावा केरल में बिजली गिरने के साथ बारिश के आसार हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलेगी। तापमान में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी ठंड बढ़ सकती है। यहां तापमान में गिरावट आ सकती है।

मट्टन जेल और कुलगाम में 4 ठिकानो पर छापेमारी, कई डिजिटल डिवाइस बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस के काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने शनिवार को अनंतनाग में जिला जेल मट्टन और कुलगाम जिले के सोनीगाम व चवलगाम में चार जगहों पर छापेमारी की। मौके पर कुछ डिजिटल उपकरण, सेलफोन और टेबलेट बरामद किए हैं इनकी जांच की जा रही है। कुछ दिन पहले सीआईके और प्रदेश जांच एजेंसी ने श्रीनगर सेंट्रल जेल में भी तलाशी ली थी। जेल में सीआईके के दल ने बैरकों की तलाशी ली। वहां बंद कुछ आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्करों से भी पूछताछ की। सोनीगाम और चवलगाम में सीआइके ने आतंकियों के तीन पुराने ओवरग्राउंड वर्करों के घरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने संबधित लोगों से पूछताछ भी की है। सीआइके ने किसी को गिरफ्तार करने या हिरासत में लिए जाने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह जरूर बताया कि कुछ सेलफोन और टैबलेट के अलावा कुछ अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों और उनके पारिस्थितिक तंत्र के समूल नाश के अपने अभियान के तहत सीआईके को पता चला कि मट्टन स्थित जिला कारावास में बंद कुछ आतंकी व आतंकियों के ओवरग्राउंड वर्कर विभिन्न माध्यमों के जरिए घाटी के भीतर ही नहीं सीमा पार बैठे आतंकी हैंडलरों के साथ संपर्क में हैं। जेल में बंद यह तत्व घाटी में आतंकी गतिविधियों के संचालन और आतंकी संगठनों की भर्ती में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

दिल्ली की सभी 70 सीटों पर प्रत्याशी उतारकर बोले केजरीवाल

भाजपा तो गायब है...ना सीएम फेस है और ना टीम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए तीसरी लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें 38 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया गया है। इसके साथ ही आप ने दिल्ली में सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। सभी सीटों पर प्रत्याशियों के ऐलान के बाद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा तो गायब है, उसके पास न तो सीएम फेस है और न ही टीम है।

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति और एक ही मिशन है- केजरीवाल हटाओ। उनसे पूछो पांच साल क्या किया तो वो जवाब देते हैं- केजरीवाल को खूब गाली दी।

दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आप ने सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को घोषित कर दिया है। पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। हमारी पार्टी के पास दिल्ली वालों के विकास के लिए विजन है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है। पिछले 10 सालों में किए कामों की लंबी लिस्ट है। उन्होंने कहा कि दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को।

भाजपा अब भी भ्रमित

केजरीवाल के साथ ही मनीष सिसोदिया ने भी आप उम्मीदवारों के ऐलान के बाद भाजपा पर हमला किया है। सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव में पूरी ताकत से कदम रख दिया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम जनता के बीच जा रहे हैं, यह मांगने कि हमें 5 और साल दिए जाएं ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, और पानी पर हुए अच्छे कामों को और आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, भाजपा अब भी भ्रमित है। न उनके पास कोई मुद्दा है, न कोई नेता, और न ही दिल्लीवालों के लिए कोई उम्मीद। केजरीवाल ही उम्मीद हैं और केजरीवाल ही भरोसा हैं। दिल्ली का विकास और उज्ज्वल भविष्य केवल केजरीवाल जी के साथ ही संभव है। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने तीसरी लिस्ट में प्रमुख चेहरों को उतारा है, जिनमें नई दिल्ली से अरविंद केजरीवाल, कालकाजी से आतिशी, ग्रेटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज, ओखला से अमानतुल्लाह खान, मालवीय नगर से सोमनाथ भारती, राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक, तिलक नगर से जरनैल सिंह, उत्तम नगर से पोश बालियान (नरेश बालियान की पत्नी), बाबरपुर से गोपाल राय, बुराड़ी से संजीव झा, शकूर बस्ती से सत्येंद्र जैन, बल्लीमारान से इमरान हुसैन और मटिया महल से शोएब इकबाल का नाम शामिल है।

एआई इंजीनियर के बाद अब हेड कांस्टेबल ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

सुसाइड नोट में पत्नी और ससुर पर टॉर्चर करने के लगाए आरोप

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एआई इंजीनियर की आत्महत्या मामला अभी ठंडा भी नहीं था कि वहां एक पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर कर्नाटक पुलिस में हेड कांस्टेबल टिप्पन्ना ने 13 दिसंबर की रात ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक टिप्पन्ना के पास से सुसाइड नोट मिला है। इसमें पत्नी और ससुर पर टॉर्चर और हैरेसमेंट करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक घटना वाली रात टिप्पन्ना का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था।

पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल ने बायप्पनहल्ली इलाके में खुदकुशी की। वह हुलीमावु पुलिस स्टेशन में तैनात था। बेंगलुरु में पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर सुसाइड का बीते पांच दिन में ये दूसरा मामला है। 9 दिसंबर को एक एआई इंजीनियर का शव उनके फ्लेट से बरामद हुआ था। यह मामला काफी चर्चा में आया और उसके बाद पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों की गिरफ्तारी भी की है।

पुलिस के मुताबिक हेड कांस्टेबल ने सुसाइड नोट में लिखा है कि 12 दिसंबर की शाम 7.26 पर टिप्पन्ना को उसके ससुर ने धमकी दी थी। उसने टिप्पन्ना से कहा था कि या तो मर जाओ या फिर मारे जाओ, ताकि उनकी बेटी शांति से रह सके। 12 दिसंबर को टिप्पन्ना ने सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपनी ड्यूटी की। इसके बाद वह जब घर आया तब उसकी पत्नी से विवाद हुआ। इसके बाद वह घर से निकल गया था। रात में उसने ट्रेन के कटकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि टिप्पन्ना की शादी 2021 में हुई थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर टिप्पन्ना की पत्नी और ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला समेत बीएनएस की दूसरी धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

अप्रैल 2025 से शुरू होगी जनगणना

14 साल बाद पता लगेगा, आर्थिक प्रगति और जनसंख्या के बारे में

नई दिल्ली। 2011 के बाद अब 2025 में जनगणना होने जा रहा है। अप्रैल 2025 से देश में जनगणना शुरू हो सकती है। जनगणना के साथ आर्थिक गणना भी होगी। पिछले 14 सालों में कितनी आबादी बढ़ी है। कितना आर्थिक आधार बढ़ा है। इसकी जानकारी इस जनगणना से निकलकर सामने आएगी।2014 से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। पिछले 11 वर्षों में कितनी आर्थिक प्रगति हुई है। पहली बार देश को इसकी जानकारी लगेगी। सरकार द्वारा जो दावे किए जा रहे हैं। वहीं जनसंख्या के दौरान जो आर्थिक गणना के आंकड़े होंगे, उन्हीं से आर्थिक स्थिति प्रमाणित होगी।

वित्त मंत्रालय ने स्थाई समिति को सूचित किया है। सचिवों की समिति ने सातवीं आर्थिक गणना के परिणाम जारी नहीं करने का फैसला किया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 2025 में आर्थिक जनगणना की तैयारी कर रहा है। इसके बाद गैर कृषि क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों, उनके कर्मचारियों की गणना होगी। देश में छठी आर्थिक गणना के बाद यह पहली गणना होगी। जिसमें 2013 के बाद के आंकड़े स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। सरकार ने सातवीं आर्थिक गणना के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। देश में जो आठवीं आर्थिक गणना हो रही है। उसमें गैर कृषि क्षेत्र की सभी गतिविधियां शामिल की जा रही हैं। जनगणना के साथ हो रही आर्थिक गणना में दुकानों-मकानों मे चल रही आर्थिक गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा। दुकानों और मकानो में गैर रजिस्टर्ड रूप से जो आर्थिक गतिविधियां हो रही हैं। उनमें कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसकी भी जानकारी इस गणना से प्राप्त होगी। जनगणना और आर्थिक गणना में 10 लाख कर्मचारी और 4 लाख से ज्यादा सुपरवाइजर गणना के काम में लगेंगे। इसके पहले पहले आर्थिक गणना 1977 में हुई थी। इसके बाद 1980, 1990, 1998 और 2005 में हुई थी। अंतिम छठी आर्थिक गणना 2013 में हुई थी। जिसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की गई थी। उसके बाद से आर्थिक गणना की कोई रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। इस बार जनगणना और आर्थिक गणना के काम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण यह माना जा रहा है, इसमें गलतियां कम होंगी। समय भी कम लगेगा।

पहली बार गांव से लेकर राजधानी तक की आर्थिक गणना मे शामिल

इस बार की आर्थिक गणना पहले की तुलना में कई मायनों में ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होगी। इस बार की आर्थिक गणना में राज्य, जिला, गांव और वार्ड स्तर तक की जानकारी का संकलन बेहतर तरीके से संभव होगा। ग्रामीण और शहरी अंचलों के रोजगार को लेकर भी सटीक जानकारी प्राप्त होगी। इस बार जिओ टैगिंग के माध्यम से विकास का ढांचा बनाने में केंद्र एवं राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

वंदे भारत के खाने में मिला कीड़ा, आईआरसीटीसी ने लगाया जुर्माना

प्रयागराज। प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत को जरुरत के मुताबिक सवारियां नहीं मिल रहीं है। जो गिने चुने लोग इसमें सफर करते हैं वे इसकी सेवाओं से संतुष्ट नहीं हैं। यहां आए दिन खाने में कीड़े, कॉकरोच और छिपकलियां मिलने की खबरें आ रहीं हैं। मात्र तीन माह के अंतराल में वाराणसी से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत (22415) के अंदर फिर से खाने में कीड़ा मिला है। ट्रेन के अंदर कैटरिंग द्वारा यात्री को परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने पर यात्री ने शिकायत परिवाद पुस्तिका में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। पहले भी एक सितंबर को भी इसी वंदे भारत में यात्री ने नाश्ते में आमलेट मांगा था और जब उसने आमलेट खाना शुरू किया तो उसमें काकरोच नजर आया था। इससे पहले आगरा हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत, शिरडी से मुंबई जा रही वंदे भारत में भी खाने में काकरोच मिल चुका है। आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग टूरिज्म) ने इसका संज्ञान लेते हुए ठेकेदार पर खराब गुणवत्ता का खाना परोसने के लिए जुर्माना लगाया है। वंदे भारत में भोजन का ठेका दिल्ली की आरके एसोसिएट्स के पास है।विकास कुमार नाम के यात्री को प्रयागराज से नई दिल्ली जाना था। वह कोच संख्या - सी तीन के सीट नंबर 25 पर यात्रा कर रहे थे। उनकी सीट पर ही कैटरिंग द्वारा भोजन परोसा गया। जब उन्होंने खाना शुरू किया तो अचानक सब्जी में उन्हें कीड़ा दिखा। यात्री ने इसकी शिकायत की तो आसपास बैठे यात्रियों ने भी सब्जी में कीड़ा देखकर अपना नाश्ता व भोजन चेक किया और देखते ही देखते हंगामा मच गया। आनन फानन टीटीई व आइआरसीटीसी के स्टाफ ने यात्री विकास को समझाने बुझाने की कोशिश की। विवाद बढ़ता देख विकास की शिकायत दर्ज कर ली गई।

108 देशों की लड़कियां करेंगी चंद्रयान का निर्माण, 80 किलोग्राम भार का होगा यान

चेन्नई। चंद्रयान की सफलता के बाद देश के बच्चों में भी उसके बारे में और अधिक जाने की उत्सकता बढ़ गई है इसको देखते हुए चेन्नई स्थित स्पेस स्टार्टअप कंपनी ने सितंबर 2026 तक महिलाओं द्वारा संचालित वैज्ञानिक चंद्र अभियान की योजना बनाई है। इस अभियान में 108 देशों की कक्षा 8 और 9 की लड़कियां भाग लेंगी। यह अभियान तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा। स्पेस किड्ज इंडिया चांद की सतह पर 80 किलोग्राम के भार वाला एक यान क्रैश लैंड कराने की योजना बना रहा है। इस यान में एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक प्रोपल्सन मॉड्यूल शामिल किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य केवल चांद पर यान पहुंचाना नहीं, बल्कि 108 देशों की लड़कियों को सैटेलाइट तकनीक में प्रशिक्षित करना और उन्हें इस मिशन का हिस्सा बनाना है। अभियान के तहत जनवरी 2025 से 12 हजार लड़कियों को सैटेलाइट तकनीक का प्रशिक्षण ऑनलाइन दिया जाएगा। सितंबर 2025 तक हर देश से एक लड़की को चुनकर भारत लाया जाएगा। यहां वह स्पेस किड्ज इंडिया की टीम के साथ मिलकर चंद्रयान के निर्माण का हिस्सा बनेंगी। स्पेस किड्ज इंडिया ने इससे पहले भी फरवरी 2023 में आजादीसैट नामक सैटेलाइट मिशन का नेतृत्व किया था, जिसे भारत के 750 सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने बनाया था। इसे इसरो के एसएसएलवी-डी2 रॉकेट से लॉन्च किया था। स्पेस किड्ज इंडिया का यह मिशन वसुधैव कुटुंबकम के संदेश को बढ़ावा देगा। अभियान पूरी तरह से लड़कियों द्वारा संचालित किया जाएगा। इस मिशन के लिए पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल का इस्तेमाल किया जाएगा। इस मिशन पर अनुमानित खर्च 80 लाख से 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर आएगा। यह मुख्य रूप से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंडिंग से संचालित होगा। स्पेस किड्ज इंडिया इसरो और अन्य वैश्विक एजेंसियों के साथ साझेदारी कर रही है ताकि बच्चों को प्रशिक्षित किया जा सके और मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। अगर यह अभियान सफल होता है, तो यह भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

चीन से चेंगदू जे-10सी मल्टीरोल फाइटर जेट खरीदेगा बांग्लादेश, चिंतित भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश अपनी वायुसेना को ताकतवर और आधुनिक बनाने में जुटा है। इसके लिए बांग्लादेश चीन की ओर देख रहा है। जो कि भारत के लिहाज से चिंता का विषय है। दरअसल एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश एयर फोर्स के एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान ने कहा, हम फाइटर जेट और हमलावर हेलीकॉप्टर हासिल करने के लिए हर कोशिश कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश चीन के चेंगदू जे-10सी मल्टीरोल फाइटर जेट खरीद सकता है। सूत्रों ने बताया कि ढाका की योजना पहले चरण में 16 जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदने की है। यह जानकारी भारत के लिए खतरे की घंटी है। वहां भी तब जब पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियां जोर पकड़ रही हैं। वहीं अल्पसंख्यकों विशेष तौर से हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव और हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं।

जानकारों का मानना है चीन और पाकिस्तान से बढ़ती बांग्लादेश की नजदीकियां भारत के लिए बड़ा खतरा साबित होगी। रक्षा विशेषज्ञ पीके सहगल ने कहा, यह भारत की सुरक्षा के लिए एक चुनौती है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान की कोशिश है कि नॉर्थ ईस्ट में फिर से अशांति पैदा हो जाए। बांग्लादेश में इनदिनों हालात काफी नाजुक हैं। बड़े पैमाने पर हिंदुओं के खिलाफ विरोध देखा जा रहा है। इसके पीछे अमेरिका की डीप स्टेट, चीन और पाकिस्तान की साजिश है।

सहगल ने कहा, बांग्लादेश को समझना चाहिए की चीन का सामान बहुत खराब होता है, हिंदुस्तान की दुश्मनी उसके लिए बहुत घातक होगी, उसे जब भी कोई समस्या होती है, तब हिंदुस्तान पहला मददगार साबित होता है, चीन और पाकिस्तान की सीमा उससे बहुत दूर हैं, बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था बड़े स्तर पर भारत पर निर्भर है।

दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए खोला खजाना 1000 रुपये मिलेंगे हर महीने

नई दिल्ली। दिल्ली की महिलाओं के लिए खुश खबरी है। यहां हर एक महिला को एक हजार रुपए प्रति माह मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत दिया जाएगा। इस योजना का ऐलान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को किया था। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी ने कहा है कि महिला सम्मान योजना के तहत 1000 रुपये की पहली दो किश्तें चालू वित्त वर्ष के अंत तक भेजी जाएंगी।

सीएम आतिशी ने कहा कि कल रात कैबिनेट द्वारा पारित इस योजना को शाम तक नोटिफाई कर दिया गया।

भारत के तेजी से बढ़ रहा डेटा सेंटर बाजार, 60 बिलियन डॉलर का हुआ निवेश

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीबीआरई साउथ एशिया की लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर बाजार ने 2019-2024 के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित किया है। 60 बिलियन डॉलर का निवेश किया गया है। वहीं, मौजूदा विकास दर को देखते हुए 2027 तक क्यूमलेटिव इंवेस्टमेंट कमिटमेंट में 100 बिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद जताई है। मुंबई में डेटा सेंटर स्टॉक का दबदबा बना हुआ है, इसके बाद चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु का नंबर आया है, जो सितंबर तक देश के कुल डेटा सेंटर स्टॉक का 90 फीसदी हिस्सा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में भारत का कुल डीसी स्टॉक करीब 19 मिलियन वर्ग फीट भूमि क्षेत्र है, जिसके 2025 के आखिर तक 31 मिलियन वर्ग फीट तक पहुंचने की उम्मीद है। यह क्षेत्र 2025 में और वृद्धि के लिए तैयार है, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में करीब 475 मेगावाट कैपेसिटी निर्माणाधीन है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले साल में बीएफएसआई और प्रौद्योगिकी कंपनियां मांग बढ़ाने को लेकर प्रमुख होंगी। रिपोर्ट में बताया है कि अहमदाबाद, कोच्चि, विशाखापत्तनम और लखनऊ जैसे टियर-2 शहर क्षेत्रीय डेटा खपत वृद्धि और लागत-दक्षता लाभों के कारण डेटा केंद्रों के लिए प्रमुख स्थानों के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं। राज्यवार महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, यूपी और पश्चिम बंगाल क्युमुलेटिव इंवेस्टमेंट कमिटमेंट के मामले में अग्रणी राज्य बनकर उभरे हैं। भारत की वर्तमान डेटा सेंटर क्षमता करीब 1,255 मेगावाट है और 2024 के आखिर तक इसके 1600 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में तेजी से बढ़ता प्रौद्योगिकी प्रसार, डिजिटल परिवर्तन, इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, नीतिगत समर्थन और एआई-जनरेटेड डेटा कार्यभार में बढ़ोतरी इस वृद्धि के लिए अहम होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्थिरता एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गई है, इसलिए रिन्यूएबल एनर्जी समाधानों और एडवांस कूलिंग टेक्नोलॉजी को इंटीग्रेट करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जो एनर्जी एफिशिएंसी को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई वर्कलोड के ट्रेडिशनल क्लाउड कंप्यूटिंग मांगों को पार करने की उम्मीद के साथ, डेटा सेंटर ऑपरेटर एआई-ड्रिवन एप्लीकेशन की उभरती जरूरतों को एडजस्ट करने के लिए अपने इकोसिस्टम को अपग्रेड कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में चिकित्सा सुविधा पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, दिए सरकार को निर्देश

मुंबई। मुंबई समेत समूचे महाराष्ट्र में के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था लड़खड़ाईये हुई है। भले सरकार बेहतर चिकित्सा सुविधा देने की बात कहती है लेकिन स्थिति बिलकुल ही चिंताजनक है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों का इलाज राम भरोसे चल रहा है। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने चिकित्सा सुविधा पर संज्ञान लिया है और महाराष्ट्र सरकार को राज्य में चिकित्सा बुनियादी ढांचे के लिए किए गए खर्च और बजट में किए गए प्रावधान का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में मेडिकल, पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ के रिक्त पदों का विवरण भी प्रस्तुत करने का निर्देश मुख्य न्यायधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायधीश अमित बोरकर की पीठ ने सरकार को दिया। कोर्ट ने शनिवार को कहा कि सरकार के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा किए गए व्यय और बजट प्रावधान का विवरण देने वाला एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर फंड का इस्तेमाल नहीं हुआ है तो इसका भी जिक्र किया जाए और कारण भी बताया जाए। दरअसल नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की मृत्यु दर में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए उच्च न्यायालय ने अपनी पहल पर एक जनहित याचिका दायर की थी। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी जनहित याचिकाएं दायर की हैं। इन याचिकाओं पर शनिवार को सुनवाई चल रही थी। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों और चिकित्सा बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित धन का उपयोग नहीं कर रही है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि कई सरकारी अस्पतालों में मेडिकल, पैरामेडिकल और अन्य स्टाफ के पद खाली पड़े हैं।

उमर अब्दुल्ला की कांग्रेस को नसीहत

ईवीएम का रोना बंद कर चुनाव नतीजों को करें कुबूल

श्रीनगर। इंडिया ब्लॉक के एक महत्वपूर्ण सहयोगी ने कांग्रेस की लाइन से खुद को अलग कर लिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर कांग्रेस पार्टी की आपत्ति को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उसी ईवीएम से आपके 100 से अधिक सांसद चुनकर आते हैं तो आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में सेलिब्रेट करते हैं, तो आप कुछ महीनों बाद पलट कर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम से वोटिंग पसंद नहीं है, क्योंकि अब चुनाव परिणाम वैसे नहीं आ रहे जैसा हम चाहते हैं।

उमर अब्दुल्ला की यह टिप्पणी भाजपा की लाइन से मैच करती है। भाजपा भी कहती है कि विपक्षी दल जब जीतते हैं तो ईवीएम को ठीक मानते हैं और जब हारते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहरा देते हैं। जब अब्दुल्ला से पूछा गया कि उनकी यह टिप्पणी ऐसी मालूम पड़ रही है, जैसे भाजपा प्रवक्ता विपक्ष के आरोपों को डिफेंड कर रहा हो, तो उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान न करे! नहीं, यह बस इतना ही है... जो सही है वह सही है।

मैं सच को सच और गलत को गलत कहता हूं

उन्होंने कहा कि वह पार्टी लाइन फॉलो करने की बजाय सच को सच और गलत को गलत कहना पसंद करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने सेंट्रल विस्टा जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अपने समर्थन को अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि दिल्ली में सेंट्रल विस्टा बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। मेरा मानना है कि नए संसद भवन का निर्माण कराना एक शानदार विचार था। हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी। पहले वाली पार्लियामेंट बिल्डिंग पुरानी हो चुकी थी और मौजूदा जरूरतों के हिसाब से फिट नहीं थी।

कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी की संदिग्ध स्थिति में मौत

हट्टा थाना क्षेत्र के परसवाड़ा- लोहारा टोला मार्ग नहर के पास मिला शव, मृतक के सिर और माथे में चोट के निशान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम परसवाड़ा लोहारा में उस वक्त हड़कंप मच गया जब रविवार की सुबह ग्राम परसवाड़ा- लोहारा टोला मार्ग नहर के पास लोगो को एक अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दिया।जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना हट्टा पुलिस को दी। उधर मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके स्थल पर पहुंचकर शव बरामद कर पंचनामा व आवश्यक कार्रवाई पूर्ण की। हट्टा पुलिस ने मृतक की शिनाख्त नगर के वार्ड नंबर 2 भटेरा चौकी निवासी 35 वर्षीय अखिलेश्वर सिंग पिता हेमसिंह के रूप में की है।जिसके शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।मृतक कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी बताया गया है।जिसके हत्या किए जाने की आशंका उनके परिजनों द्वारा जताई गई है।उधर पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर बयान के आधार पर मामले को जांच में लिया है।

कलेक्टर कार्यालय ई-गवर्नेंस कार्यालय सहायक के पद पर पदस्थ था अखिलेश्वर

बताया जा रहा है कि नगर के भटेरा वार्ड क्रमांक 02 निवासी,35 वर्षीय अखिलेश्वर सिंग कलेक्टर कार्यालय ई-गवर्नेंस शाखा में कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत था।जिसका शव हट्टा थाना क्षेत्र में परसवाड़ा और लोहारा टोला मार्ग के किनारे,नाले के पास झाड़ियो में औंधे हालत में मिला है। जिसके सिर और माथे पर चोटें है, जिससे उनकी मौत, संदेहास्पद प्रतित हो रही है। रविवार सुबह 9 से 10 बजे के बीच बांस की झाड़ियो में औंधे मुंह, अखिलेश्वर सिंग का शव दिखाई देने की सूचना, सुबह हट्टा पुलिस को लोगों से मिली थी। जिसके बाद हट्टा पुलिस ने शव बरामद कर, शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जहां परिजनों के बयान दर्ज कर जाफौ 174 के तहत मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वही इस पूरे मामले की जांच हट्टा पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटेरा चौकी वार्ड नंबर 2 निवासी हेमसिह, पहले कृषि विभाग डिंडोरी में पदस्थ थे।जो वर्ष 2016 में सेवानिवृत्ति हुए हैं।उनके दो पुत्र और एक बेटी है।बेटी की शादी हो चुकी है जो अपने ससुराल में रहती है। तो वही हेमसिंह का बड़ा बेटा उड़ीसा के बेलपांडा जिला स्थित नवोदय विद्यालय में बाबू के पद पर पदस्थ हैं। वही उनका छोटा बेटा अखिलेश्वर सिंह कलेक्टर कार्यालय बालाघाट की ई गवर्नेंस शाखा में कार्यालय सहायक के पद पर पदस्थ था।जिसका शव रविवार की सुबह हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम परसवाड़ा- लोहार टोला मार्ग समीप झाड़ियां में मिला है।जिसकी हत्या किए जाने की आशंका उनके परिजनों द्वारा जताई गई है।

शनिवार दोपहर कार्यालय जाने के लिए घर से निकला था अखिलेश्वर

प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिलेश्वर सिंह शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे ऑफिस जाने के लिए घर से निकला था। बताया जा रहा है कि रोजाना अखिलेश्वर रात्रि 7 से 8 के बीच घर आ जाता था। लेकिन शनिवार को वहां रात्रि में घर वापस नहीं आया। जिस पर उनके पिता हेमसिंह ने उससे दूरभाष पर संपर्क किया।रात करीब 9 से 10 बजे के बीच दूरभाष पर संपर्क करने पर अखिलेश्वर ने उन्हें जल्द घर आने की बात कही।उसके बाद भी वह घर वापस नहीं पहुंचा। रात्रि करीब 11 बजे के बाद अखिलेश्वर का फोन स्विच ऑफ हो गया जिसके चलते उनके पिता का उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका।जिसकी शिकायत रात्रि में ही उनके पिता हेमसिंह द्वारा कोतवाली थाने में दी गई थी। जिसकी तलाश की जा रही थी। उधर रविवार की सुबह उसका शव हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम परसवाड़ा लोहारा टोला मार्ग पर बने नाले के समीप झाड़ियां के पास मिलने की जानकारी मिली है। जहां अखिलेश्वर की मोटरसाइकिल सड़क किनारे सही सलामत खड़ी होने और मृतक के सिर और माथे पर चोट के निशान मिलने पर उनके परिजनों द्वारा उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है।

पत्नी पिंकी से तलाक का कोर्ट में चल रहा है केस

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार भटेरा चौकी वार्ड नं 2 निवासी अखिलेश्वर सिंह का विवाह करीब 8-9 वर्ष पूर्व वारासिवनी निवासी पिंकी सिसोदिया के साथ हुआ था।जिनकी एक बेटी है। जो नवोदय विद्यालय भरवेली में कक्षा तीसरी में पढ़ाई करती है।बताया जा रहा है कि पहले पत्नी पिंकी बालाघाट लोक सेवा आयोग में कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करती थी। करीब 2 वर्ष पूर्व किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच उपजे विवाद के चलते अखिलेश्वर सिंह और पिंकी अलग हो गए।जहा पत्नी पिंकी अपने मायके में रह रही थी। दोनों के एक दूसरे से अलग होने के बाद एक दिन अखिलेश्वर की सास और साली सहित अन्य लोगों ने पत्नी पिंकी का पूरा सामान गाड़ी में भरकर अपने साथ वारासिवनी गए थे। बताया यह भी जा रहा है कि पति पत्नी दोनों के अलग-अलग होने पर पत्नी पिंकी जॉब के सिलसिले में रतलाम भी गई थी। वहीं पिछले दो वर्षों से अखिलेश्वर और पिंकी के तलाक का प्रकरण कोर्ट में चल रहा है।

हमें आशंका है कि उसकी हत्या की गई है- हेमसिंह

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक अखिलेश्वर के पिता हेमसिंह ने बताया कि उनका बेटा शनिवार को छुट्टी के दिन ऑफिस जाने के लिए दोपहर करीब 3 बजे घर से निकला था जो लौटकर वापस नहीं आया।रात्रि करीब 9 से 10बजे के बीच उन्होंने अखिलेश्वर से फोन पर बात की थी तब उसने कहा था कि वह मां की दवा लेकर घर आ रहा है, जिसके बाद वह जब रात तक नहीं लौटा तो उसे फोन किए, लेकिन फोन बंद आ रहा था।इसकी सूचना उन्होंने तुरंत रात्रि में ही कोतवाली पुलिस को दी। जहां कोतवाली पुलिस ने दोस्तों और रिश्तेदारों में पता करने कहां, साथ ही अखिलेश्वर के ससुराल वारासिवनी में भी फोन लगाकर उसकी जानकारी ली गई। लेकिन कहीं से उसकी कोई जानकारी नहीं मिली।हमें हट्टा पुलिस से उसका शव मिलने की जानकारी मिली। हमें समझ नहीं आ रहा है कि जब वह ऑफिस जाने के लिए गया था तो वह हट्टा के पास परसवाड़ा कैसे पहुंच गया। वहां उसकी मोटरसाइकिल खड़ी थी। उसका शव सड़क किनारे झाड़ियों के पास मिला है। जबकि अभी तक अखिलेश्वर का मोबाइल नहीं मिल पाया है।हमे आशंका है की उसकी हत्या की गई है।

मौत की वजह स्पष्ट नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है -पन्द्रे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान हट्टा थाना प्रभारी भूपेन्द्र पन्द्रे ने बताया कि सुबह बांस की झाड़ियो के बीच एक शव दिखाई देने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव बरामद किया कर उसे पीएम के लिए भिजवाया है। मृतक अखिलेश्वरसिंग के सिर और माथे पर चोटें है। रात में गश्त के दौरान, पुलिस ने एक मोटर सायकिल खड़ी देखी थी। परिजनों से पता चला है कि वह ई-गवर्नेंस में कार्यालय सहायक थे। हालांकि मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। सीसीटीव्ही फुटेज देखे जा रहे है, जांच और पीएम रिपोर्ट के बाद ही मृतक की मौत को लेकर कुछ कहा जा सकता है।

रात 10 बजे तक तो कार्यालय खुला नही था-मेश्राम

वही इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान ई-गवर्नेंस, जिला प्रबंधक विवेक मेश्राम ने बताया कि आज सुबह ही मुझे घटना का पता चला।रात 10 बजे तक तो कार्यालय नहीं खुला था। अखिलेश्वरसिंग, कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत था और काफी अच्छा इंसान था।

रिवर्स हो रहे 10 चक्के ट्रक की चपेट में आने से कृषक घायल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम धपेरा मोहगांव में ट्रक की चपेट में आने से एक कृषक घायल हो गया घायल कृषक मूलचंद पिता गेंदु मातरे 48 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती

किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलचंद मातरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 15 दिसंबर को दोपहर में मूलचंद मोटरसाइकिल में अपने खेत कृषि कार्य करने के लिए गए थे। शाम 5 बजे करीब मूलचंद अपने खेत से मोटरसाइकिल में घर लौट रहे थे। तभी तालाब के पास निर्माणाधीन रोड पर रिवर्स हो रहे 10 चक्के ट्रक ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रक की ठोस मार से मूलचंद का बाया पैर ट्रक के पहिये में आने से फैक्चर हो गया और वे घायल हो गए।जिन्हें तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

सड़क दुर्घटना में २ सगे भाई घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी से डोंगरमाली मार्ग पर ग्राम मेंढ़की के पास में सगाई कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे दो सगे भाई सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। जिसमें एक्सीडेंट करने वाला दूसरा मोटर साइकिल

सवार मौके से फरार हो गया जिन्हें उनके चाचा के द्वारा सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया जिनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश पिता रामेश्वर धुवारे २४ वर्ष ,पवन पिता रामेश्वर धुवारे २७ वर्ष अपनी मां पदमावती पति रामेश्वर धुवारे ५५ वर्ष तीनो निवासी रामपायली अपने रिश्तेदार के घर ग्राम लड्सड़ा में आयोजित सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी मोटर साइकिल से जा रहे थे। इस दौरान डोंगरमाली की ओर से एक मोटरसाइकिल में दो युवक सवार होकर आ रहे थे। तभी अचानक लालपहाडी के पास दोनों मोटर साइकिल की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसमें सड़क दुर्घटना करने वाली मोटर साइकिल जो डोंगरमाली से मेंढ़की की तरफ जा रही थी वह मौके से फरार हो गयी। तो वहीं दोनों युवक और उनकी माता घायल हो गए जिनके द्वारा घटना की जानकारी अपने चाचा ज्ञानेश्वर धुवारे सवारी निवासी को दी गई। जिन्होंने दोनों भाइयों को शासकीय सिविल अस्पताल में लाया जहां पर उनका उपचार जारी है।

लांजी से हैदराबाद जा रही बस पलटी, दो दर्जन यात्री हुए घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी से हैदराबाद जा रही बस तेलंगाना बार्डर से करीब 12 किमी पहले दरूर गोण्डपीपरी में 14 एवं 15 दिसंबर की मध्य रात्रि करीब 1 से 2 बजे के मध्य पलट गई जिनमे सवार करीब दो दर्जन से अधिक लोगो को मामूली चोटे आई है तथा तीन लोग गंभीर रूप से घायल होना बताया जा रहा है। बस चालक द्वारा वहां उपस्थित लोगो को बताये अनुसार 14 दिसंबर की शाम को लांजी से सिद्धीविनायक ठाकुर ट्रैवल्स बस क्रमांक एआर 01 यू 5655 जो हैदराबाद करीम नगर के लिये रवाना हुई थी जो कि महाराष्ट्र के चन्द्रपुर जिला पार करने के पश्चात गोण्ड पीपरी दरूर ग्राम में रात्रि करीब 1 से 2 बजे के मध्य पंहुची ही थी सामने एक ट्रक आ रहा था जिसे साईड देने के चलते बस एक खेत की बंदी में जा घुसी जहां एक पेड़ से टकराने के पश्चात बस पलट गई। वहीं बस में मौजूद

लोगो के द्वारा बताया गया कि बस मे करीब 50 से 60 सवारी मौजूद थी जिनमें लगभग 22 लोगो को मामूली चोटे आई है तथा तीन लोगो को गंभीर चोटे आना बताया गया है जिन्हे स्थानीय लोगो एवं पुलिस की सहायता से चन्द्रपुर जिला अस्पताल ले जाया गया एवं वहां नागपूर रिफर करना बताया गया है। वहीं अनेको मजदूर वर्ग अपने अपने साधन से हैदराबाद करीम नगर जाना बताया गया है तथा कुछ लांजी वापस आना बताया गया है। गनीमत यह है कि इस दुर्घटना में कोई जन हानि नही हुई अन्यथा बडी घटना घटित हो सकती थी। क्योंकि वर्तमान में लांजी से हैदराबाद चल रही बसों में आवश्यकता से अधिक सवारियॉ ले जाया जाता है जिसके चलते यदि इस प्रकार की घटनाऐं घटित होती है तो बडी जनहानि हो सकती है इस विषय को प्रशासन ने संज्ञान में लेना चाहिये।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट